पान मसाला पर उपकर वाले विधेयक को लोकसभा ने दी मंजूरी - 12

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा-जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना -12

गांधी की समाधि पर नतमस्तक हुए पुतिन, अहिंसा और सच्चाई के लिए किया याद - 13

एशेज सीरीज के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त - 14

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.43
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया 09:25 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 106, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मुर्शिदाबाद में मस्जिद के शिलान्यास में कोई हस्तक्षेप नहीं: हाईकोर्ट

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर, तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा प्रस्तावित एक मस्जिद के निर्माण में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी छह दिसंबर को प्रस्तावित ''बाबरी मस्जिद'' के लिए निर्धारित शिलान्यास समारोह से पहले आई है, जो मूल ढांचे के विध्वंस की बरसी भी है। केंद्र ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 19 कंपनियां इस साल अप्रैल में मुर्शिदाबाद जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद क्षेत्र में तैनात की गई थीं। वह अभी भी तैनात हैं और हिंसा की स्थिति में तैयार रहेंगी।

काले हिरण के शिकार में तीन लोग गिरफ्तार

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में शुक्रवार को काले हिरण का शिकार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। आरोपियों के पास से मृत हिरण, खाल, एक राइफल, कारतूस, दो कार सहित अन्य औजार बरामद किए गए हैं। वन विभाग के रेंजर मनीष सिंह ठाकुर ने बताया कि सागर जिले की सीमा से लगे बेगमगंज–राहतगढ़ के पास ग्राम बेरखेड़ी बीट में बृहस्पतिवार रात काले हिरण के शिकार की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब चार बजे घेराबंदी कर आरोपियों की दो कारों को रोककर तलाशी ली गई।

पांच करोड़ के सोने के बिस्कुट किए जब्त

कृष्णनगर। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में बीएसएफ ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 5 .47 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने के 36 बिस्कुट जब्त किए और भारतीय तस्कर को पकड़ा। बीएसएफ के एक बयान में कहा गया है कि बानपुर सीमा चौकी पर दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के जवानों ने गुरुवार को विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान चलाया तथा संदिग्ध तस्करी मार्गों पर पैनी नजर रखी। अभियान के दौरान जवानों ने एक व्यक्ति को सीमावर्ती सड़क से बानपुर गांव की ओर संदिग्ध रूप से जाते देखा। बुलाने पर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया।

100वें जन्मदिन पर दान में दिए 3.4 करोड़

भुवनेश्वर। ओडिशा की एक स्त्री रोग विशेषज्ञ ने शुक्रवार को अपने 100वें जन्मदिन पर भुवनेश्वर एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को 3 .4 करोड़ रुपये दान कर दिए। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मशहूर प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रो . के लक्ष्मी बाई ने एम्स को विश्वास और भलाई का एक असाधारण तोहफा दिया है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 1945 में अपनी डिग्री हासिल करने और 1986 में बरहामपुर के एमकेसीजी चिकित्सा महाविद्यालय से सेवानिवृत्त होने तक देश की निस्वार्थ सेवा करने वाली प्रो . बाई का यह योगदान अविश्वस्नीय है।

बिना दबाव भारत को जारी रहेगी तेल आपूर्ति : पुतिन

मोदी बोले- भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह अटल, दोनों देशों ने पंचवर्षीय आर्थिक मसौदे पर जताई सहमति

- हेल्थ, फूड सेफ्टी और शिपबिल्डिंग समेत कई समझौतों पर मुहर
- 2030 से पहले 100 अरब डॉलर का आपसी व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारत–रूस के 23वें शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

भारत और रूस ने अमेरिका द्वारा दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमति जताई। इस दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत को बिना रोक-टोक के तेल आपूर्ति जारी रखेगा। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। मोदी ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद यह मित्रता ध्रुव तारे की तरह अडिग बनी हुई है। दोनों देशों ने 2030 के आर्थिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के अलावा, स्वास्थ्य, गतिशीलता, खाद्य सुरक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने द्विपक्षीय शिखर वार्ता के बाद कहा, गत आठ दशकों में दुनिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है। लेकिन आपसी सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित यह संबंध हमेशा समय की कसौटी पर खरा उतरा है। आज हमने इस नींव को और मजबूत करने के लिए सहयोग के सभी पहलुओं पर चर्चा की। आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना हमारी साझा प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दोनों देश 2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं और इससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश विविध, संतुलित और टिकाऊ बनेंगे। उन्होंने कहा, हम आईएनएसटीसी , उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे पर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। मुझे खुशी है कि अब हम ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग करेंगे। मोदी कहा, इससे न केवल आर्कटिक में हमारा सहयोग मजबूत होगा, बल्कि भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अर्मीनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी 'मल्टी-मोड' परिवहन परियोजना है। मोदी ने कहा कि पोत निर्माण के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच गहन सहयोग से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को मजबूती मिलने की संभावना है।

मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण को लेकर दोनों देश उत्सुक

पुतिन ने संकेत दिया कि रूस भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार को और सुलभ बनाएगा तथा दोनों पक्ष छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में सहयोग के लिए उत्सुक हैं। रूस परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर–ऊर्जा अनुप्रयोग में भी भारत को सहायता दे सकता है, उदाहरण के लिए चिकित्सा और कृषि में। मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत–रूस साझेदारी का एक मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रही है और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, हम इस परस्पर लाभकारी सहयोग को जारी रखेंगे।

रूसी पर्यटकों को 30 दिन का फ्री वीजा देगा भारत

मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि भारत शीघ्र ही रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का नि :शुल्क ई–पर्यटक वीजा तथा 30 दिन का समूह पर्यटक वीजा शुरू करेगा। पुतिन ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्ष वार्षिक व्यापार को वर्तमान 64 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर विचार कर रहे हैं और रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है।

यूक्रेन संकट पर भारत तटस्थ नहीं, शांति का पक्षधर

दोनों शासनाध्यक्षों की बातचीत के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा कि भारत ने उस देश में शांति की वकालत की है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत हमेशा योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने पर चर्चा

वार्ता में आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। मोदी ने आतंकवाद के खतरे पर कहा कि भारत और रूस लंबे समय से इस खतरे के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर कायरतापूर्ण हमला इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

रेपो दर में 0.25 % की कटौती घर-गाड़ी खरीदना होगा सस्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने दी जानकारी, फरवरी 2025 से यह चौथी कटौती
- चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत किया

ऐसे हुई कटौती

- फरवरी : 0 .25 %
- अप्रैल : 0 .25 %
- जून : 0 .50%
- दिसंबर : 0 .25

महंगाई का अनुमान घटाया

आरबीआई ने महंगाई दर के अनुमान को 2 .6 से घटाकर 2% कर दिया है। गवर्नर ने कहा, मुद्रास्फीति 2 .2% के संतोषजनक स्तर पर है और वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि 8 .0 प्रतिशत रही है। जो अर्थव्यवस्था के लिए खुशनुमा दौर बनता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को नीतिगत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। इससे घर, वाहन और अन्य कर्ज सस्ता होने की उम्मीद है। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों में एक लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने की भी घोषणा की। इससे अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सुरक्षित रखने और रुपये की कीमत में आई गिरावट से निपटने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। यह फरवरी 2025 के बाद से चौथी कटौती है और अब तक कुल 1.25 प्रतिशत कटौती हो चुकी है। रेपो दर में छह महीने के अंतराल के बाद की गई इस कटौती से आवास, वाहन और अन्य उपभोक्ता ऋणों के सस्ते होने का रास्ता खुल गया है। दरअसल रेपो दर में कटौती का सीधा असर बैंकों की उधारी लागत पर होता है।

बैंकों को अब केंद्रीय बैंक से सस्ते में उधार मिलेगा लिहाजा वे एमसीएलआर (कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर) और अन्य ऋण दरों में कमी कर सकेंगे। इससे घर, वाहन और व्यावसायिक ऋणों की मासिक किस्तें घटेंगी। रेपो दर में इस कटौती से आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 90 के भी पार चले जाने से जुड़ी आशंकाएं दरकिनार करने की कोशिश की है। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में पांच प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है जो एशिया की सभी मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाली एमपीसी ने मौद्रिक नीति के रुख को 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला किया।

दो पासपोर्ट मामले में भी अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा

- एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सुनाई सजा

रामपुर। दो पासपोर्ट रखने के मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खां के पुत्र पूर्व विधायक अब्दुल्ला को दोषी मानते हुए सात साल के कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। उन्होंने 332 पेज का फैसला तैयार किया था। वह दो पैन कार्ड के मामले में हुई सजा में रामपुर जेल में बंद हैं।

अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट के मामले में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम एक पासपोर्ट का इस्तेमाल विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं। जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी 1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है। अब्दुल्ला के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्म स्थान भी विरोधाभासी है। शुक्रवार को अब्दुल्ला वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि धारा 420 में तीन वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 467 में 7 साल की सजा 20 हजार का जुर्माना, 468 में 3 वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 471 में दो वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया है।

एक जिला–एक व्यंजन भी बनेगा ब्रांड यूपी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को दी मंजूरी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि 'एक जनपद–एक उत्पाद' अब 'एक जिला-एक व्यंजन' भी ब्रांड यूपी बनेगा। योगी ने स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग, गुणवत्ता उन्नयन और बड़े बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया। कहा कि बदलती वैश्विक मांग को देखते हुए योजना को अधिक व्यावसायिक रूप में आगे बढ़ाना समय की जरूरत है।

योगी ने बैठक में बताया कि ओडीओपी 2.0 का उद्देश्य है कि पारंपरिक उत्पाद स्थायी रोजगार का आधार बनें और निर्यात में वृद्धि हो। उन्होंने निर्देश दिए कि पहले चरण में अच्छा काम करने वाले उद्यमियों को विस्तार के अवसर दिए जाएं, ताकि वे बड़े स्तर पर कारोबार कर सकें। मुख्यमंत्री ने 'एक जनपद–एक व्यंजन' (ओडीओसी) योजना लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि अब प्रदेश के खान-पान की परंपरा को भी नई पहचान मिलेगी। इसके तहत हर जिले के प्रमुख व्यंजन की पहचान, गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में विशिष्ट स्वाद की समृद्ध परंपरा है, जिसे संगठित रूप से प्रचारित किए जाने की जरूरत है।

विशेषज्ञों की मदद से उपयोगी बनें कॉमन फैसिलिटी सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमन फैसिलिटी सेंटर को और उपयोगी बनाया जाए। विशेषज्ञों की मदद से उद्यमियों को डिजाइन, पैकेजिंग और उत्पादन संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओडीओपी उत्पादों को केवल पारंपरिक बाजारों तक सीमित न रखते हुए उन्हें बड़े रीटेल नेटवर्क से जोड़ा जाए। देश में स्थापित सभी यूनिटी मॉल में उत्तर प्रदेश के उत्पादों के लिए अलग स्थान सुनिश्चित किया जाएगा।

मंत्री ने गिनाई ओडीओपी की उपलब्धियां : बैठक में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान समेत अधिकारियों ने उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि वर्ष 2018 से शुरू ओडीओपी योजना के तहत अब तक 1.25 लाख से अधिक टूलकिट, छह हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का ऋण और आठ हजार से अधिक उद्यमियों को विपणन सहायता उपलब्ध कराई गई है।

इंडिगो की चौथे दिन भी 500 उड़ानें रद्द, सरकार ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर फैली भारी अव्यवस्था।

- सेवाओं में व्यवधान से हवाई अड्डों पर अफरा तफरी
- डीजीसीए ने पैसेंजर्स की सुरक्षा की कीमत पर दी राहत

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के राष्ट्रीय राजधानी से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानों सहित करीब 500 उड़ानें रद्द करने से देश भर में हजारों यात्री कई घंटों तक फंसे रहे और हवाई यात्रा शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी पटरी से उतरी नजर आई।

लोगों का गुस्सा बढ़ने और विपक्षी दलों के सरकार को घेरने के बाद डीजीसीए ने हस्तक्षेप करते हुए इंडिगो के पायलटों के लिए रात्रि ड्यूटी के कड़े नियमों से अस्थायी छूट दे दी। इंडिगो का संकट उन नए नियमों से खड़ा हुआ जिनके तहत पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय को 12 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया। साथ ही सप्ताह में केवल दो बार रात में लैंडिंग की अनुमति दी गई है, जो पहले छह हुआ करती थी। इंडिगो ने इन व्यवधानों के लिए गलत फैसलों और योजनागत कमियों को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली से शुक्रवार को इंडिगो की 235 उड़ानें रद्द की गई हैं। चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने रद्द हुईं।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली। डीजीसीए ने इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के कारणों की व्यापक समीक्षा और आकलन के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। समिति के सदस्यों में संयुक्त महानिदेशक संजय के ब्रम्हाने, उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन रामपाल शामिल हैं। समिति 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी।

सौहार्द | छह दिसंबर को अयोध्या में कोलाहल नहीं, राममंदिर का उल्लास, रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार, शान से लहरा रहा है धर्म ध्वज

छह साल में ही बदल गई 33 साल की रामनगरी की तस्वीर

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अमृत विचार : 06 दिसंबर 1992, 09 नवंबर 2019, 25 मार्च 2020, 22 जनवरी 2024 और 25 नवंबर 2025, ये तिथियां अयोध्या के इतिहास में दर्ज हो गईं हैं। वर्ष 1992 से 2025 तक इन 33 वर्षों में रामनगरी की तस्वीर ऐसी बदली कि आज अयोध्या अद्भुत, अकल्पनीय कहलाने लगी है।

वर्ष 2019 में श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला आने और 2025 में श्रीराम मंदिर पूरा बनकर तैयार होने पर धर्म ध्वजारोहण होने के दौरान इन छह वर्षों में अयोध्या सम्पूर्ण विश्व में छा गई। हर साल 06 दिसंबर को छाने वाला कोलाहल फिजाओं में गुम हो गया। न सिर्फ मां सरयू नदी अपनी धुन में बह रही है, अपितु चौक, बाजार, गली-मोहल्ले और यहां के निवासी भी सहज हैं। इस दिन रह-रह कर गूंजने वाला सायरन और सुरक्षा बलों के बूटों की धमक की जगह आपसी सौहार्द का गहरा हुआ रंग रिश्तों की डोर मजबूत कर रहा है। गंगा-जमुनी तहजीब की धूप में तनाव की बदली की सिहरन से लोग मुक्त हो चुके हैं। एहतियात के तौर पर भले ही पुलिस, सुरक्षा बल और खुफिया तंत्र सतर्क हैं, लेकिन दशकों पहले परिस्थितियों वाली गंभीरता नहीं है। यौमे स्याह और शौर्य दिवस का दूर-दूर तक कोई जिक्र नहीं है। कुछ संगठनों ले रस्म अदायगी जरूर की जाती है, लेकिन आमजन रामलला की धुन में है। तारीखें बहुत कुछ बदल देती हैं। 06 दिसंबर 1992 से लेकर 08 नवंबर 2019 तक की खाई को 09 नवंबर 2019 को श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पाट दिया। मस्जिद के लिए अलग से पांच एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को देने के आदेश ने बचा-खुचा तनाव भी खत्म कर दिया।

25 मार्च 2020 को रामलला टेंट से निकलकर फाइबर के मंदिर में शिफ्ट हुए और 05 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद शुरू हुए श्रीराम मंदिर निर्माण और 22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में बाल स्वरूप रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 वर्षों की साधना को फलक तक पहुंचा दिया। 25 नवंबर 2025 को मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने और प्रधानमंत्री द्वारा धर्म ध्वजारोहण करने के बाद देश-विदेश के सनातनी ही नहीं अपितु सर्व समाज आनंदित है।

"अयोध्या प्राचीन नगरी है। यहां देश–विदेश से लोग आते हैं। हर धर्म हर जाति के देवी–देवता यहां विराजमान हैं। 6 दिसंबर को जो कुछ होना था वह हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया। मंदिर बन गया। अब हिंदू और मुसलमानों में कोई मतभेद नहीं है। हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी ऐसा काम करें जिससे लोग एक–दूसरे से मिल कर रहें। नफरत को भूल जाएं। जिससे पूरा देश और दुनिया अयोध्या के लोगों को याद करे।

– **इकबाल अंसारी**, बाबरी मस्जिद विवाद के मुद्दई।

"6 दिसंबर को लेकर सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। परिसर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखते हुए दर्शन चलेगा। अब कहीं कोई विवाद नहीं। – **डॉ . अनिल मिश्रा**, सदस्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट।

न्यूज ब्रीफ

कौशल विकास मिशन में दक्षता बढ़ाने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में युवाओं को कौशल विकसित कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित कौशल विकास मिशन को और अधिक प्रभावी तथा परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए शुक्रवार को मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में समस्त अधिकारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला में आईआईएम के प्रोफेसर ने "रिचर्ड विलियम्स केस स्टडी" के माध्यम से रणनीतिक सोच, प्रभावी योजना निर्माण और लक्ष्यों की प्राप्ति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मिशन निदेशक ने कहा कि सबको हुनर, सबको काम" मिशन का मूल मंत्र है। उन्होंने बताया कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें स्थानीय रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्पष्ट विज़न, मौजूदा स्थिति का ठोस विश्लेषण, संसाधनों का दक्ष उपयोग, टीम वर्क और समन्वित कार्यशैली अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मिशन संचालन के शॉर्ट-टर्म, मिड-टर्म और लॉन्ग-टर्म गोल्स पर समान ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

सरकार दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए पूरी तरह समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति निष्ठा से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समावेशी एवं सुलभ समाज के निर्माण हेतु राज्य सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम लगातार मजबूत हो रहे हैं। मंत्री ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संस्थाओं, प्रतिभागियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों, संस्थाओं, नियोक्ताओं और श्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। 03 से 05 दिसम्बर तक आयोजित इस कार्यक्रम में जागरूकता रैलियां, परिचर्चाएं, स्वास्थ्य शिविर, सहायक उपकरण वितरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं कौशल विकास गतिविधियां आयोजित की गईं।

ऋण और उद्यम स्थापना में जटिलता न आए

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर कहा कि पीएमईजीपी राज्य में स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यमों के विकास का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने अधिकारियों और बैंकों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को समय से ऋण उपलब्ध हो और उद्यम स्थापना में किसी प्रकार की जटिलता न आए। वे शुक्रवार को आईसीसीएमआरटी, लखनऊ में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) को प्रदेश में और प्रभावी बनाने तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं राज्य निदेशक, विभागीय अधिकारी तथा अग्रणी बैंकिंग संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य पीएमईजीपी के तहत उद्यमियों को उपलब्ध सुविधाओं, ऋण प्रक्रियाओं, अनुदान प्रावधानों और परियोजना स्थापना के नए मॉडल पर विस्तृत चर्चा करना था।

अवैध नशे पर सरकार का प्रहार, प्रदेश भर में दर्ज हुई 128 फर्मों पर एफआईआर

- कोडीनयुक्त कफ सिरप व नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर सरकार सख्त
- अबतक लाखों की अवैध दवाएं जब्त, आधा दर्जन से अधिक आरोपी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार पर योगी सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एएनटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त कार्रवाई में 128 फर्मों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि लाखों रुपये मूल्य की अवैध दवाएं जब्त की गई हैं। अब तक आधा दर्जन से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सरकार ने अवैध, नकली और नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर लगाम कसने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 8756128434 भी जारी किया है, जिस पर आम नागरिक सूचना दे सकेंगे। अभियान के दौरान सबसे अधिक वाराणसी में 38, जौनपुर में 16, कानपुर नगर में 8, गाजीपुर में 6, लखीमपुर खीरी में 4 और लखनऊ में 4 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, प्रदेश के अन्य 22 जिलों में कुल 52 मामले दर्ज किए गए हैं। कुल मिलाकर 28 जिलों में 128 एफआईआर की कार्रवाई अवैध नशे के नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

दर्जनों मेडिकल स्टोरों पर बिक्री पर रोक

- आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में प्रतिष्ठानों पर व्यापक निरीक्षण किया गया। लाखों की संदिग्ध दवाएं जब्त की गईं और दो दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध दवा आपूर्ति, अवैध भंडारण और बिना बिल के बिक्री की जांच तेज की गई है। कई मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है।

अवैध दवा कारोबार पर सख्त निगरानी

सरकार ने साफ किया है कि युवाओं को नशे की चपेट में धकेलने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कोडीन-आधारित दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए ट्रांसपोर्ट, स्टॉक और बिक्री पर एकीकृत निगरानी तंत्र तैयार किया गया है। एफएसडीए और एएनटीएफ की टीमों द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से अवैध नशे का नेटवर्क काफी हद तक कमजोर हुआ है। आने वाले दिनों में और जिलों में भी जांचतेजकीजाएगी।

अमित और आलोक को भेजी गई थी करोड़ों की कफ सिरप

- एसटीएफ ने 22 माह पहले सुशांत गोल्फ सिटी से की थी बरामद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में 22 माह पूर्व पिछले वर्ष फरवरी में करोड़ों रुपये की फेंसेडिल कफ सिरप बरामद की गई थी। यह कफ सिरप शुभम जायसवाल ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह व उसके साथी अमित सिंह टाटा के लिए भेजी थी। जिसे पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में तस्करी कर पहुंचाना था। एसटीएफ और एफएसडीए की टीम ने सिरप पकड़ लिया। शुरूआती दौर में जांच की गई तो अमित का नाम सामने आया। पर, शुभम और आलोक सिंह की भूमिका नहीं मिली।

जांच आगे बढ़ी तो आलोक सिंह का नाम सामने आया। इसकी पुष्टि नहीं हो रही थी कि वह आलोक बर्खास्त सिपाही है। पर, विभोर राणा व साथी की गिरफ्तारी के बाद इसकी पुष्टि हुई।

पूर्व बाहुबली सांसद का करीबी होने की वजह से आलोक पर कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच ही गाजियाबाद में कफ सिरप की सप्लाई को लेकर मामला दर्ज हुआ। जांच बढ़ी तो अमित टाटा और आलोक के बारे में पता चला। अब तक एबॉड कम्पनी की इस फेंसेडिल सिरप पर रोक लगा दी गई थी। कम्पनी ने भी दिसम्बर 2024 में उत्पादन बंद कर दिया था। इसके बाद भी सिरप की सप्लाई बड़े पैमाने पर फर्जी कम्पनियों के जरिए बांग्लादेश तक की जाती रही। जांच में कई साक्ष्य मिलने पर एसटीएफ ने अमित टाटा को गिरफ्तार किया तो उसने सबकी पोल खोल दी। मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल ने आलोक के नाम पर धनबाद और वाराणसी में दर्ज कराई दो फर्मों के नाम पर इस सिरप की सप्लाई जारी रखी। इसके लिए फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल लगाने के साक्ष्य भी मिल चुके है। अब एसटीएफ एक साल पहले सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज मुकदमे से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है।

प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को दलित समाज का पोस्टर दिखाते सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, राष्ट्रीय सचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी, सांसद आर.के. चौधरी और मिठाई लाल भारती। अमृत विचार

आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा निरस्त करना अलोकत्रांतिक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी द्वारा 06 दिसंबर को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रस्तावित श्रद्धांजलि सभा पर राज्य सरकार के निर्देश पर रोक लगा दी गयी है। जिसके बाद सपा नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हम सपाई हर जगह परिनिर्वाण दिवस मनाएंगे, बाबा साहब की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रम आवंटन अचानक निरस्त किए जाने को अलोकतांत्रिक और बाबा साहेब के प्रति दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करार देते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द किये जाने की सूचना तानाशाही और अलोकतांत्रिक कृत्य है। भाजपा सिर्फ वोट के लिए बाबा साहेब का नाम लेती है। हम जनता के बीच जाएंगे।

'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' से औद्योगिक विकास को रफ्तार: योगी

मुख्यमंत्री ने की इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क की समीक्षा, एफडीआई बढ़ाने के निर्देश

- ललितपुर फार्मा पार्क व प्लग-एंड-प्ले मॉडल के साथ नियमित अंतराल पर हो कॉन्फ्रेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट'' से ही औद्योगिक विकास की रफ्तार और तेज होगी। यूपी अब निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन चुका है। ऐसे में निवेश को लेकर किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर निवेशक को फास्ट ट्रैक सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क संवाद बढ़ाएं और नियमित अंतराल पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस करें। उन्होंने इन्वेस्ट यूपी की टीम से कहा कि हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे प्रणाली में भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि निवेशक को पहले दिन से तैयार अवसंरचना मिलेगी, तो वह तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कंपनियों के कॉरपोरेट और मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे। बैठक में बताया गया कि जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के डेस्क सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं तथा निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। खाड़ी देशों के साथ छह गोलमेज बैठकों में 83 कंपनियों के साथ संवाद स्थापित हुआ और करीब 5,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले।

683 मिलियन डॉलर का हुआ यूपी में एफडीआई

- बैठक में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर तक यूपी में 683 मिलियन डॉलर का एफडीआई आया है। अक्टूबर 2019 से प्रदेश का कुल संचयी विदेशी निवेश 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू अवधि में 5,963 करोड़ रुपये का एफडीआई प्रवाह दर्ज हुआ है, जो प्रदेश में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाता है।

88 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों की झड़ी

- एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत 11 कंपनियों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं, जबकि 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूके, पोलैंड और सिंगापुर यूपी के प्रमुख निवेश साझेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने ललितपुर फार्मा पार्क के अवसंरचना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है, इसलिए जमीन, बिजली और पानी की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं रहनी चाहिए। जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो की ब्राउनफील्ड परियोजना पर कार्य आगे बढ़ रहा है, जबकि 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप जारी है। टोयोटा, सुमितोमो और मारुबेनी जैसे समूहों के साथ भी लगातार संवाद है। जापान डेस्क के लिए 20,000 करोड़ रुपये निवेश लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ताइवान डेस्क के संबंध में मुख्यमंत्री ने प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। 40 कंपनियां चिन्हित की गई हैं और लगभग 100 करोड़ रुपये के निवेश की पाइपलाइन तैयार है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश महत्वपूर्ण है। कानपुर को टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी व स्पोर्ट्सवेयर केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी प्रस्तुत की गई। दक्षिण कोरिया डेस्क के अंतर्गत सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक से निवेश प्रस्तावों पर बातचीत आगे बढ़ रही है। एलजी का 850 करोड़ और लोट्टे समूह का 400 करोड़ का निवेश प्रक्रियाधीन है। सिंगापुर के टेमासेक, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास और सेम्बकॉर्प जैसी कंपनियों ने भी रुचि जताई है।

पौधरोपण में घोटाले की परतें खुलीं

- मथुरा के मांट रेंजर निलंबित, कई रेंज संदेह के घेरे में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे बड़े पौधारोपण अभियान में गड़बड़ियों का सिलसिला खुलने लगा है। शासन को भेजी गई रिपोर्टों में कई रेंजों में पौधारोपण के दावे झूठे पाए गए हैं और जमीन पर पौधों की संख्या बेहद कम मिली है। सबसे गंभीर मामला मथुरा के मांट रेंज में सामने आया, जहाँ 12,500 पौधों के रोपण का दावा था, पर निरीक्षण में कुछ सौ पौधे ही जीवित मिले। औचक जांच में सामने आए तथ्यों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए मांट रेंजर बुद्धप्रिय गौतम को निलंबित किया गया है। संबंधित एसडीओ को भी हटाया गया है।

वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना के निरीक्षण में पता चला कि कई स्थानों पर गड्ढे तो खोदे गए, लेकिन पौधे लगाए ही नहीं गए। जहाँ लगाए गए, वहाँ संरक्षण और सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं मिल सकी। पौधारोपण की वास्तविकता और रिपोर्ट में भारी अंतर मिलने के बाद विभागीय स्तर पर जांच समिति गठित की गई है। समिति खर्च, पौधों की संख्या, जीवितता दर और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करेगी।

सूत्रों के अनुसार यह मामला सिर्फ एक रेंज तक सीमित नहीं रहेगा। कई जिलों से मिली रिपोर्टों में भी बड़े स्तर पर अनियमितताओं के संकेत हैं। शासन अब सभी पौधारोपण स्थलों की थर्ड पार्टी सर्वे कराने पर विचार कर रहा है।

मांट रेंज में बड़ा फर्जीवाड़ा

- **दावा :** 12,500 पौधे लगाए गए
- **मिला :** कुछ सौ पौधे ही जीवित
- कई स्थानों पर पौधे लगाए ही नहीं गए
- संरक्षण व सिंचाई की व्यवस्था पूरी तरह नदारद
- रेंजर निलंबित, एसडीओ हटाए गए

प्रदेशभर में होगी जांच

- कई रेंजों की रिपोर्टों में गड़बड़ियों के संकेत
- पौधारोपण के नाम पर बजट खर्च की जांच
- थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन लागू करने की तैयारी
- फोटो जियो-टैगिंग और मास सर्वे अनिवार्य करने की योजना
- फर्जी रिपोर्टिंग पर तत्काल निलंबन और प्राथमिकी के निर्देश

अबतक के एसआईआर का आंकड़ा सार्वजनिक करें : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप्र. में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) पर सवाल उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से पूंछा है कि यूपी में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, आंकड़ा प्रकाशित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने भाजपा सरकार पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग के लोगों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाने की साजिश करने के आरोप लगाए हैं। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट के जरिए एसआईआर को लेकर सत्ताधारी दल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ के साथ अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए । साथ ही कहा कि जांच होने चाहिए कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को वोटर लिस्ट से नाम हटाने की साज़िश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ मतदाता सूची का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता हर बूथ पर नजर रख रहे हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने-अपने क्षेत्रों में फॉर्म-7 की कॉपियां जमा कर रहे

- सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल समेत वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कई जिलों से शिकायतें मिल रही हैं कि बीएलओ पर दबाव डालकर पीडीए बाहुल्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नाम काटे जा रहे हैं, जबकि नए नाम जोड़े नहीं जा रहे। पार्टी ने अपने विधायकों और पूर्व विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में दिन-रात कैंप करें और फॉर्म-7 की कॉपियां जमा करें ।

मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की नींवः धर्मपाल

- संगठन महामंत्री ने की एसआईआर अभियान की समीक्षा, कार्यकर्ताओं को हर घर तक पहुंचने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को आगरा और मथुरा जिले व महानगर के मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा की। बैठक में अभियान जिला संयोजक, मंडल अध्यक्ष, बीएलए-1 और अन्य संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतंत्र का जनजागरण है। एसआईआर केवल प्रशासनिक गतिविधि नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को प्रमाणिक और भरोसेमंद बनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और निरंतर मॉनीटरिंग से यह अभियान जन-भागीदारी का आंदोलन बना है। उन्होंने निर्देश दिया कि बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ प्रवासी बूथ अध्यक्षों के साथ समन्वय बनाकर हर मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित करें। संपर्क, सत्यापन और सूचना आदान-प्रदान की सटीकता से अभियान में पारदर्शिता और प्रमाणिकता आएगी।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि त्रुटिहीन और सत्यापित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का मूल आधार है। इसलिए कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण का अभियान गांव, कस्बों और शहरों के द्वार-द्वार दस्तक देने का संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और कोई भी बोगस या अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। विधानसभा, जिला और प्रदेश स्तर पर बनाए गए वॉर रूम से तकनीकी सहायता लेकर अभियान को गति देने पर भी जोर दिया गया।

जानकारी देते धर्मपाल सिंह।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या पर वॉर रूम से तत्काल संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रमाणिक मतदाता सूची ही विश्वसनीय चुनाव प्रक्रिया और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साधने के लिए संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका सुनिश्चित करे।

स्वास्थ्य | प्रदेश सरकार ने बजट को दी मंजूरी, आधुनिक उपकरणों से लैस होंगे अस्पताल

13 .46 करोड़ से 20 सरकारी अस्पतालों में बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के 20 अस्पतालों को सरकार ने बजट की संजीवनी प्रदान की है। करीब 13 करोड़ 46 लाख रुपये के मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि आधुनिक उपकरणों से अस्पतालों को लैस करने के लिए क्रय प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने बताया कि जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड मशीनें क्रय की जाएगी। छोटे चीरे से मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए फेको मशीन स्थापित की जाएगी। इससे मरीजों को कम समय अस्पताल में गुजारना होगा। ऑपरेशन की सफलता दर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इन अस्पतालों के लिए सात करोड़ पैंतालीस लाख तेरह हजार छह सौ पैंसठ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मिर्जापुर में नवनिर्मित 50 बेड के अस्पताल में आंखों की बीमारियों का सटीक इलाज हो सकेगा। इसके लिए अस्पताल में नेत्र रोग विभाग स्थापित किया जा रहा है।

भवन निर्माण पूर्ण है लेकिन ऑपरेशन थियेटर निर्माणाधीन है। आधुनिक व उच्चीकृत उपकरणों के लिए छह करोड़ एक लाख 82 हजार 521 रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीघापुर व बिधूना के सौ शैय्या अस्पताल के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- प्रयागराज के मोती लाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय को 54 लाख 48 हजार 301 रुपये, बरेली के जिला महिला चिकित्सालय को आठ लाख 68 हजार 274 रुपये, मुरादाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय को 80 लाख 98 हजार 414 रुपये,औरेया के बिधूना स्थित 50 शैय्यायुक्त डॉ. राम मनोहर लोहिया नेत्र चिकित्सालय को 31 लाख 12 हजार 943 रुपये और उन्नाव जिले के बीघापुर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय को 23 लाख 34 हजार 201 रुपये के बजट को मंजूरी मिली है। लखीमपुर ओयल के ट्रॉमा सेंटर आठ करोड़ 82 हजार 999 रुपये और फर्रुखाबाद का डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला चिकित्सालय 20 लाख 44 हजार 884 रुपये से अपग्रेड किया जाएगा।

लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी बजट मंजूर किया गया है। बलरामपुर चिकित्सालय के लिए एक करोड़ 09 लाख 79 हजार 887 रुपये, रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय के लिए 26 लाख 46 हजार 066 रुपये, श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के लिए 32 लाख 64 हजार 280 रुपये और लोकबन्धु संयुक्त चिकित्सालय के लिए 27 लाख 75 हजार 943 रुपये के बजट मंजूर किए गए हैं।

महोबा जिला अस्पताल को भी मिले 30 लाख रुपये

- महोबा के जिला चिकित्सालय को 29 लाख 98 हजार 739 रुपये, झांसी जिला चिकित्सालय एक करोड़ 42 लाख 42 हजार 312 रुपये, गाजियाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय को 26 लाख 83 हजार 961 रुपये, गाजियाबाद के एमएमजी जिला चिकित्सालय को 18लाख 83 हजार 961 रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। गाजियाबाद जिला महिला चिकित्सालय आठ लाख, गाजियाबाद लोनी के 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय को 27लाख 44 हजार 250 रुपये, गाजियाबाद डूडाहेड़ा स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय 27 लाख 44 हजार 250 रुपये, बुलन्दशहर खुर्जा के एलएसपीजी चिकित्सालय को 20 लाख रुपये, मऊ जिला चिकित्सालय को 20 लाख रुपये से संवारा जाएगा।

खूब खरीदारी के बावजूद 320 करोड़ रुपये कम मिला जीएसटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः त्योहारी सीजन में जमकर खरीदारी होने के बाद भी प्रदेश जीएसटी राजस्व में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वित्त विभाग द्वारा जारी नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में हुए कारोबार से राज्य को मिलने वाला जीएसटी राजस्व इस वर्ष 320 करोड़ रुपये कम रहा। नवंबर 2025 में जीएसटी से 7472.59 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जबकि नवंबर 2024 में यह आंकड़ा 7793.48 करोड़ रुपये था। जीएसटी राजस्व में आई गिरावट को सीधे जीएसटी दरों में की गई कमी से जोड़ा जा रहा है। नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार बाजार में भारी भीड़ और खरीदारी देखी गई।

करों से हुई प्राप्ति करोड़ रुपये में

राज्य कर का नाम	नवंबर 2024	नवंबर 2025
जीएसटी	7793 .48	7472 .59
वैट	2685 .19	2830 .85
आबकारी	4071 .27	4486 .50
स्टांप एवं निबंधन	2263 .77	2585 .62
परिवहन	1205 .28	1208 .46
भूतत्व व खनिकर्म	370 .81	413 .84
कुल योग	18,389 .80	18,997 .86

दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा : वित्त मंत्री

- वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से जनता को सीधा लाभ मिला है और इससे बाजार में खरीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। जीएसटी में कमी के बावजूद अन्य कर मदों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से नवंबर 2025 में कुल कर एवं करेतर राजस्व 18,997 .86 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष नवंबर के 18,389 .80 करोड़ रुपये की तुलना में 608 .06 करोड़ रुपये अधिक है।

न्यूज ब्रीफ

बाइकों की भिड़ंत में दो लोग घायल

रसूलाबाद। दो बाइकों की टक्कर होने पर एक बाइक में सवार एक सेवा निवृत अमीन और उनका साथी घायल हो गया जिन्हें सीएचसी लाया गया है। आजाद नगर निवासी सेवा निवृत अमीन कमलेश चतुर्वेदी एक बाइक से अपने साथी भरामऊ निवासी अशोक पांडेय के साथ आ रहे थे इसी दौरान एक अज्ञात बाइक चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गिरकर घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी रसूलाबाद लाया गया है।

राष्ट्रीय पंचायतीराज के संस्थापक की पुण्यतिथि मनाई

राजपुर। कस्बे में राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के संस्थापक स्व महावीर दत्त शर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर पांडेय ने की। दिनेश मिश्र प्रदेश महासचिव ने इस अवसर पर संस्थापक के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। उपस्थित प्रधानों ने उनके आदर्शों पर चलकर संगठन को मजबूत करने की शपथ ली। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यदि संगठन निरंतर सक्रिय रहेगा, तो यही स्वर्गीय महावीर दत्त शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बैठक में अर्पित द्विवेदी, पंकज मिश्रा, रमऊ प्रधान सैय्यद जमाल अहमद, भाल प्रधान अरविंद दीक्षित, बृजेश शुक्ला, विजय और सिलहरा प्रधान रामबली सिंह सहित कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे।

स्वास्थ्य कैंप लगा

शिवली। आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी का स्वास्थ्य कैंप का आयोजन रेडियो वक्त की आवाज में किया गया। शुगर, जोड़ो के दर्द, गठिया, सर्दी , खांसी, एलर्जी, उदर रोग और त्वचा रोग के लिए इस कैम्प में 20 गांवों के 256 लोगों ने नि :शुल्क इलाज करवाया। इस मौके पर 50 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय निगोहा कानपुर नगर से सीनियर डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विनय बाजपेई, यूनानी पद्धति से डाक्टर आजम सुहेल ,राजकीय आयुष चिकित्सालय दिलीप नगर से डॉ. नीरज कुमार कटेरिया, मिशन आयुष आरोग्यकर लखनऊ से वैद्य आशीष ने कैम्प में मरीजों का चेकअप किया।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में बांधी काली पट्टी

कानपुर देहात। संदलपुर ब्लॉक परिसर में शुक्रवार को सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति व गैर विभागीय कार्यो को जबरन थोपे जाने व उसके लिए सुविधाएं उपलब्ध न कराने पर विरोध जताते हुए बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम खंड विकास अधिकारी आशुतोष शुक्ला को ज्ञापन सौंपा। सचिवों ने कहा कि वे लोग सरकार की मंशा के अनुसार नियमानुसार क्षेत्र में कार्य करते हैं इसके बाद भी उन्हें गैर विभागीय कार्यों को जबरन थोप दिया जाता है जिसमें उन्हें किसी तरह की सुविधाएं भी नहीं दी जाती हैं। ऑनलाइन हाजिरी का उन्होंने विरोध जताया। इस मौके पर ऊदल सिंह, अनुराग त्रिवेदी, विकास गौतम, मोहम्मद सरफराज, आशीष केशरवानी आदि रहे।

राम जानकी महाविद्यालय में आज भीम भोज

कानपुर देहात। बोधिसत्व भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर शनिवार को बैरी सवाई असई गांव के राम जानकी महाविद्यालय में परिचर्चा, श्रद्धांजलि सभा और भीम भोज का आयोजन किया जाएगा। पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने बताया कि डा अंबेडकर के समर्पण, संघर्ष, सामाजिक न्याय की स्थापना तथा दलित समाज के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु किए गए आजीवन प्रयासों को नमन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला उपस्थित रहेंगी।

बनेगा दो सौ मीटर इंटर लॉकिंग रोड

रसूलाबाद। दया ग्राम में ग्रामीणों की सुविधा के लिए दो सौ मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग का निर्माण कार्य भूमि पूजन के साथ शुरू करवाया गया। क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि गौरव सिंह गौर की मांग पर ब्लॉक प्रमुख राधा देवी के प्रतिनिधि अक्षय द्विवेदी ने इस अवसर पर गांव के बुजुर्ग से पूजन करवा कर बुजुर्गों को माला बनाकर सम्मानित किया। ग्राम पंचायत दया में बन्ना सिंह के दरवाजे से जूनियर हाई स्कूल तक इंटरलॉकिंग मार्ग के निर्माण की आवश्यकता थी। इसके लिए गत 6 जून को क्षेत्र पंचायत की बैठक में दया क्षेत्र पंचायत सदस्य शैली देवी ने प्रस्ताव दिया था। उन्होंने इस संबंध में ब्लॉक प्रमुख से अपनी बात कही।

मंदिर की जमीन देखने गए महंत को पीटा, पुलिस से शिकायत

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः राजपुर थाना क्षेत्र के पिचौरा गांव में राम-जानकी मंदिर के महंत नरसिंह दास के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे हुई, जब महंत मंदिर से लगी जमीन देखने गए थे। मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि आपका अपना अखबार अमृत विचार वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। महंत नरसिंह दास ने गांव के ही एक युवक राजाराम पर मारपीट का आरोप लगाया है।

महंत नरसिंह दास।

पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में महंत ने बताया कि राजाराम ने पिटाई की। घटना के दौरान वहां मौजूद कुछ लोग तमाशबीन बने रहे, जबकि कुछ ने बचाने का प्रयास किया। आरोप है कि युवक लगातार गाली-गलौज करता रहा। महंत ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने वहां से भागने की कोशिश की, तो युवक ने कुल्हाड़ी लेकर उनका पीछा किया। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो और महंत के प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस को मौके पर भेजा गया है। मामले की जांच पड़ताल के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हवासपुर सीएचसी पहुंचे सीएमओ, जांचीं व्यवस्थाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः संदलपुर क्षेत्र के हवासपुर स्थित सीएससी में शुक्रवार को सीएमओ ने अस्पताल का निरीक्षण किया। आशाओं की बैठक में उन्हें गांव में साफ-सफाई के लिए लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

संदलपुर क्षेत्र के हवासपुर स्थित सीएससी में शुक्रवार को सीएमओ डाक्टर एके सिंह ने निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई देखकर सराहना की वहीं उन्होंने आशाओं की बैठक ली जिसमें उन्होंने आने वाले पोलियो कार्यक्रम में सरकार की मंशा के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। गांव में लोगों को साफ सफाई रखने

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एके सिंह ने किया अस्पताल का निरीक्षण। अमृत विचार

- बस्ती में साफ-सफाई को लेकर दिया जोर

के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा स्वास्थ्य विभाग के लिए महत्वपूर्ण इकाई है जिसमें उनकी अहम जिम्मेदारियां है। उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीके से निर्वहन करते हुए शासन की मंशा के अनुसार कार्य करना चाहिए।

गांव में लोगों को साफ-सफाई के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे कि कहीं पर भी संक्रामक बीमारी आदि न पनप सके। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अमित कुमार सिंह, डॉ. अमित निरंजन, डॉ. तहजीब फातिमा, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, शुभम राजावत, राकेश सिंह आदि रहे।

बुखार की चपेट में आए नवजात सहित दो बच्चों की मौत

रसूलाबाद : बदलते मौसम के चलते हुए बुखार की चपेट में आकर दो बच्चों की मौत हो गई है। इनमें जहां रजपुरवा में एक चार वर्षीय बालिका की झोलाछाप के इलाज के चक्कर में गंभीर दशा हो गई जिसकी सीएससी में उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं एक नवजात बच्चे की भी सीएचसी में उपचार के दौरान मौत हुई। सीएचसी के डॉक्टर बृजेश कुमार ने बताया कि रजपुरवा निवासी मिथुन बुखार से पीड़ित अपनी 4 वर्षीय पुत्री काजल को गंभीर दशा में लेकर इलाज के लिए आया। मिथुन ने बताया कि उसकी पुत्री को चार-पांच दिन से ज्वर आ रहा था और वह झोलाछाप डॉक्टर से इलाज करवाता रहा था। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसी प्रकार भावनपुर भट्ठा में रह रही अनिल कुमार की पत्नी हेमा को 5 दिन पहले डिलीवरी हुई थी। उसका नवजात बुखार की चपेट में आ गया जिसे वह यहां सीएचसी गंभीर दशा में लाई थी। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

गणना प्रपत्र भरने से वंचित न रहें वोटर, बीएलओ बरतें गंभीरता

जिलाधिकारी ने दिया मतदाता जागरूकता और गणना प्रपत्र संकलन पर जोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः एसआईआर को लेकर मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में विभिन्न पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम ने बैठक की। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि 2025 की मतदाता सूची में सम्मिलित प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा इससे पूर्व तीन बैठकों में भी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की प्रत्येक गतिविधि, प्रक्रिया तथा दिशा-निर्देशों का विस्तृत विवरण प्रदान किया जा चुका है।

एसआईआर को लेकर बैठक करते डीएम। अमृत विचार

बैठक में जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद में अब तक 90 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कार्य बीएलओ द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। हालांकि 2003 की वोटर लिस्ट से मैपिंग का शेष कार्य बीएलओ स्तर पर अपेक्षित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों से अब तक गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं उनमें प्रथम दृष्टया संभावना है कि संबंधित मतदाता किसी अन्य स्थान पर पंजीकृत हैं, या बीएलए, बीएलओ द्वारा घर-घर वितरण के उपरांत भी मतदाता द्वारा गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने में रुचि नहीं ली गई है, अथवा मतदाता एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत) श्रेणी में आ चुके हैं। एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत) श्रेणी के मतदाताओं की सूची संबंधित बीएलओ द्वारा बीएलए को सतत उपलब्ध कराई जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह लोकतंत्र एवं राजनीतिक दलों के हित में है कि सभी दल 11 दिसंबर से पूर्व बीएलओ के माध्यम से एएसडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत) श्रेणी की सूची का भौतिक सत्यापन अवश्य पूर्ण कर लें, जिससे कोई भी पात्र मतदाता निर्धारित तिथि तक अपना गणना प्रपत्र भरने से वंचित न रह जाए।

अंतिम चरण में अभियान

- सभी राजनीतिक दलों ने एक स्वर में बीएलए व बीएलओ के मध्य ससमय संपर्क एवं सभी लंबित गणना प्रपत्रों के त्वरित संकलन हेतु सहयोग प्रदान करने की सहमति व्यक्त की। डीएम ने निर्देशित किया कि बीएलए तत्काल अपने-अपने बीएलओ से संपर्क स्थापित कर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संकलन कार्य गति से सुनिश्चित करें। बीएलओ द्वारा प्रत्येक घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का अंतिम चरण में एकत्रीकरण प्रारम्भ किया। नौकरीपेशा तथा उद्यमी वर्ग की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगरीय क्षेत्रों में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। कैंपों के लिए पृथक से अधिकारियों की तैनाती भी की जाएगी।

विज्ञान और गणित को बढ़ावा देने को हुई क्विज स्पर्धा

कानपुर देहातः संदलपुर कस्बे में शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार क्विज का आयोजन किया। इसमें खानपुर डिलवल, भंदेमऊ, धर्मपुर, फरीदपुर निटर्रा, उरसान, पिंडार्थू, कसोलर, पलहनापुर, संदलपुर हथूमा न्याय पंचायत के 186 छात्र और छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आराध्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय कसोलर, प्रांजुल संविलियन माध्यमिक विद्यालय खालागाव, आदित्य पूर्व माध्यमिक विद्यालय चकही ,विनय प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय नैपलापुर ,रौनक बाबू पूर्व माध्यमिक विद्यालय जमौरा ने सामूहिक रूप से विजेता रहे। विजेता प्रतिभागियों को जिले के लिए तैयार किया। बीईओ अशोक सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय आविष्कार अभियान भारत सरकार का एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य स्कूलों में विज्ञान और गणित को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य बच्चों में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि और रचनात्मकता जगाना है। इस मौके पर एआरपी बृजेश सिंह राजावत, एनपीआरसी महेंद्र वर्मा, अध्यक्ष दीपक कटियार, रमजान शाह, सर्वेश कुमार आदि रहे।

व्यवसाय शुरू करने को अब आसानी से मिल रहा ऋण

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः शुक्रवार को रनियां स्थित एक होटल में एक कार्यक्रम आयोजित कर सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के कल्याण हेतु चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के उपाध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद ने सहभागिता की।

स्माल इंडस्ट्रीज एंड मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन के चेयरमैन हरदीप सिंह राखरा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निगम में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय जैसी योजना लागू कर अनुसूचित जाति के लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर बैंक से आसानी से अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए अब ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

वहीं ऋण में सरकार द्वारा अनुदान की राशि 10 हजार से बढ़ाकर 50 हजार की गई है। बताया कि वित्त एवं विकास निगम में पहले से चल रही योजनाएं अब प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के नाम से जानी जाएंगी। इस दौरान एडीओ समाज कल्याण आलोक चौबे, चेयरमैन प्रतिनिधि रामकिशोर दिवाकर, समाजसेवी विष्णु कुमार गुप्ता, सुरेन्द्र गौतम, देवेन्द्र सिंह सहित उद्यमी विजय गुप्ता, सुनील गुप्ता, गुरुदीप सिंह, संदीप कोचर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में पहुंचे अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के उपाध्यक्ष। अमृत विचार

सत्य की राह पर अडिग रहने वालों का लिखा जाता इतिहास

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः सत्य का पथ अत्यंत दुरुह है जिस पर कोई बिरले ही खरे उतरते हैं और जो सत्य पथ पर अडिग रहते हैं उनका नाम युगों युगों तक हरिश्चंद्र की तरह सदैव याद किया जाता है। सत्य की प्रतिष्ठा के लिए आज भी लोग उनके नाम का उदाहरण देते हैं। यह बात बारापुर स्थित बालाजी आश्रम परिसर में श्रीमद् भागवत कथा कहते मीरा शास्त्री ने हरिश्चंद्र कथा प्रसंग के दौरान श्रोताओं को बताई। कथावाचक ने बताया की हरिश्चंद्र के सत्य निष्ठ रहने की बढ़ती यश कीर्ति को लेकर इंद्र ने भयभीत होकर विश्वामित्र ऋषि को उनकी परीक्षा लेने हेतु भेजा। विश्वामित्र ने उनके यहां जाकर उनका आतिथ्य स्वीकार किया और दक्षिण के समय राजा के द्वारा दक्षिणा मांग लेने की बात कहने पर उन्होंने उनका सारा राज पाट मांग लिया। फिर उन्हें राज्य से निकाल दिया। तब वह अपनी पत्नी तारा और पुत्र रोहिताश्व के साथ इधर-उधर भटकने लगे। संयोग से विपन्न अवस्था के दौरान उनकी पत्नी को दासी के रूप में बिकना पड़ा और वह स्वयं एक चांडाल के यहां मरघट पर कर वसूलने वाले पहरेदार के रूप में नौकरी करने लगे। परीक्षा के दौरान ही विश्वामित्र ने उनके पुत्र को सर्प से डसवा दिया और वह मर गया। इसे लेकर उनकी पत्नी तारा जब काशी के श्मशान घाट पर गई तो शव दाह के पूर्व लिए जाने वाला कर हरिश्चंद्र ने उनसे मांगा किंतु कर देने में असमर्थ तारा ने अपनी फटी धोती का ही आधा भाग कर के रूप में देने के लिए फाड़ने लगी।

रसूलाबाद में आज होगा जिलास्तरीय समाधान दिवस

कानपुर देहात। संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन नया रोस्टर जारी हुआ है। जिलाधिकारी द्वारा क्रमानुसार प्रत्येक तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जाएगी। इसमें जिले के पुलिस अधीक्षक व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त अन्य तहसीलों में जिलाधिकारी द्वारा निर्गत निर्धारित रोस्टर के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी अथवा जिलाधिकारी द्वारा नामित किसी अपर जिलाधिकारी द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जायेगी। संबन्धित पुलिस क्षेत्राधिकारी व तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। 6 दिसंबर को डीएम की अध्यक्षता में रसूलाबाद में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा।

सहकारिता वर्ष सहकारी आंदोलन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सर्वोत्तम अवसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- विकास भवन सभागार में सहकारी संवाद कार्यक्रम

अमृत विचारः अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत शुक्रवार को विकास भवन सभागार में सहकारी संवाद कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी आयोजन किया गया। इसमें जिले की विभिन्न सहकारी समितियों, सहकारी संघों तथा सहकारिता विभाग से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता वर्ष सहकारी आंदोलन को ऊंचाइयों तक ले जाने का अच्छा अवसर है।

उत्तर प्रदेश सहकारी संघ (पीसीएफ) लखनऊ के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रमाशंकर जायसवाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। संबोधन में उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष सहकारी आंदोलन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सर्वोत्तम अवसर है। सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी हैं और पारदर्शिता, जवाबदेही एवं डिजिटल तकनीक के उपयोग से हम युवा शक्ति और किसानों को सहकारिता से मजबूती से जोड़ सकते हैं। उन्होंने सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र में लागू की जा रही नई पहलों जैसे समितियों का डिजिटलीकरण, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने व पारदर्शी खरीद-प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक प्रबंधन का मॉडल नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का एक मजबूत स्तंभ है। यदि हमें गांवों में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने हैं तो सहकारी समितियों का पुनर्गठन, सदस्य क्षमता-वृद्धि प्रशिक्षण और युवाओं की सहभागिता अनिवार्य है। सहकारिता के माध्यम से कृषि आधारित उद्योग, डेयरी, महिला उद्यमिता और स्थानीय उत्पादन को बाजार से जोड़ने की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें योजनाबद्ध रूप से विकसित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ के निदेशक हिरेंद्र मिश्रा, समिति के अध्यक्ष विनोद कटियार ,जनमेजय सिंह गौर , सूरज मिश्रा अखिलेश सिंह मुकेश सेंगर स्वदेशी जागरण मंच की जिला प्रमुख शोभा पटेल आदि रहे।

ऑटो पलटने से चालक महिला व देवर जख्मी

रसूलाबाद। अपनी बेटी की ससुराल एरवा कटरा से ऑटो से लौट रही एक महिला और उसका देवर रसूलाबाद बेला रोड पर याकूबपुर के निकट ऑटो पलट जाने से गंभीर रूप से घायल हो गई। ऑटो चालक भी घायल हो गया। तीनों को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया है जहां महिला की गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया गया है। सलेमपुर महेरा निवासी मीरा देवी 50 अपने देवर बैजनाथ 48 के साथ एक ऑटो से अपनी बेटी की ससुराल एरवा कटरा से लौट रही थी। ऑटो बिधूना औरैया निवासी शमशाद चला रहा था। रसूलाबाद बेला रोड पर याकूबपुर के निकट अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। जिससे चालक सहित तीनों लोग घायल हो गए। उन्हें सीएचसी रसूलाबाद लाया गया है। जहां डॉ. बृजेश कुमार ने उपचार कर महिला को रेफर किया।

शादी | दिल्ली की एक कंपनी में बतौर इंजीनियर कार्यरत है गौतम बुद्ध नगर गांव की बेटी

'उड़न खटोले' पर सवार होकर पिया के घर गई बिटिया

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद कस्बे के गौतम बुद्ध नगर निवासी एक किसान की बेटी शुक्रवार को अपने घर से हेलीकॉप्टर द्वारा अपनी ससुराल पटना बिहार रवाना हुई। लगभग 22 लाख रुपए के खर्चे से हेलीकॉप्टर द्वारा विदा कराने आए उसके सॉफ्टवेयर सीनियर इंजीनियर पति ने जाते समय सभी से हाथ हिला कर विदा ली।

बतातें चलें कि रसूलाबाद के गौतम बुद्ध नगर निवासी अमर सिंह यादव की पुत्री प्रतिमा भी इंजीनियर है। वह पहले बेंगलुरु में कार्यरत थी। अभी हाल ही में उसका स्थानांतरण दिल्ली में हो गया। वह अपने पति पटना बिहार निवासी विकास की कंपनी में सीईए के पद पर है। उसके पति सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर है गुड़गांव में उनकी निजी कंपनी है।

- पति विकास पटना की एक कंपनी में कार्यरत, 21 लाख रुपये आया खर्च

हेलीकॉप्टर में बैठकर रवाना होते दंपति।

बीती रात उनका वैवाहिक कार्यक्रम कानपुर स्थित एक गेस्ट हाउस से संपन्न हुआ किंतु बेटी की विदाई घर से होने की परंपरा के चलते बेटी पहले हेलीकॉप्टर से अपने मां पुष्पा यादव व पिता अमर सिंह यादव के घर रसूलाबाद स्थित गौतम बुद्ध नगर आई।

विदा होती इंजीनियर प्रतिमा। अमृत विचार

इसके बाद शुक्रवार सुबह उसकी विदाई हुई। प्रतिमा के दो भाई शिवा और देवा हैं। जानकार सूत्रों ने बताया की हेलीकॉप्टर का कुल खर्च 21 लाख 60 हजार रुपये आया है। हेलीकॉप्टर जयपुर से पहले कानपुर चकेरी आया और वहां से रसूलाबाद आकर वापस पटना बिहार में दंपति को उतारने के उपरांत जयपुर चला गया। पायलट एक महिला ही थी।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के पिता का निधन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः कानपुर देहात जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष मिथिलेश यादव के पिता जगदीश यादव का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। इधर, कुछ समय से वह अस्वस्थ चल रहे थे। निधन की खबर लगते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवारी जनों को सांत्वना प्रदान की। ड्योढ़ी के गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

जगदीश यादव।

उमरन के पास स्थित गांव रामदीन का पुरवा निवासी जगदीश यादव बहुत सामाजिक और परोपकारी व्यक्ति थे। उन्होंने जरूरत मंद लोगों की भरसक मदद की। बेटी मिथिलेश यादव कानपुर देहात जिला पंचायत की अध्यक्ष रहीं। दामाद दिलीप यादव कल्लू भैया समाजवादी पार्टी कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष और विधान परिषद के सदस्य रहे। निधन के बाद शुक्रवार को जगदीश यादव की अंतिम यात्रा निकली। इसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। ड्योढ़ी घाट पर उनकी अंत्येष्टि का कार्यक्रम हुआ। पुत्र डा रामबाबू यादव, मान सिंह यादव व राकेश यादव मुखाग्नि दी। उनके देहांत पर नाती बाऊवन यादव, संजय यादव, विपिन यादव, भतीजे अमर सिह यादव सहित नीरज सिंह गौर, महताब सिंह यादव, बऊवा गुप्ता, नीरज यादव, देवेंद्र सिंह यादव, रमाकांत यादव शोकाकुल नजर आए। अंत्येष्टि में पूर्व विधायक दिलीप यादव व पूर्व जिला पंचायत सदस्य रोहित यादव सहित मोहित यादव शिवम यादव आदि पारिवारिक व रिश्तेदार रहे।

अंतिम संस्कार से पूर्व ससुर को श्रद्धांजलि देते पूर्व विधायक दिलीप यादव।

न्यूज ब्रीफ

कार अनियंत्रित होकर रेलवे अंडरपास में घुसी , सवार घायल

चौबेपुर । क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रेलवे अंडरपास में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। आर्य नगर कानपुर निवासी जागेश अग्रवाल शुक्रवार सुबह एक महिला व तीन अन्य लोगों के साथ कार द्वारा कन्नौज जा रहे थे। तभी करीब 7 :30 बजे क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने हाईवे पर तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर निकट ही स्थित रेलवे अंडरपास के अंदर जा घुसी। हादसा देख आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की सूचना थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों ने बताया कि कार महिला चला रही थी। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

एडमिशन के नाम पर 2.80 लाख हड़पे

हमीरपुर। कस्बे के वार्ड संख्या 13 गुरुगुज थोक निवासी बृज किशोर चौरसिया ने बताया कि उसकी पुत्री अंशिका चौरसिया ने जी मैट में दाखिले के लिए आवेदन किया था। गत 11 फरवरी को आशीष राठौर, तरुण गोयल चार पहिया वाहन से उसके घर आए और एडमिशन का भरोसा दिलाकर दो लाख 80 हजार रुपए ले लिए बाद में एडमिशन नहीं कराया और मोबाइल फोन बंद कर लिए।

कथा मंच सजा, आज निकलेगी शोभायात्रा

हमीरपुर। तपोभूमि में राम कथा के लिए मंच सजकर तैयार हो गया है। शनिवार को चांद थोक के राम जानकी मंदिर से शोभायात्रा शुरू होकर तपोभूमि पहुंचेगी। इसके बाद महामंडलेश्वर आत्मानंद गिरि जी महाराज गणेश एवं कलश पूजन के साथ कथा का शुभारंभ करेंगे। कथा के आयोजक बिंदा साहू ने बताया कि तपोभूमि में सफाई कर पानी, बिजली के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

300 मीटर सड़क बनवाने की मांग

हमीरपुर। सदर तहसील क्षेत्र के चंदुलीतीर के घनश्याम, शमशेर, गयादीन, रामप्रकाश, भगवती प्रसाद चौरसिया, अनिल सिंह, दीक्षित रामबालक, वेदराम, राम नरेश, प्रीति, बबलू, सचिन, खुशी, श्याम बाबू, गुड्डू, राजेंद्र, श्याम सुन्दर ने विधायक मनोज प्रजापति से राठ रोड से गांव तक 300 मीटर कच्चे रास्ते पर सीसी रोड बनवाने की मांग की है।

आनलाइन हाजिरी के विरोध में किया प्रदर्शन

पंचायत सचिव व वीडीओ ने ब्लॉक परिसर में बांह पर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध, समस्याओं के निराकरण की मांग

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। आनलाइन हाजिरी व सचिवों से लिए जा रहे गैर विभागीय कार्यों को लेकर ग्राम पंचायत अधिकारी/ ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के आह्वान पर शुक्रवार को पंचायत सचिवों ने ब्लॉक परिसर में हाथों में काली पट्टी बांधकर धरना प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के उपरांत मुख्य सचिव व उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित ज्ञापन एडीओ समाज कल्याण को सौंपा और समस्याओं के निराकरण की मांग की।

विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों का कार्य कराए जाने, ऑनलाइन उपस्थिति लागू करने व संसाधन उपलब्ध न कराए जाने से ग्राम पंचायत अधिकारी परेशान हैं। शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में धरना प्रदर्शन के उपरांत एडीओ समाज कल्याण दीप चंद्र दीक्षित को दिए ज्ञापन में सचिवों ने बताया है कि ग्राम पंचायत सचिवों की भूमिका फील्ड आधारित होती है। एक सचिव 4 से 9 ग्राम पंचायत का प्रभार संभालता है। ऐसे में किसी एक स्थान पर निश्चित समय में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करा पाना संभव नहीं है। बताया कि सचिवों को सरकारी मोबाइल फोन भी नहीं दिए गए हैं। ऐसे में वह अपने निजी फोन का उपयोग करते हैं। निजी फोन पर थर्ड पार्टी ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना निजता के अधिकार का उल्लंघन और साइबर सुरक्षा के लिए जोखिम भरा है।

इसी तरह ग्राम पंचायत की आडिट के विकल्प के रूप में ऑडिटर के स्थान पर चार्टर्ड एकाउंटेंट या सोशल ऑडिटर से आडिट कराया जाए। इसके अतिरिक्त सभी विभागों के क्षेत्रीय कर्मचारियों की भूमिकाएं स्पष्ट की जाएं और सचिव संवर्ग को केवल पंचायती राज व ग्रामीण विकास की योजनाओं तक सीमित रखा जाए। साथ ही सचिवों को वाहन भत्ता, मोबाइल भत्ता व सी यू जी सिम उपलब्ध कराने की भी सिफारिश की गई। सचिवों की मांग है कि जब तक आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं हो जाते, तब तक ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली को तत्काल स्थगित किया जाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्राम पंचायत सचिव नवल किशोर, प्रियंका त्रिपाठी, अरविंद पाल, शिव प्रताप सिंह, आशीष कटियार, मुकेश व विशाल द्विवेदी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चौबेपुर में अधिकारी को ज्ञापन सौंपते वीडीओ। अमृत विचार

घाटमपुर में अधिकारी को ज्ञापन देते ग्राम विकास अधिकारी। अमृत विचार

ग्राम पंचायत सचिवों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

घाटमपुर। शुक्रवार को विकासखंड घाटमपुर में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत क्षेत्रीय ग्राम सचिव एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने आनलाइन हाजिरी का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद उन्होंने विभिन्न समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी व उप जिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में उन्होंने मोबाइल रिचार्ज एवं वाहन सुविधा सहित एक दर्जन मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि एक-एक सचिव के पास चार-पांच तक ग्राम पंचायत का चार्ज रहता है। इसमें जन्म प्रमाण पत्र से लेकर 29 कार्यों का संचालन किया जाता है। इसके चलते ऑनलाइन उपस्थित संभव नहीं है। इस दौरान ग्राम पंचायत अधिकारियों में सुभाष वर्मा, ओम नारायण, आकाश कनौजिया, अनामिका सिंह, श्वेता, निशान चंद्राकर, अंकित कटियार,विशाल कुमार, प्रभात मोहन, पंकज पांडे, जयप्रकाश, दीपांशु पांडे, अभिषेक सिंह,पीयूष,गोविंद सिंह, सहित अन्य ग्राम पंचायत अधिकारी एवं सचिव उपस्थित रहे।

खोये मोबाइल पाकर खुश हुए लोग

चौबेपुर । साइबर अपराध को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में शुक्रवार को थाना पुलिस ने सात खोये हुए मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे। अपने खोये हुए मोबाइल पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी नजर आई।

साइबर अपराध पर रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे के नेतृत्व में उप निरीक्षक अमित कुमार, सहायक उप निरीक्षक आलोक सिंह व अमित कुमार की टीम ने क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से चोरी हुए सात मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद किये। खोए हुए मोबाइल वापस पाने वालों में क्षेत्र के सत्येंद्र सिंह, सतीश कुमार, आदर्श, सुमित कुमार ,अजय व कालिका प्रसाद शामिल हैं। मोबाइल पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी नजर आई।मोबाइल धारकों ने पुलिस टीम द्वारा किए गए कार्य की सराहना कर आभार व्यक्त किया। थाना आशीष कुमार चौबे ने बताया कि उक्त कार्रवाई साइबर रिकवरी अभियान का हिस्सा थी।

सजेती में बाइक फिसलने से दो युवक घायल, एक रेफर

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र में कुटरा से अजगरपुर जा रहे दो चचेरे भाई बाइक फिसलने से गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों द्वारा उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी घाटमपुर लाया गया। वहां पर प्राथमिक उपचार के बाद धर्मेंद्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया।

कुटरा निवासी धर्मेंद्र (18) पुत्र राम सजीवन और अंकित (19) पुत्र रामकिशुन रिश्ते में पारिवारिक भाई हैं। दोनों गुरुवार शाम को एक बाइक से पास के गांव में मेला देखने के लिए निकले थे। कुटरा से अजगरपुर जाने वाले रास्ते में उनकी बाइक अचानक फिसल गई, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और दोनों को घाटमपुर सीएचसी लेकर आए। सीएचसी के चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि धर्मेंद्र को पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में ज्यादा चोटें आई हैं, जिस कारण उसे बेहतर इलाज के लिए कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अंकित को भी चोटें आई हैं, जिसका इलाज घाटमपुर में ही चल रहा है। यह पूरी घटना सजेती थाना क्षेत्र की है। वहीं जानकारी होते ही परिजनों अफरा तफरी मच गई।

गौ आश्रय का निरीक्षण करते अधिकारी। अमृत विचार

पंचायत सचिव निलंबित बीडीओ से जवाब तलब

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। गढ़ी बिहारीपुर स्थित अस्थायी गौ-आश्रय में निरीक्षण में संरक्षित गोवंशों की संख्या कम, चारे की उपलब्धता, साफ सफाई और अभिलेख रख-रखाव से संबंधित कई अव्यवस्थाएं पाई गई। जिसपर पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है, जबकि खंड विकास अधिकारी से जवाब तलब किया गया है।

शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर एसडीएम बिल्हौर और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। गौ-आश्रय में कमियों को देखते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। पंचायत सचिव समीर गुप्ता को निलंबित करने के निर्देश दिए जबकि खंड विकास अधिकारी से पूछा गया है कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद सुधार क्यों नहीं हुआ।

उचित दर विक्रेताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। शुक्रवार को उचित दर विक्रेताओं ने अपने ऊपर हो रहे उत्पीड़न को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद में कोटेदारों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञान उप जिला अधिकारी अविचल प्रताप सिंह को सौंपा।

कोटेदार संघ के अध्यक्ष सुभाष चंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में उचित दर विक्रेताओं ने एसडीएम को सौंपे गये ज्ञापन में बताया कि उन्हें 2002 से 2014 तक का बकाया भाड़ा दिया जाए। 600 ग्राम खाली बोरे का वजन दिया जाए। उन्हें 200 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन दिया जाए। साथ ही 30000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए। इस दौरान सुभाष चंद्र द्विवेदी अध्यक्ष कोटेदार संघ घाटमपुर, मुन्नालाल, सुधा देवी,अजीज अहमद, इंद्रपाल सिंह,सुशील कुमार, मनोज कुमार,राम प्रकाश, सत्य प्रकाश,कांति देवी,निर्मला सीमा देवी प्रेमचंद,रविंद्र आदि मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन देते कोटेदार संघ के अध्यक्ष सुभाष चंद्र दुबे व अन्य।

छात्रों को सड़क सुरक्षा की दिलाई शपथ

बिठूर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंकज यादव के निर्देश पर वर्टिस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट द्वारा कानपुर-बिठूर हाईवे पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का आयोजन रामा पब्लिक स्कूल, शिवराजपुर में किया गया, जिसमें लगभग 600 छात्रों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई । साथ ही, मरियानी चौबेपुर चौराहा पर सबइंस्पेक्टर दीपक की उपस्थिति में सैकड़ों वाहनों पर थ्री एम रेडियम स्टीकर लगाए गए, जिससे कोहरे और रात के समय वाहनों की दृश्यता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

सामूहिक विवाह | नवंबर माह में आयोजित होने थे कार्यक्रम ,अब मुहूर्त बीता

योजना में देरी पर जताया रोष

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कानपुर नगर के बिल्हौर क्षेत्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नवंबर माह में प्रस्तावित सामूहिक विवाह आयोजनों में देरी होने से लाभार्थी जोड़ों में भारी निराशा हुई। इससे लोगों में भारी नाराजगी है।

शुभ मुहूर्त बीत जाने के बावजूद विवाह न हो पाने के कारण, समाजवादी पार्टी ने इस अव्यवस्थित संचालन पर चिंता जताते करते हुए शासन-प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में कानपुर जनपद के सभी 10 ब्लॉक के जोड़ों का एक साथ विवाह करना भी संदेह जनक नजर आ रहा है। इसके लिए ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी पोस्ट किया है। हांलाकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

सपा बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष ने जताई चिंता

- सपा बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष व ककवन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनय यादव ने जिलाधिकारी कानपुर नगर से मुलाकात कर इस गंभीर लापरवाही पर अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शुभ मुहूर्त पर विवाह का आयोजन न कर पाना प्रशासन की अक्षमता को दर्शाता है। यह समस्या केवल बिल्हौर तक ही सीमित नहीं है। अन्य जिलों, जैसे बलिया और गाजीपुर से भी सामूहिक विवाह योजना के संचालन में देरी, टेंडर प्रक्रिया में लापरवाही, और आयोजन के दौरान अव्यवस्था की खबरें आई हैं। इससे गरीब परिवारों के जोड़ों की शादियां प्रभावित हो रही हैं। इस मामले में उप निदेशक समाज कल्याण श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया कि मामला गंभीर है नवंबर माह में विवाह होने थे आखिर दिसंबर में क्यों कराये जा रहे हैं । कानपुर जिले के अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली जाएगी और कहीं भी भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलेंगी तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विशेष श्रद्धांजलि सभा

प्रेरक उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

केशव प्रसाद मौर्य — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश | ब्रजेश पाठक — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

स्वतंत्र देव सिंह — मंत्री, जलशक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण, उत्तर प्रदेश | जयवीर सिंह — मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश | असीम अरुण — राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश

सुषमा खर्कवाल — महापौर, लखनऊ | डॉ. लालजी प्रसाद 'निर्मल' — सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 6 दिसंबर, 2025 | समय : प्रातः 9:30 बजे | स्थान : भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर, हजरतगंज, लखनऊ

बाबा साहेब के विचारों के प्रति संकल्पित सरकार

✦ जीरो पॉवर्टी योजना का नाम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर रखा गया ✦ लखनऊ में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण (बाबासाहेब की 25 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना, पुस्तकालय, शोध केंद्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय) ✦ श्रमिकों एवं वंचितों के बच्चों की उत्तम शिक्षा हेतु सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन ✦ डॉ. भीमराव आंबेडकर छात्रावास योजना (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा में सहायता के लिए छात्रावासों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण) ✦ प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की तस्वीर लगाना अनिवार्य ✦ कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नामकरण पुनः डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय

विशेष आकर्षण
- बौद्ध भिक्षुओं द्वारा अस्थिकलश कक्ष में बुद्ध वन्दना एवं त्रिशरण पंचशील का पाठ
- बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के अस्थिकलश पर पुष्पांजलि

लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

अपने दुश्मनों पर विजय पाने वाले की तुलना में मैं उसे शूरवीर मानता हूं जिसने अपनी इच्छाओं पर विजय प्राप्त कर ली है; क्योंकि सबसे कठिन विजय अपने आप पर विजय होती है। -अरस्तु

कानपुर के प्रमुख समाचार
- मजदूरों की टोली पर चली पुलिस की गोली-II
- कम नींद लेने से भी डायबिटीज का खतरा-III
- सिख पंथ में बेचैनी शहीदी पर्व-प्रकाशोत्सव एक ही दिन-IV

आज का मौसम

प्रदूषण और शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी। बारिश की कोई संभावना नहीं है।

23.6°	04.2°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 43	सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **गोष्ठी :** सीएसजेएमयू स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में नेशनल टाइप 1 डायबिटीज पर कार्यक्रम दोपहर 1 बजे।
- **गोष्ठी :** कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर गोष्ठी तिलक हाल में दोपहर 3 बजे।
- **वार्षिकोत्सव :** आरएस पब्लिक स्कूल एवं लिटिल स्टार्स प्री स्कूल बर्रा 2 का वार्षिकोत्सव लाजपत भवन में दोपहर 1 बजे।
- **गोष्ठी :** जीएसटी सीए एसोसिएशन की गोष्ठी लाफ्टी हाल, गैंजेस क्लब आर्य नगर में सायं 4 बजे।
- **श्री श्याम महोत्सव :** श्री श्याम जी महिमा प्रचार मंडल द्वारा श्री श्याम महोत्सव स्थल नानाराव पार्क में प्रातः 10 बजे।
- **संगोष्ठी :** समाजवादी पार्टी की सभी प्रकोष्ठों की बैठक सपा कार्यालय नवीन मार्केट में दपहर 2 बजे।
- **आगमन :** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का रात में आगमन एवं रात विश्राम।

बिनगवां से अर्रा और अर्मापुर रोड 86 करोड़ से होगी चौड़ी

मैनावती मार्ग के बाद अब दो अन्य सड़कों के चौड़ीकरण के लिए केडीए जारी करेगा टेंडर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिटी विजन प्लान 2051 के तहत सभी विभागों की योजनाओं का समायोजन इंट्रीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान के तहत किया गया है। इसी के तहत केडीए अपनी शॉर्ट टर्म योजनाओं को पूरा करने में जुटा है। सिंहपुर-मैनावती मार्ग के चौड़ीकरण के साथ ही अब केडीए बिनगवां से अर्रा और अर्मापुर रोड को 86 करोड़ से चौड़ा करने और सुदृढ़ीकरण करने के लिए टेंडर करने जा रहा है।

नया कानपुर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिसमें सड़कों के चौड़ीकरण के साथ ही एलिवेटेड सड़कें, न्यू जेनरेशन इंडस्ट्री, आईटी पार्क, पुल, पार्किंग व्यवस्था सभी कुछ होगा। मुख्यमंत्री के आदेश पर शहर के अधिकारियों ने प्लान तैयार किया था। जिसके तहत योजनाओं का प्रस्तुतिकरण सीएम योगी के सामने भी हो चुका है। विभागों के अपने बजट और सरकार से मिलने वाले अनुदान से योजनाओं को धरातल पर लाया जा रहा है। केडीए अपनी योजनाओं को जो कम बजट की हैं और विभागीय स्तर पर की जा सकती हैं उन्हें धरातल पर ला रहा है।

मैनावती मार्ग चौड़ा होगा। अमृत विचार

06 किमी. भौंती से अर्मापुर कालपी रोड का चौड़ीकरण

04 लेन सड़क भौंती से मंधना तक 8.9 किमी. की बनेगी

08 किमी. बिनगवां से अर्रा तक मार्ग का चौड़ीकरण

- सिटी विजन प्लान के तहत केडीए अपने हिस्से के कार्यों को करने को तैयार
- बॉटनिकल गार्डन के साथ ही सिटी के फॉरेस्ट और सड़कों का निर्माण होगा

55 करोड़ से बिनगवां से अर्रा तक सड़क चौड़ी होगी

बिनगवां से अर्रा तक 8 किमी. मार्ग का चौड़ीकरण 55 करोड़ रुपये से होगा। दक्षिण क्षेत्र में बर्रा वर्ल्ड बैंक रोड का भी चौड़ीकरण इसी में शामिल है। वहीं, भौंती से अर्मापुर कालपी रोड का चौड़ीकरण 6 किमी. के दायरे में होना है। इस कार्य में 31 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केडीए फिलहाल इसके टेंडर जल्द कराएगा।

विजन प्लान में केडीए की यह योजना भी शामिल

भौंती से मंधना तक 8.9 किमी. 4 लेन सड़क बनाई जानी है। यह सड़क 75 मीटर चौड़ी होगी जिसमें 400 करोड़ रुपये का खर्च होने का अनुमान है। इसी तरह कानपुर देहात में आगरा एनएच और झांसी हाइवे को जोड़ने के लिये भी 5 किमी. सड़क बनेगी इसमें 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा दो लिंक मार्ग बनेंगे। इसमें मैनावती से बैराज रोड और सिंहपुर से जू तक पैरलर मार्ग बनेगा। इस निर्माण कार्य में 40 करोड़ खर्च होगा। यह सड़क 800-800 मीटर की बनेगी। यहां सिंहपुर से मैनावती मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 25 करोड़ रुपये का टेंडर केडीए ने निकाल भी दिया है। केडीए अधिकारियों के अनुसार जो ज्यादा बजट के प्रोजेक्ट है उनमें शासन से अतिरिक्त बजट मांग की तैयारी है।

"अलग-अलग विभागों की करीब 25 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं को विजन प्लान में समायोजित किया गया है। प्रथम चरण में सड़कों का चौड़ीकरण के साथ सिटी फॉरेस्ट, बॉटनिकल गार्डन को विकसित किया जायेगा। इसके लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

-अभय कुमार पांडेय केडीए सचिव

मुख्य लाइन में लीकेज, तीन दिन नहीं आएगा पानी

कानपुर। चुन्नीगंज बस स्टैण्ड के पास बिछायी गयी मुख्य फीडर मेन लाइन में लीकेज की वजह से एक बार फिर से उत्तर क्षेत्र में पानी का संकट होने वाला है। मरम्मत कार्य शुरू होने की वजह से शनिवार से तीन दिन तक 25 मोहल्लों में पानी नहीं आयेगा। जलनिगम के अधिकारियों ने बताया कि गंगा बैराज जल शोधन सयंत्र से पानी की आपूर्ति नहीं होगी इससे उत्तर क्षेत्र के फूलबाग तक पानी की सप्लाई नहीं होगी।

चुन्नीगंज बस स्टैण्ड के पास मुख्य फीडर मेन लाइन में पिछले दिनों बड़ा लीकेज हो गया था, जिससे पानी का रिसाव हो रहा था। पानी की लाइन बड़ी है इसलिए बिना आपूर्ति के बंद किए मरम्मत का कार्य नहीं हो सकता। मरम्मत कार्य की वजह से शनिवार से गंगा बैराज जल शोधन सयंत्र से पानी की सप्लाई नहीं होगी। इससे 6 दिसंबर से 8 दिसंबर की दोपहर तक जल शोधन सयंत्र बंद रहेगा। अधिकारियों का दावा है कि सोमवार शाम से पानी की आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी। तीन दिन उत्तर क्षेत्र के चुन्नीगंज, कुरसवां, फूलबाग समेत 25 मौहल्लों में पानी की आपूर्ति ठप रहेगी। जलनिगम के अधिशाषी अभियंता प्रवीन यादव ने बताया कि 8 दिसंबर को पानी की सप्लाई शुरू हो सकेगी। लोगों को पानी को स्टोर करने के साथ ही जरूरत पड़ने पर टैंकर से पानी की सप्लाई करने का आश्वासन दिया है।

बेटे की गवाही पर पिता को आजीवन कारावास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बर्रा में नशे में धुत होकर पत्नी का मर्डर किया था

अमृत विचार। बर्रा थानाक्षेत्र में बेटे के सामने पत्नी की गला दबाकर हत्या करने वाले युवक को एडीजे-14 की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अगस्त 2021 में युवक ने नशे में धुत होकर पत्नी का मर्डर किया था। बीच-बचाव करने पहुंचे 15 वर्षीय बेटे से मारपीट के साथ हत्यारे पिता ने गाली-गलौज की थी। पिता को सजा दिलाने में घटना के प्रत्यक्षदर्शी बेटे की गवाही अहम साबित हुई।

वादी रिषी कुमार ने बर्रा थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया था कि उसकी बहन प्रीति सिंह की शादी 18 साल पहले पिपौरी निवासी अर्जुन सिंह के साथ हुई थी। उनका एक 15 साल का बेटा ईशू सिंह है। अर्जुन अक्सर शराब के नशे में धुत होकर घर आता था और बहन के साथ मारपीट करता था। 6 अगस्त 2021 को नशे में धुत अर्जुन ने उसकी बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। भांजे ईशू की जानकारी पर वह मौके पर पहुंचे तो शव कमरे में पड़ा हुआ था। मामला एडीजे-14 की कोर्ट में ट्रायल पर था। एडीजीसी शिव भगवान गोस्वामी ने बताया कि अभियोजन की ओर से 9 गवाह कोर्ट में पेश किए गए थे। घटना के प्रत्यक्षदर्शी, मृतका के बेटे ईशू सिंह की गवाही अहम साबित रही। उसने कोर्ट में बयान दिया कि पिता अक्सर शराब पीकर मां के साथ मारपीट करते थे। 6 अगस्त की रात पिता नशे में धुत होकर आए थे। रात 10 बजे मैं सो गया, करीब 2 से 3 बजे की बीच मां के चीखने की आवाज सुनी। उठ कर देखा तो पिता मां को मार रहे थे। मैं बीच-बचाव करने पहुंचा तो उन्होंने मुझसे गाली देने लगे। इस दौरान उन्होंने गला दबाकर मां की हत्या कर दी। घटना के प्रत्यक्षदर्शी बेटे के बयानों को अहम मानते हुए कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास व 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

प्रदेश में सबसे ठंडा रहा शहर

कानपुर। शहर में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस तरह से सीजन में यह तापमान सबसे कम रिकॉर्ड किया गया।

न्यूनतम तापमान के गिरते ही शहर पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा रिकॉर्ड किया गया। कानपुर ठंड के मामले में पहले स्थान पर रहा। मुजफ्फरनगर व इटावा का न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बरेली का तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कानपुर की उड़ानों पर संकट सभी फ्लाइट निरस्त की गईं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इंडिगो एयरलाइंस के पास पायलट की भारी कमी हो गयी है जिससे देशभर में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इस मुश्किल की चपेट में अपना कानपुर एयरपोर्ट भी आ चुका है, शुक्रवार को कानपुर की सारी फ्लाइट निरस्त हो गयीं। एयरलाइंस की कोई ओर कोई जानकारी नहीं दी गई है कि उड़ान दुबारा कब शुरू होगी। एयरपोर्ट पर परेशान यात्रियों ने जमकर हंगामा किया।

शुक्रवार को कानपुर एयरपोर्ट से मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली की फ्लाइट निरस्त हो गयी क्योंकि कानपुर से उड़ान भरने वाली सभी फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की हैं। सैकड़ों यात्री परेशान रहे। शुक्रवार को सुबह से ही इंडिगो एयरलाइंस के कार्यालय से लेकर कानपुर एयरपोर्ट तक सन्नाटा छाया रहा। हालांकि नेट पर टिकट बुकिंग चालू रही लेकिन कहीं का कोई विमान नहीं आया।

- इंडिगो एयरलाइंस के विमान ही कानपुर से भरते उड़ान
- पायलटों की कमी के कारण एयरलाइंस मुसीबत में आई

लखनऊ का भी आप्शन खत्म, टिकट वापसी ही विकल्प

कानपुर की फ्लाइट जब कभी निरस्त होती थी तो यात्रियों को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से किसी विमान से रवाना कर दिया जाता था लेकिन लखनऊ से भी इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानें रद्द हैं जिससे कोई विकल्प नहीं बचा। एयरलाइंस यात्रियों के खाते में उनका किराया वापस कर रही है।

विदेश की यात्रा करने वाले बुरे फंसे

कई यात्री कानपुर से दिल्ली, मुबई की फ्लाइट लेकर वहां से अन्तर्राष्ट्रीय विमान से उड़ान भरते थे। लेकिन उनका सारा प्लान फेल हो गया। ट्रेन से मुंबई जाने में 25 घंटे से अधिक का समय लगता है। ऐसे में जिनकी विदेश जाने के लिए मुंबई से विमान में बुकिंग थी, उनका विमान चला गया। अवध टूअर्स एंड ट्रवेल्स के निदेशक शारिक अलवी का कहना है कि जिन लोगों ने कानपुर से मुंबई या दिल्ली और फिर वहां से यूरोप, आस्ट्रेलिया व अन्य देशों के लिए फ्लाइट का टिकट बुक करा रखा है, उनके सामने बड़ी समस्या है। लखनऊ से जद्दा, रियाद, शारजाह जैसे जगहों पर जाने वालों के लिए ज्यादा दिक्कत नहीं है क्योंकि सऊदी एयरलाइंस और एयर इंडिया की फ्लाइट मौजूद हैं।

सिटी ब्रीफ

लखनऊ से मुंबई का किराया 20,000 रुपये

कानपुर। देश में घरेलू उड़ान में इंडिगो एयरलाइंस काफी हद तक कब्जा किये है क्योंकि इंडिगो का किराया सस्ता है। शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइंस जब कानपुर से निरस्त हो गयी तो तमाम लोगों ने एजेंट के माध्यम से लखनऊ से बुकिंग कराने की जानकारी ली तो पता चला कि लखनऊ से मुंबई का किराया आम दिनों मे 5 से 6 हजार है लेकिन अब एयर इंडिया की फ्लाइट से लखनऊ से मुंबई किराया सिस्टम पर 20,000 रुपये दिखा रहा है। कानपुर से मुंबई के लिए इंडिगो एयरलाइंस की पहले दो फ्लाइट थीं।

बड़ा चौराहा के पास गरजा बुलडोजर, दस्ते से भिड़े दुकानदार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर आयुक्त के निर्देश पर हर जोन में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान
- परेड से बड़ा चौराहा होते हुए चेतना चौराहे तक चले अभियान में हुआ विरोध

अमृत विचार। नगर आयुक्त के निर्देश पर शुक्रवार को शहर भर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चला। परेड चौराहे से बड़ा चौराहा होते हुए चेतना चौराहे तक चले अतिक्रमण अभियान में दुकानदार दस्ते के सामने आ गए। पुलिस बल न होने की वजह से नगर निगम की टीम को अतिक्रमणकर्ताओं ने घेर लिया। विरोध के बीच टीम ने लगभग 120 अस्थाई दुकानों व ठेले को हटा दिया। इसके साथ 1 हजार का जुर्माना भी वसूला। इसी तरह नगर निगम के अलग-अलग जोन में फुटपाथ व सड़क से अतिक्रमण को हटाया गया साथ ही जुर्माना भी वसूला गया। जोनल अधिकारी जोन-1 विद्यासागर यादव, कर अधीक्षक जोन-1 आरएस कुशवाहा, राजस्व निरीक्षक सुरेश कुमार और नगर निगम की फोर्स मौजूद रही।

जाजमऊ से सिद्धनाथ घाट, दुर्गा मन्दिर तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया है, जिसमे 10 अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया गया। यहां जोन-2 की संयुक्त टीम ने ठेला-ठेलिया के साथ फुटपाथ से कब्जे भी हटवा दिये। जोन-6 में वार्ड 14 अम्बेडकर नगर काकादेव में कोचिंग मण्डी के आस पास सडक-फुटपाथ पर किये गये अस्थायी अतिक्रमण एवं अवैध विज्ञापनपटों को हटाया गया। यहां लगभग 40 अस्थायी अवैध अतिक्रमण जिसमें ठेला, गुमटी आदि सम्मिलित थे। अवैध विज्ञापन जिसमें बोर्ड एवं बैनर आदि को हटवाया गया। जोन-3 के वार्ड-25 बारादेवी चौराहे से डॉ. सोने लाल पटेल इण्टरमीडिएट स्कूल तक भी अतिक्रमण हटाया गया। जिसमें स्थायी 25 अस्थायी 30 कुल 55 फुटपाथ पर लगे ठेलिया, गुमटी हटाई गई। इसके साथ-साथ 23600 रुपये यूजर चार्ज वसूल किया गया। जोन-4 में लाल इमली के आस पास दोनों पट्टियों पर अतिक्रमण हटाया गया। इस अभियान में जोनल अधिकारी जोन-4 राजेश सिंह, कर अधीक्षक अनूप श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक कमल सिंह, साक्षी शुक्ला, नफीस अहमद, विनीत वर्मा, विनीत पाठक समेत ईटीएफ टीम रही। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने बताया कि अब जहां भी अतिक्रमण हटा दिया गया वहां फिर से यदि अतिक्रमण होता है तो इसकी जिम्मेदारी पुलिस की है।

बुलडोजर लेकर पहुंचे नगर निगम के अधिकारी। अमृत विचार

कांग्रेस को है नेताओं की तलाश, साक्षात्कार कल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बुंदेलखंड के लिए तिलकहाल में रविवार को नेताओं का होगा साक्षात्कार
- होनहार, तेज तर्रार नेताओं की सूची एआईसीसी में हाईकमान को भेजेंगे

अमृत विचार। कांग्रेस को तेज तर्रार, होनहार नेताओं की तलाश है जिसके लिए तिलक हाल में टैलेंट हंट कार्यक्रम रविवार 7 दिसंबर को होगा। जिसमें लखनऊ की टीम द्वारा चुने गए नेताओं का नाम एआईसीसी हाईकमान को भेजा जाएगा। यह साक्षात्कार बुंदेलखंड जोन के नेताओं के लिए है। इस कार्यक्रम के लिए कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता को प्रभारी बनाया गया है।

महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि सभी आवेदकों का टैलेंट हंट में पहले ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हो चुका है। उसके बावजूद 7 दिसम्बर को सीधे तिलक हाल आकर सुबह 11 बजे आवेदक रजिस्ट्रेशन करवा कर साक्षात्कार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार के लिए तीन लोगों की टीम लखनऊ से आएगी और फिर सारे चयनित नाम एआईसीसी भेजे जाएंगे। आगे की कार्यवाही वहां से होगी और चयनित आवेदक देश में राष्ट्रीय प्रवक्ता, प्रदेश प्रवक्ता, पार्टी रैलियों में वक्ता आदि की भूमिका में लिए जाएंगे। युवाओं पर खास फोकस रखा जा रहा है। इस कार्यक्रम के लिए शंकर दत्त मिश्रा, पदम मोहन मिश्रा, रितेश यादव, अजय श्रीवास्तव शीलू, चंद्र मनी मिश्रा, धर्मेंद्र चौहान और विनोद अवस्थी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कारोबार

विदेश से आने वाले कच्चे माल पर असर, उत्पाद के रेट प्रभावित

रुपये की टेढ़ी चाल से आयातकों को नुकसान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उद्यमियों ने आरबीआई से सहयोग किए जाने की उठाई मांग

अमृत विचार। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावटसे शहर के आयातक परेशान हैं। अब उन्हें तय मूल्य से अधिक रुपये देकर उत्पाद या कच्चा माल मंगवाने का डर सताने लगा है। इस बदलाव का असर विदेश से आने वाले कच्चे माल को भी प्रभावित करेगा। इससे देश व विदेश जाने वाले उत्पाद भी महंगे होने का डर उद्यमियों को सता रहा है। उद्यमियों ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से रुपये के दामों की चाल को संभालने के लिए उपाय किए जाने की मांग उठाई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की ऐतिहासिक गिरावट मनोवैज्ञानिक स्तर 90 रुपये के आस-पास आने के बाद शहर के आयातक और उद्यमी परेशान हैं। उद्यमियों का कहना है कि रुपये में गिरावट से विदेश से आने वाला कच्चा माल महंगा होगा। इसका असर तैयार उत्पाद पर भी पड़ेगा। यदि ऐसे में कच्चे माल का उपयोग निर्यात संबंधी उत्पाद में होगा तो वह भी महंगा होगा। वही उत्पाद यदि घरेलू बाजार में बिकेगा तो उसपर भी सीधा असर दिखाई देगा। ऐसे में रुपये में गिरावट औद्योगिक लेन-देन को सीधेतौर पर प्रभावित कर सकती है।

"डॉलर के मुकाबले रुपये की लगातार कीमत में गिरावट हो रही है। इस मनोवैज्ञानिक स्तर के छूने से शहर के औद्योगिक इकाइयों के आयातकों को लेन-देन संबंधी कठिनाइयों को सामना करना पड़ सकता है। इसका सीधा असर कारोबार पर पड़ेगा। अब समय आ गया है जब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इस गिरावट पर हस्तक्षेप कर रुपये के स्तर पर सुधार संबंधी कदम उठाए।

-उमंग अग्रवाल, महासचिव फीटा

"डॉलर की चाल से इस समय यूरोप को छोड़कर सभी देश प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक शहर के उद्योग की बात है तो डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट से इनपुट कॉस्ट महंगी हो जाएगी। इनपुट कॉस्ट महंगी होने का असर हर उस उत्पाद पर पड़ेगा जिसमें आयातित सामग्री का उपयोग हुआ हो। ऐसे में इससे शहर का उद्योग भी प्रभावित होगा।

-सुशील शर्मा, चेयरमैन इंडस्ट्री कमेटी

"डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट का असर छोटे उद्योग से लेकर बड़े उद्योग तक सीधा पड़ता है। हर वो उत्पाद जिसमें विदेशी सामग्री का उपयोग होता है उस पर असर पड़ेगा। इससे निर्यातक भी प्रभावित होंगे। निर्यातकों का उत्पाद महंगा होने से उन्हें वैश्विक बाजार में अपने उत्पाद की कॉस्ट भी बढ़ाकर ही बतानी होगी। निर्यातकों को भुगतान में लाभ संभव है।

-वैभव सारस्वत, रक्षा उद्यमी

"डॉलर के मुकाबले रुपये में सामने आई मनोवैज्ञानिक गिरावट से आयात करना महंगा होगा। निर्यातकों को इसमें भुगतान में लाभ मिलेगा। शहर में निर्यात के मुकाबले आयात औसत तीन फीसदी अधिक है। इसलिए इसका असर उद्योग पर अधिक भी पड़ेगा। अमेरिका के रुख से इस समय करेंसी रेट प्रभावित हो रही है। वैश्विक बाजार में सुधार आने के बाद रुपये की कीमत में भी निश्चित सुधार संभव है।

-आलोक श्रीवास्तव, सहायक निदेशक फियो

पीडब्ल्यूडी में नगर व देहात के टेंडर पर लगी रोक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता ने साइबर टीम को सौंपा है मामला

अमृत विचार। लोक निर्माण विभाग में एक ही फर्म का लॉगिन खोलकर दस्तावेज हटाए जाने के मामले की जांच अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। फिलहाल कानपुर नगर और कानपुर देहात के टेंडर पर रोक लग गई है। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता ने मामले की जांच के लिए साइबर टीम को पत्र भेज दिया है।

लोक निर्माण विभाग में 28 नवंबर को घाटमपुर और कानपुर देहात के सिकंदरा, भोगनीपुर व रसूलाबाद क्षेत्रों में लगभग चार करोड़ रुपये के सड़क कार्यों के लिए टेंडर जारी हुए थे। वरद इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर दुर्गेश सिंह चौहान ने आरोप लगाया है कि प्रहरी एप पर छह टेंडरों के लिए दस्तावेज अपलोड किए थे। इसके लिए करीब 40 लाख रुपये की फीस उनके खाते से आनलाइन कटी, लेकिन बोली की अंतिम प्रक्रिया शुरू होते ही एप से उनके सभी दस्तावेज गायब हो गए और फर्म खुद प्रक्रिया से बाहर हो गई। आरोप है कि यह एक सुनियोजित साइबर हस्तक्षेप है, ताकि उनकी फर्म को टेंडर से बाहर किया जा सके। तकनीकी कारणों से लंबे समय से तमाम फर्म की लॉगिन आईडी के पासवर्ड बदले नहीं गए हैं। पुराने क्लर्क और साइबर टीम को पासवर्ड की जानकारी रहती है। आशंका है कि किसी चहेते ठेकेदार को काम दिलाने के लिए डील होने पर उनकी फर्म के दस्तावेज गायब कर दिए गए। मामले में फिलहाल कानपुर नगर व देहात के टेंडर पर रोक लगा दी गई है। मामले की जांच साइबर टीम और मुख्यालय स्तर की टीम कर रही है। मुख्य अभियंता रविदत्त ने बताया कि शिकायतकर्ता से जरूरी कागजात मांगे गए तो वह दिखा नहीं सका है और न ही टेंडर डालने का प्रूफ दे सका है।

मजदूरों की टोली पर चली दनादन गोली, हुई खून की होली

स्वदेशी कॉटन मिल में आज के दिन 1977 में हुआ था गोलीकांड, मारे गए थे 10 श्रमिकों सहित 13 लोग और फिर कई मिलों का अधिग्रहण

शहीद पार्क बदहाल है। अमृत विचार

स्वदेशी काटन मिल खंडहर हो गई। अमृत विचार

कैंडल जलाकर कर श्रद्धांजलि अर्पित करते स्थानीय लोग। अमृत विचार

हम नहीं भूले

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- मिल खंडहर में तब्दील हो चुकी है, मारे गए मजदूरों की याद में बना शहीद पार्क बदहाल, एनटीसी, बीआईसी और जेके ग्रुप की सभी मिलें हो चुकीं बंद

अमृत विचार। कोई 47 साल पहले 6 दिसंबर 1977 का दिन ढलने को था, तभी जूही स्थित स्वदेशी कॉटन मिल में तेज शोर उठा और मारो-मारो की गूंज से इलाका थर्रा गया। मजदूरों के बवाल के बाद पुलिस गोलियां चलाने लगी और 10 मजदूर और मिल मैंनेजर सहित 13 लोग मारे गए। यहीं से कानपुर के मिलों की पतन की पटकथा लिख गई थी। उस दिन वेतन बकाये के मुद्दे पर मजदूर उत्तेजित थे। वे मैनेजर बीएन अय्यर का घेराव कर रहे थे। मारपीट शुरू हो गई और मिल के मैनेजर अय्यर और खजांची आरपी शर्मा को खींच लिया गया। बताया जाता है कि उन्हें बॉयलर में झोंक दिया गया फिर चीख-पुकार आग और दहशत के बाद पुलिस की गोलियों की गूंज मची।

जूही निवासी नेता उस घटना के चश्मदीद संजय मिश्र बताते हैं कि वेतन बकाये को लेकर मजदूर आंदोलन कर रहे थे। तभी हिंसा शुरू हो गई। सूचना पाकर पहुंचे तत्कालीन सीओ एसपी गरोला, इंस्पेक्टर ओपी शर्मा और भारी पुलिस बल पर मजदूर भारी पड़ रहे थे। मजदूरों और पुलिस के बीच तगड़ा संघर्ष शुरू हो गया। गोलियां चलने लगीं। मजदूर रामेश्वर वर्मा, सूरज, भगोती, बच्चूलाल, होरीलाल, चुन्नीलाल, गंगाराम, भवानी, आत्मानाथ, रामकिशोर, कर्मचारी शिवमूर्ति, आरपी शर्मा और मैनेजर मारे गए। सात दिन कर्फ्यू लगा रहा। इसके बाद सभी मिलों के हजारों मजदूर सड़कों पर आ गए और आंदोलन शुरू हो गया। तब प्रदेश में जनता पार्टी की सरकार थी, मुख्यमंत्री थे रामनरेश यादव और श्रम मंत्री थे कानपुर के गणेशदत्त वाजपेई। सरकार हिल गई। अब मिल खंडहर हो चुकी है, लेकिन उधर से गुजरो तो वह मंजर जेहन में आता है और मजदूरों की चीखें महसूस होती हैं। कर्मचारी नेता राजेश शुक्ला बताते हैं कि बात केंद्रीय श्रम मंत्री जार्ज फर्नांडीज तक पहुंची और फिर कुछ महीने बाद स्वदेशी सहित कानपुर की पांचों मिलों का अधिग्रहण कर उन्हें एनटीसी के अधीन कर दिया गया। उस वक्त स्वदेशी मिल में 10 हज़ार मजदूर थे। मारे गए मजदूरों की याद में शहीद स्थल बनाया गया, लेकिन वह अब सिर्फ कहानी बनकर रह गया है।

और फिर बंद होती गईं मिलें

- अधिग्रहण के बाद एनटीसी ही नहीं, बीआईसी की लाल इमली सहित पांचों मिलों की हालत खस्ता होती गई और 2015 आते-आते सभी पर ताला लग गया। इन 10 मिलों में 90 हज़ार से अधिक मजदूर थे और फिर मिल बंदी के साथ कानपुर से एशिया के मैनचेस्टर का दर्ज़ा भी छिन गया। सिर्फ खंडहर और यादें ही बची हैं। अब दस बंद मिलों की कोई 500 एकड़ से अधिक ज़मीन पर धनकुबेरों की निगाहें गड़ी हैं।

जेके ऑर्गनाइजेशन की यहां सभी मिलें बंद

- कभी जेके वालों की कानपुर में जेके कॉटन, जेके जूट, रेयान सहित 14 मिलें थीं, जिनमें 60 हज़ार से अधिक मजदूर थे, पर सभी बंद हो चुकी हैं। मजदूरों के एक स्वर्णिम युग का अंत हो गया। अब कानपुर में बड़े, मंझले और छोटे कोई नौ हज़ार कारखाने हैं, जिनमें ढाई लाख से अधिक मजदूर हैं, लेकिन न तो उन्हें उस जमाने जैसा वेतन, सुविधा और रुतबा है और न ही वैसे दमदार मजदूर नेता रहे।

गोली कांड में शहीद हुए श्रमिकों को किया याद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- श्रमिक शहादत स्तंभ पर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी

अमृत विचार। स्वदेशी कॉटन मिल गोली कांड में शहीद हुए श्रमिकों के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर जुही गढ़ा स्थित शहीद श्रमिक पार्क के श्रमिक शहादत स्तंभ पर पूर्व पार्षद सुनील कनौजिया और क्षेत्रीय नागरिकों ने कैंडल जलाकर कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सुनील कनौजिया ने कहा कि स्वदेशी कॉटन मिल के गरीब मिल मजदूर अपना खून पसीना बहाकर मिल प्रबंधन को मोटा फायदे पहुंचते थे लेकिन उसके बाद भी लगातार कई महीने का वेतन नहीं मिला और जब धरना-प्रदर्शन किया तो प्रबंध तंत्र के इशारे पर प्रशासन ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया। मजदूरों पर अंधाधुंध गोलियां चलवा दीं, जिसमें 13 मजदूर शहीद हो गए थे। पार्षद शालू कनौजिया, सौम्या वर्मा, शशि बाला, अरशद, गौतम पांडेय, सुमन आदि रहे।

रिश्तेदार के घर सोये साफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

कानपुर। नोएडा में कार्यरत साफ्टवेयर इंजीनियर की गुजैनी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। साफ्टवेयर इंजीनियर छोटे भाई के एक्सीडेंट की जानकारी पर पटना जाने के लिए घर से निकला था। पटना के लिए सीधी ट्रेन न मिलने के कारण वह बुधवार दोपहर गुजैनी निवासी ममेरे भाई के घर पहुंचा, जहां गुरुवार को वह मृत मिला।

बिहार के दानापुर ईस्ट खगोल, विजय विहार कालोनी दीपक सिंह का बेटा सत्यम देव (23) नोएडा की पुष्पेंद्र टेक्नोलॉजी में साफ्टवेयर इंजीनियर था। वह नोएडा में अपने तीन दोस्त अमन, सिद्ध, शेखर के साथ में रहता था। मंगलवार को सत्यम की बड़ी बहन पूजा ने उसे फोन कर छोटे भाई शिवम के पटना में एक्सीडेंट होने की जानकारी दी थी। जिसके बाद मंगलवार को वह पटना स्थित घर जाने के लिए निकला था। डायरेक्ट ट्रेन न होने के कारण वह आनंद बिहार ट्रेन से कानपुर के गुजैनी निवासी ममेरे भाई सुशील के घर बुधवार दोपहर 3 बजे आया था।

गुरुवार को उसे पटना के लिए कानपुर से निकलना था। ममेरे भाई सुशील ने बताया कि बुधवार रात खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। गुरुवार को सुबह 8 बजे उसे उठाया, तो वह नहीं जगा। उसके नाक से खून निकल रहा था। परिजन आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची गुजैनी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भिजवाया।

सिटी ब्रीफ

दुष्कर्म में आठ साल कैद

कानपुर। घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म करने वाले को विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट शुचि श्रीवास्तव ने आठ साल कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने से दस हजार रुपये वादी मुकदमा को दिए जाएंगे। गोविंद नगर के नौरैया खेड़ा निवासी महिला के घर के सामने रहने वाले मजदूर महेश यादव ने 12 अगस्त 2019 को घर में घुसकर दुष्कर्म व कुकर्म किया था। घटना के समय महिला का पति मजदूरी करने फैक्ट्री गया था। 100 नंबर पर महिला ने सूचना दी तो पुलिस ने उसे हैलट में भर्ती कराया था। महिला के पति ने गोविंद नगर थाने में महेश के खिलाफ दुष्कर्म, कुकर्म व एससीएसटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने महेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अभियोजन की ओर से पीड़िता व उसके पति समेत सात गवाह कोर्ट में पेश किए गए। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने महेश को दुष्कर्म व कुकर्म का दोषी मानकर सजा सुनाई।

समारोह में व्यापारी का नकदी से भरा बैग चोरी

कानपुर। कानपुर देहात के भोगनीपुर पुखरायां सुभाष नगर निवासी दीपक अग्रवाल ईंट भट्ठा व्यापारी हैं। उन्होंने बताया कि बीती 20 नवंबर को उनकी बहन रुचि और बहनोई रविश अग्रवाल की शादी की 25वीं सालगिरह का कार्यक्रम कैंट स्थित स्टेटस क्लब में था। जिसमें वे शामिल होने के लिए आये थे। उनके पास डेढ़ लाख रुपये से भरा बैग था और बैग में ही तीन मोबाइल भी पड़े थे। कार्यक्रम में केक कटने के दौरान उन्होंने बैग स्टेज के पास कुर्सी पर ही रख दिया था। उसी दौरान एक युवक ने बैग पार कर दिया। स्टेटस क्लब के स्टाफ ने कोई सहयोग नहीं किया।

मुनाफे का झांसा देकर 10 लाख ठगे

कानपुर। सिविल लाइंस में रहने वाली कनिका जैन की तहरीर के अनुसार इसी साल मार्च माह में उनके पास एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप में मैसेज आया। मैसेज में निवेश करने के नाम पर भारी मुनाफे का जिक्र था। एक दिन बाद टेलीग्राम एक ग्रुप में जोड़ दिया गया, जहां मुनाफे का फर्जी प्रचार-प्रसार हो रहा था। इस तरह कनिका ने 13-14 मार्च में 1 लाख रुपये इंवेस्ट कर दिया। फिर अचानक फर्जी वेबसाइट बंद होने पर ठगी का एहसास हुआ। आरोप है कि, इस दौरान पीड़िता थाने में चक्कर लगाती रही, जबकि पुलिस ने 8 माह बाद रिपोर्ट दर्ज की। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर कर साइबर सेल की मदद से मामले की जांच की जा रही है।

पार्ट टाइम इनकम का झांसा दे 5.35 लाख ठगे

कानपुर। रेलबाजार निवासी मोहम्मद नसीम मंसूरी कैफे संचालक हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास टेलीग्राम में एक मैसेज आया। जिसमें जापान की एक कंपनी के कपड़ों के प्रॉडक्ट को रेटिंग देने और प्रॉडक्ट को ग्रैप करने पर रुपये कमाने प्रलोभन दिया था। जिस पर नसीम उसके झांसे में आ गये। फिर आरोपितों ने रेटिंग और ग्रैप करवाकर 11 हजार रुपये उनके खाते में भेजे। फिर ठगों ने अन्य प्रॉडक्ट पर भी निवेश कर रेटिंग करके रुपया कमाने का लालच दिया। धीरे धीरे चार माह में आरोपितों ने उनसे 5.35 लाख रुपये ठग लिये। लेकिन उनकी रकम और मुनाफा रिटर्न न होने पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद उन्होंने रेलबाजार थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि साइबर सेल की मदद से आरोपितों की तलाश की जा रही है।

केडीए के पुराने फ्लैट बेचने के लिए बनेगा अलग कार्यालय

अभिषेक वर्मा, कानपुर

- योजना के पास ही बनेगा ऑफिस, मौके पर ही आवंटन दिया जायेगा बैंक वालों से भी चल रही बात
- 31 मार्च 2026 तक पुराने दामों में बेचने की तैयारी, 13 योजनाओं में बने 11,176 फ्लैट

अमृत विचार। शताब्दी नगर और जवाहरपुरम में खाली पड़े फ्लैट केडीए के लिए मुसीबत बने हैं। विभाग के हजारों करोड़ रुपये फंसे हैं। इसे किसी तरह अधिकारी निकालना चाहते हैं। अब फ्लैटों को बेंचने के लिए योजना के पास ही अलग केडीए का कार्यालय शुरू करने की तैयारी है। यहां फ्लैट को दिखाने के साथ ही मौके पर ही आवंटन पत्र जारी करने की योजना है। केडीए लोगों को लोन दिलाने के लिए भी बैंक वालों से बातचीत कर रहा है। यहां मौके पर ही लोन सुविधा आवंटियों को मिल सकेगी। नए वर्ष में लुभावने ऑफर के साथ विभाग पुनः लांचिंग कर सकता है।

शताब्दी नगर और जवाहरपुरम में 13 योजनाओं में 11,176 फ्लैट हैं। इसमें से 6 हजार से अधिक फ्लैट खाली हैं। इन्हें बेंचने के लिए केडीए लगातार प्रलोभन दे रहा है। इससे पहले पुराने दामों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर फ्लैट बुक कराने की योजना शुरू की है। लेकिन, खराब सड़कें, गंदगी, पानी, बिजली की समस्या व जर्जर फ्लैट की वजह से लोग यहां आना नहीं चाहते हैं। आवंटियों की शिकायत और फ्लैट को बेचने के उद्देश्य से यहां विकास कार्य के लिए टेंडर कराए हैं। सड़क निर्माण, सीवर, लाइट, मार्गप्रकाश पानी की समस्या को दूर कर रहा है। विभाग जिसके आधार पर फ्लैट को बेंचने के लिए यहां केडीए का स्वतंत्र कार्यालय भी खोलने जा रहा है। विभाग पिछले 10 वर्षों से यहां फ्लैट बेच नहीं पाया है। लोगों को लुभाने के लिए केडीए फ्लैट योजना में लगभग 20 करोड़ रुपये से विकास कार्य कर रहा है।

अमन में 1300 रामगंगा में 600 से अधिक खाली

- केडीए की रामगंगा इन्क्लेव टाइप1 फ्लैट योजना में 940 में 607 खाली हैं। इसी तरह मन्दाकिनी सुलभ के 512 में 500, केडीए ड्रीम्स के 1200 में 1100, अमन इन्क्लेव के 1780 में 1371, यमुना सुलभ 3 में 608 में 580 और हिमगिरी, नीलगिरी, सरस्वती में बने 2016 फ्लैट में 700 फ्लैट खाली हैं। इसी तरह गंगा सुलभ तो पूरी तरह ही खाली है।

1100 संदिग्धों में से 850 का सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

क्षेत्रीय लोगों से बात करते पुलिस कमिश्नर। अमृत विचार

अमृत विचार। जुमे की नमाज और 6 दिसंबर के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था परखने एवं क्षेत्र में शांति-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने सद्भावना पुलिस चौकी से यतीमखाना चौराहा, मीना इलेक्ट्रॉनिक्स तिराहा, बीडी मार्केट, दादा मियां चौराहा, मछली तिराहा होते हुए दलेलपुरवा चौराहा तक पैदल गश्त की। पुलिस आयुक्त ने बताया कि दिल्ली विस्फोट के बाद बांग्लादेशियों और अन्य घुसपैठियों की छानबीन के क्रम में विभिन्न बस्तियों से कुल 1100 व्यक्तियों की सूची तैयार की गई थी, जिनमें से 850 व्यक्तियों का सत्यापन किया जा चुका है। शेष का सत्यापन किया जा रहा है। स्थानीय पुलिस असम पुलिस, वेस्ट बंगाल पुलिस एवं झारखंड पुलिस के साथ लगातार समन्वय बनाए है। सत्यापन के दौरान पता चला कि जिन व्यक्तियों को बाहरी बताया गया था, वे झारखंड राज्य के पाकुड़ जिले के निवासी लगभग 300 लोग हैं। जिनसे पुलिस अधिकारियों ने वार्ता की तथा उनका फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जा चुका है। साथ ही अन्य बस्तियों में भी पुलिस टीमें जाकर एक-एक व्यक्ति का सत्यापन कर रही हैं। पुलिस आयुक्त ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि किसी को किसी संदिग्ध बाहरी व्यक्ति की जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। 6 दिसंबर के मद्देनज़र सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर निगरानी है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त और ड्यूटी बढ़ाई गई है।

अराजकता

घंटाघर में बीच सड़क ई रिक्शा खड़े कर सवार भरते चालक। इससे दिनभर जाम लगता है। • अमृत विचार

भूमि विवाद में दो महिलाओं सहित 10 पर एफआईआर

- पुलिस आयुक्त के आदेश पर 11 माह बाद कार्रवाई

कल्याणपुर। कल्याणपुर में जमीन पर कब्जे के विवाद में करीब 11 माह बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत 10 लोगों के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी सहित गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देश पर की गई है।

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर निवासी गणेश शंकर तिवारी ने पुलिस आयुक्त को करीब 11 माह पूर्व एक शिकायत पत्र देते हुए आरोपियों पर गंभीर आरोप लगाए थे। कहा था कि न्यायालय द्वारा 7 मई 2024 को स्पष्ट रूप से यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया था। बावजूद इसके आरोपी क्षमा सिंह चौहान एवं उसके साथियों ने न केवल जमीन पर कब्जा किया बल्कि निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया।

पीड़ित गणेश तिवारी के अनुसार 25 मई 2024 को क्षमा सिंह चौहान और उसके साथी जबरन जमीन पर कब्जा करने पहुंचे। इसके बाद 6 जनवरी 2025 को क्षमा सिंह, धर्मेंद्र सिंह, लाली शुक्ला, जितेंद्र सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह चौहान, पप्पू, ओमप्रकाश सिंह, आशीष सिंह करीब 15-20 मजदूरों के साथ पहुंचे और अवैध निर्माण शुरू करा दिया। विरोध करने पर आरोपितों ने न केवल असलहे लहराए बल्कि गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। इसी दौरान अंजू गुप्ता और उनके पति अनिल गुप्ता, जो बब्बन शॉपिंग मॉल के संचालक हैं, वह भी वहां पहुंचे और दावा किया कि उन्होंने 1 करोड़ 80 लाख रुपये में जितेंद्र सिंह से जमीन का बैनामा करा लिया है, इसलिए वे निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। इसके बाद 8 जनवरी को मजदूरों को दोबारा लाकर कब्जा जारी रखा गया। गणेश तिवारी का आरोप है कि उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी, लेकिन काम नहीं रुका। 9 जनवरी को पनकी रोड चौकी प्रभारी ने दोनों पक्षों को बुलाया, जहां मौजूद आरोपियों ने पुलिस के सामने ही उन्हें जान से मारने की धमकी दी। शिकायतों के बावजूद लंबी अवधि तक कोई कार्रवाई न होने से आरोपियों के हौसले बढ़ गए और उन्होंने रास्ते पर कब्जा कर 25 फीट सड़क बंद कर दी, साथ ही 11 हजार वोल्ट लाइन के नीचे टिनशेड डाल दिया।

शिकायत और पूरे प्रकरण की रिपोर्ट पुलिस आयुक्त तक पहुंचने के बाद, उन्होंने मामले की जांच कराई तो घटना सही पाई गई, जिसके बाद पुलिस आयुक्त के आदेश के बाद कल्याणपुर पुलिस ने क्षमा सिंह चौहान, धर्मेंद्र सिंह, लाली शुक्ला, जितेंद्र सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह चौहान, पप्पू जायसवाल, ओम प्रकाश, आशीष सिंह समेत दंपती अंजू गुप्ता और अनिल गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि वादी ने आपरेशन महाकाल में पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राजनीति | भाजपा ने बीते 45 साल में कानपुर से बनाए पांच मंत्री

इस बार शहर से कौन बनेगा मंत्री! चली चर्चा

विशेष संवाददाता, कानपुर

- नए साल में मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है, आयोग और कमेटियों का गठन भी नजदीक

अमृत विचार। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का ऐलान होने वाला है और इसके बाद खरमास खत्म होते ही जनवरी के आखिर तक पार्टी संगठन पर फोकस करेगी। इसके साथ ही मंत्रिमंडल में भी फेरबदल हो सकता है। कानपुर के जनप्रतिनिधि भी मंत्रीपद की आस लगाए हैं।

बिहार चुनाव में जबरदस्त जीत के बाद अब भाजपा उत्तर प्रदेश पर फोकस कर रही है। लोकसभा चुनाव में पीछे रहने के बाद अब 2027 फतह के लिए तैयारी तेज कर दी गई है। लखनऊ में संघ, सरकार और संगठन की समन्वय बैठक के बाद दिल्ली में भी बैठक हो चुकी है। माना जा रहा है कि नया प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। हिंदुत्व और जातीय समीकरण को ध्यान रखते हुए ओहदे तय होंगे। बताया जाता है कि इस बाद कानपुर मंत्रीविहीन नहीं रहेगा। जिले में भाजपा के छह विधायक और चार एमएलसी हैं। भाजपा कैडर के विधायक को मौका मिल सकता है। मानवेन्द्र सिंह, सुरेंद्र मैथानी या अरुण पाठक की किस्मत खुल सकती है। ये किसी गुटबाजी से दूर दिल्ली और लखनऊ दरबार के नज़दीक हैं। नाम तो महेश त्रिवेदी का भी चर्चा में है, लेकिन पिछले दिनों उनके कमीशन वाले बयान से पार्टी असहज है। यह भी चर्चा है कि कानपुर देहात से यदि प्रतिभा शुक्ला का पत्ता कटा तो शहर से एक मंत्री बनना तय है।

वैसे भी एक राज्यमंत्री शहर को मिल सकता है। इधर, विपक्ष ने ब्राह्मण विरोधी आरोप सत्ता पर लगाए तो उसकी काट के लिए कोई निर्विवाद ब्राह्मण चेहरे को जगह मिल सकती है। कमेटियों और आयोगों के गठन के साथ पार्षदों का मनोनयन भी होना है। इनमें से भी शहर के कुछ नेताओं का समायोजित किया जाना तय है।

भाजपा से ये रह चुके मंत्री

- पिछले 45 साल में भाजपा से बालचंद मिश्रा, प्रेमलता कटियार, सतीश महाना, सत्यदेव पचौरी और नीलिमा कटियार मंत्री रह चुके हैं। सतीश महाना दो बार मंत्री बने और अब विधानसभा अध्यक्ष हैं। राज्यमंत्री का दर्जा तो कई को मिल चुका है।

कांग्रेस और अन्य दलों से इन्हें मौका मिला था

- जवाहरलाल रोहतगी, अब्दुल रहमान नश्तर, सुशीला रोहतगी, राम नारायण पाठक, जनता पार्टी से गणेश दत्त वाजपेई और लोकदल से मनोहरलाल मंत्री बनाए गए थे। इसी तरह बसपा से अनंत मिश्रा अंटू कानपुर कोटे से मंत्री थे।

इन्हें बेहद महत्वपूर्ण ओहदे मिले

- वीरेंद्र स्वरूप विधानपरिषद के अध्यक्ष, वीरेंद्र बहादुर सिंह चंदेल विधान परिषद के अध्यक्ष, हरि किशन श्रीवास्तव विधानसभा अध्यक्ष और अब सतीश महाना विधानसभा अध्यक्ष। सपा से सुखराम सिंह विधान परिषद के अध्यक्ष बने थे। आजादी से पहले गणेश शंकर विधार्थी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और बाद में श्रीप्रकाश जायसवाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बने। केके सचान बसपा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए थे।

ट्रेनों में चेनपुलिंग करने में मंडल में कानपुर अव्वल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जनवरी से नवंबर तक 4778 यात्रियों को चेनपुलिंग में गिरफ्तार किया
- कानपुर सेंट्रल पर 703, पनकीधाम में 43, अनवरगंज में 21 यात्री गिरफ्तार

अमृत विचार। प्रयागराज मंडल में सबसे ज्यादा चेनपुलिंग करने वाले स्टेशनों में कानपुर सेंट्रल स्टेशन एक नंबर पर है। बीते 11 महीनों में कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर 703 यात्री, पनकी धाम स्टेशन पर 43 और अनवरगंज स्टेशन पर 21 यात्रियों को चेन पुलिंग करने में गिरफ्तार किया गया।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि प्रयागराज मंडल में 1 जनवरी 2025 से 30 नवंबर 2025 तक 4778 लोग चेन पुलिंग में गिरफ्तार किए गए। उन्होंने बताया कि ट्रेनों में अनावश्यक चेन पुलिंग की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। चेन पुलिंग न केवल गाड़ियों की समयबद्धता को प्रभावित करती है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरे में डालती है।

कहां कितने यात्री चेनपुलिंग में पकड़े

कानपुर सेंट्रल 703, पनकी धाम 43, अनवरगंज 21, टूंडला 479, फतेहपुर 357, अलीगढ़ 355, इटावा 327, प्रयागराज जंक्शन 322, नैनी 304, मिर्जापुर 254, मानिकपुर 235, फफूंद 207, सूबेदारगंज 174, शिकोहाबाद 173, प्रयागराज छिवकी 147, जीएमसी 124, फिरोजाबाद 117, खुर्जा 116, हाथरस 112, चुनार 109, दादरी 99।

सिटी ब्रीफ

प्रदर्शन करने की चेतावनी दी

कानपुर। नगर निगम के जोन-तीन में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी न मिलने पर अब बेगमपुरवा वार्ड के पार्षद ने प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। पार्षद निशा अकील शानू ने बताया कि कूड़ा उठाने वाली हैंडकार्ट न होने से सफाई कर्मचारी परेशान होते हैं। कूड़ा भी नहीं उठ पा रहा है। क्षेत्र की कई गलियों में कूड़ा पसरा रहता है जिससे बदबू से लोग परेशान होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया तो 24 घंटे बाद प्रदर्शन करेंगे।

एसआईआर की कम प्रगति पर जताया रोष

कानपुर। भाजपा उत्तर जिले की बैठक में जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने एसआईआर अभियान के विधानसभा संयोजक सह संयोजक व मंडलों के सह संयोजकों से जानकारी ली। कुछ मंडलों में अभियान की प्रगति आशा अनुरूप न होने पर जिला अध्यक्ष ने रोष जताते हुए कहा हम आप एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता होने के साथ साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। हम सबका नैतिक कर्त्तव्य है कि कोई वास्तविक मतदाता न छूट पाएं। यह राष्ट्रीय अभियान है। मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि शनिवार से सभी मंडल बूथवार अपनी रिपोर्ट बनाकर वार रूम को देंगे। बैठक में जन्मेजय सिंह, अवधेश सोनकर, सतेंद्र पांडेय, धीरज बाल्मीकि, संजय अग्निहोत्री आदि रहे।

फार्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ी

कानपुर। बीएड, बीपीएड, एमएड व एमपीएड के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के संस्थागत, भूतपूर्व, वीबैक पेपर परीक्षा से सम्बन्धित अर्ह छात्र, छात्राओं के लिए ऑनलाइन फार्म सब्मिशन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि 4 दिसंबर तक निर्धारित की गयी थी। विभिन्न महाविद्यालयों के अनुरोध पर ऑन-लाइन फार्म सब्मिशन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि 8 दिसंबर तक विस्तारित कर दी गई है। सीएसजेएमयू की ओर से बताया गया कि सभी महाविद्यालय अपने स्तर से सम्बन्धित छात्र, छात्राओं को उनका परीक्षा फार्म पूरित कराए।

डॉ. पीएसएन मेनन को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड देते डॉ. ऋषि शुक्ला, डॉ. साइमन हेलर, डॉ. अनुराग बाजपेयी, डॉ. दीपक याज्ञनिक। अमृत विचार

सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. संगीता शुक्ला ने बताया कि अधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना (खासकर रात में), बिना कारण वजन कम होना, अत्यधिक भूख लगना, थकान और धुंधला दिखना टाइप-1 डायबिटीज के मुख्य लक्षण है। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इंसुलिन के सहारे चल रहा मरीजों का जीवन, सरकार को ध्यान देने की जरूरत

उत्तर प्रदेश में 10 लाख लोग टाइप-1 डायबिटीज से ग्रस्त

मरीजों को डायबिटीज संबंधित सवालों का जवाब देते डॉक्टर्स। अमृत विचार

खानपान और जीवनशैली पर निर्भर करती डायबिटीज

- डॉ. एस श्रीकांता ने बताया कि एक दिन में 20 ग्राम चीनी खाने से डायबिटीज के खतरे को टाला जा सकता है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हो सकता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार वयस्कों के लिए 30 ग्राम से कम के करीब है, जो टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। संतुलित आहार, शारीरिक गतिविधि और नियमित ब्लड शुगर मॉनिटरिंग डायबिटीज से बचाव के लिए जरूरी है, क्योंकि डायबिटीज सिर्फ चीनी की मात्रा नहीं, बल्कि कुल खानपान और जीवनशैली पर निर्भर करती है।

टाइप-1 डायबिटीज में यह होता

डॉ. एस श्रीकांता।

- बेंगलुरु से आए डॉ. एस श्रीकांता ने बताया कि टाइप-1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं को नष्ट कर देती है। अग्न्याशय इंसुलिन का उत्पादन बंद कर देता है या बहुत कम करता है। बताया कि यह इंसुलिन एक हार्मोन है, जो भोजन से मिले ग्लूकोज को रक्त से निकालकर कोशिकाओं में ऊर्जा के लिए पहुंचाता है। इंसुलिन के बिना ग्लूकोज रक्तप्रवाह में ही फंस जाता है और कोशिकाओं को ऊर्जा नहीं मिल पाती। इससे रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) का स्तर बहुत बढ़ जाता है और शरीर की कोशिकाएं भूखी रह जाती हैं। इंसुलिन ग्लूकोज को कोशिकाओं में प्रवेश करने का दरवाजा खोलता है, जिससे कोशिकाएं ऊर्जा के लिए ग्लूकोज का उपयोग कर पाती हैं। यह रक्त से ग्लूकोज को हटाकर उसे सामान्य स्तर पर बनाए रखने में मदद करता है। बताया कि इसे सिरिंज, पेन या पंप द्वारा लिया जाता है। क्योंकि इंसुलिन के बिना ग्लूकोज कोशिकाओं में नहीं जा पाता और रक्त में जमा होने से स्थिति जानलेवा हो सकती है।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश में करीब 10 लाख लोग टाइप-1 डायबिटीज से ग्रस्त हैं। इनके जीवन में इंसुलिन की भूमिका काफी अहम है। टाइप-1 डायबिटीज में इंसुलिन जीवन रक्षक का काम करती है, क्योंकि इसमें शरीर इंसुलिन नहीं बना पाता, इसलिए बाहर से इंसुलिन लेना जरूरी होता है, जो रक्त शर्करा (ग्लूकोज) को कोशिकाओं में पहुंचाकर ऊर्जा प्रदान करता है और रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने से रोकता है। सरकार को इस ओर ध्यान देने की विशेष जरूरत है। यह जानकारी बेंगलुरु से आए डॉ. एस श्रीकांता ने दी। सीएसजेएमयू में स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में शुक्रवार को टाइप-1 डायबिटीज की नेशनल संस्था टीआईईयूपी और सोसाइटी फोर प्रीवेंशन एंड एवेयरनेस ऑफ डायबिटीज ने नेशनल टाइप-1 डायबिटीज नामक कार्यक्रम की शुरुआत की। इसमे देशभर के विशेषज्ञ, डायटिशियन, टाइप-1 ग्रस्त लोग व छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

कम नींद लेने से भी बढ़ता है डायबिटीज का खतरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

डॉ. ऋषि शुक्ला।

डॉ. अजय तिवारी।

डॉ. नरसिंह वर्मा।

अमृत विचार। लॉकडाउन के बाद से ऑनलाइन वर्क बढ़ गया है। इसके अलावा लोग मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप और टीवी का इस्तेमाल देर रात तक कर रहे हैं, जिसकी वजह से लोगों की नींद का चक्र गड़बड़ा गया है। पर्याप्त नींद नहीं लेने या कम नींद लेने से शरीर में स्ट्रेस हार्मोन (जैसे कोर्टिसोल) का स्तर बढ़ जाता है और फिर इंसुलिन ठीक से काम नहीं कर पाता। तब ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने से डायबिटीज होने या बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। यह जानकारी नेशनल टाइप-1 डायबिटीज कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. रिषी शुक्ला ने दी।

सोसाइटी फोर प्रीवेंशन एंड अवेयरनेस ऑफ डायबिटीज के पैट्रन डॉ. ऋषि शुक्ला ने बताया कि पर्याप्त नींद न मिलने पर शरीर कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे स्ट्रेस हार्मोन ज्यादा बनाता है, जो लिवर से ग्लूकोज निकालकर ब्लड शुगर बढ़ाते हैं। नींद की कमी से कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं, जिससे ग्लूकोज ब्लडस्ट्रीम में ही रुका रहता है। भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलिन बढ़ता है और पेट भरा होने का संकेत देने वाला हार्मोन लेप्टिन घटता है, जिससे ज्यादा खाने और मीठा खाने की तलब होती है। वहीं, खराब नींद शरीर में सूजन बढ़ाती है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में और मुश्किल पैदा करती है। हार्मोन लिवर से ग्लूकोज छोड़ता है और कोशिकाओं को इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी बनाता है, जिससे मीठा खाने की इच्छा बढ़ती है और मोटापा भी बढ़ सकता है। लखनऊ से आए डॉ. अजय तिवारी ने बताया कि हर व्यक्ति में डायबिटीज अलग-अलग प्रकार की होती है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. एसके गौतम ने डायबिटीज के शुरुआती संकेत और लक्षणों की पहचान कर सावधानी बरतने की जानकारी दी। लखनऊ से आई डॉ. हेमाली झा ने कहा कि टाइप-1 के बच्चों और युवाओं के लिए भी जागरुकता कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। पुणे से आई डॉ. सजली मेहता ने शुगर कंट्रोल करने और उसके फायदों की जानकारी दी। प्रयागराज से आई डॉ. अमातुल फातिमा ने कार्बोहाइड्रेड काउंटिंग पर जानकारी दी। एक विशेष अवार्ड देश के पीडियाट्रिक्स एंडोक्रेनोलॉजी के जनक डॉ. पीएसएन मेनन को दिया गया।

टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त लोग समाज को दिखा रहे राह

- कार्यक्रम में शामिल टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त लोगों ने अपने जीवनी बताई और कहा कि उन्हें पता नहीं कि वह इस बीमारी की चपेट में कैसे आ गए। वह अब समाज के लोगों को राह दिखाने और काफी सारे बच्चों के शुगर को कंट्रोल में मदद करते हैं। कार्यक्रम एक संगोष्ठी हुई, जिसमे बताया गया कि समाज और सोशल मीडिया मैनेज को कैसे एक साथ जोड़ा जा सकता है। इसके बाद शाम को एक विशेष मेटाबॉलिक सिम्पोजियम में बच्चे और युवा बच्चों के बढ़ते वजन और उनकी सेहत को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

कुछ दवाएं भी होती हैं असरदार

- लखनऊ से आए डॉ. कौसर उस्मान ने बताया कि शरीर के लिए सबसे बड़ी चीज जीवनशैली होती है, जिसके बिना मानव कुछ भी नहीं कर सकता। बिगड़ी जीवनशैली में बदलाव बेहद जरूरी है। लखनऊ से आए डॉ. नरसिंह वर्मा ने बताया कि एसजीएलटी-2 इन्हीबीटर्स ये पिछले कुछ वर्षों से काफी पॉपुलर दवाओं के रूप में प्रचलित हुए हैं। ये किडनी, हार्ट व लिवर को प्रोटेक्ट करती हैं। पांडुचेरी से आए डॉ. एके दास ने वजन कम करने वाली दवा पर चर्चा की। ब्रिस्टल यूनाइटेड किंगडम से आए डॉ. साइमन हेलर ने लो-ब्लड शुगर पर चर्चा की, बताया कि यह कैसे डायबिटीज के मैनेजमेंट को बहुत दुखद बना देती है।

ये लोग रहे मुख्य रूप से मौजूद

- डॉ. अतुल कपूर, डॉ. अनुराग बाजपेयी, डॉ. एके दास, डॉ. दीपक यागनिक, डॉ. भास्कर गांगुली, डॉ. विभा यादव, डॉ. संगीता शुक्ला, डॉ. सौरभ मिश्रा, डॉ. सुमित गुप्ता, अशोक तनेजा, सीताराम खत्री, प्रवीण सचदेवा, मीना श्रीवास्तव, सुधा श्रीवास्तव, रंजना सक्सेना, इंदु पांडेय, तरविंदर, स्पैड कोर ग्रुप के सदस्य गुलशन चावला, एसके श्रीवास्तव, ओम प्रकाश बदलानी और भोला नाथ समेत आदि लोग रहे।

सड़कों पर फूल रही सांस, चल रहा खेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शहर में हवा की गुणवत्ता मापने वाले स्टेशनों के आसपास ही पानी का छिड़काव
- नगर निगम की चतुराई से हकीकत पर पर्दा, धूल - धुआं के गुबार से हांफते लोग

खुदी सड़कों से उड़ती धूल बनी है मुसीबत।

अमृत विचार। धूल और धुआं के गुबार से शहरियों की सांस फूल रही है, मगर सब कुछ सामान्य दिखाने के लिए नगर निगम का खेल चल रहा है। जी हां, दरअसल शहर में तीन स्थानों पर किदवई नगर, नेहरू नगर और एनएसआई कल्याणपुर में यूपीपीसीबी के एफटीआई स्टेशन हैं, जो वायु गुणवत्ता की हकीकत बयां करते हैं। नगर निगम और यूपीपीसीबी की ओर से इन्हीं स्टेशनों के आस-पास दिन भर पानी का छिड़काव कराया जा रहा है, जिससे एक्यूआई कम दर्ज हो रही है, जबकि शहर के कई क्षेत्रों में धूल-धुआं का गुबार रहता है।

शहर में हवा की गुणवत्ता मापने वाले स्टेशनों पर 14 दिनों से औसत एक्यूआई 200 के नीचे ही है। आखिरी बार 13 नवंबर को एक्यूआई 207 दर्ज किया गया था। यह मानक मॉडरेट स्थिति में रहता है। गुरुवार को सबसे कम एक्यूआई 106 दर्ज किया गया। इसमें भी एनएसआई कल्याणपुर स्टेशन पर महज 89 एक्यूआई ही रिकॉर्ड किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। हकीकत में दिन भर सड़क पर उड़ने वाली धूल और धुआं से लोगों का सांस लेना दूभर है। इधर कुछ दिनों हैलट अस्पताल में सांस के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। सुबह-शाम स्थिति और खराब हो जा रही है। रात 2 बजे से सुबह 9 बजे तक सबसे ज्यादा हालात खराब है। लगातार शिकायतों के बाद नगर निगम को सुबह-शाम पानी का छिड़काव कराना पड़ रहा है।

कानपुर में ठंड बढ़ने के साथ ही एयर पॉल्यूशन बढ़ने लगता है। धुंध और कोहरे की चादर की वजह से विजिबिल्टी कम होती है और एक्यूआई बढ़ने से सांस लेने में कठिनाई होने लगती है।

नगर आयुक्त बोले, कूड़ा जलाने पर सख्त पाबंदी

- नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने शहर की सड़कों पर डस्ट हटाने, मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से सफाई करने, पानी का छिड़काव, मैनुअल स्वीपिंग बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए एंटी स्मॉग गनों, वाटर स्प्रिंकलरोस से दिन-रात पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। कूड़ा जलाने पर रोक लगा दी गई है। यदि कोई कर्मचारी कूड़ा जलाते पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख बाजारों में दो टाइम सफाई करने के निर्देश दिए हैं। सभी संबंधित अधिकारी व्यापारियों के साथ बातचीत करके सफाई करने का कहा है।

सर्जरी पर डॉक्टर्स का सम्मान

कानपुर। प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी अभी तक हैलट अस्पताल में नहीं होती थी। गुरुवार को हैलट में प्रोस्टेट कैंसर की पहली सर्जरी होने पर वरिष्ठ नागरिक एंव पेंशनर्स प्राचार्य प्रो. संजय काला को सम्मानित करेंगे।

अब हैलट में ही प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी हो सकेगी, इसकी शुरुआत गुरुवार से हो गई है। यहां पर 74 वर्षीय बुजुर्ग की प्रोस्टेट सर्जरी छह घंटे में की गई। प्राचार्य प्रो. संजय काला के मुताबिक प्रोस्टेट बढ़ने (बीपीएच) का कोई एक कारण नहीं है, लेकिन यह मुख्य रूप से उम्र बढ़ने और हार्मोनल बदलावों (टेस्टोस्टेरोन और डीएचटी हार्मोन के असंतुलन) से जुड़ा है, जो 80 वर्ष की उम्र तक 90 फीसदी से अधिक पुरुषों में हो सकता है। प्राचार्य व डॉ. अनिल जे वेद की टीम ने पहली बार हैलट में प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी करने के संबंध में समाज के वरिष्ठ नागरिक एंव पेंशनर्स नौ दिसंबर को उनका सम्मान करेंगे। यह जानकारी सेवानिवृत्त कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में अध्यक्ष बीएल गुलाबिया ने दी। वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स प्राचार्य की टीम को सम्मानित करेगी।

शहर से गांवों तक गरीबों को इंसाफ दिलाने जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नवीन सभागार में मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

- स्वयंसेवक समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं विधिक सहायता पहुंचाएं
- कानपुर नगर, देहात, औरैया, कन्नौज, उन्नाव के अधिकार मित्रों को प्रशिक्षण

अमृत विचार। शहर से लेकर गांवों तक गरीबों, वृद्धों, बेसहारा और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के लिए न्यायिक टीमें गांव-गांव और शहर-शहर जाएंगी। इसके लिए नवीन सभागार, जनपद न्यायालय में कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, कन्नौज तथा उन्नाव के पराविधिक स्वयंसेवकों (अधिकार मित्र) का एक दिवसीय संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 120 पराविधिक स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अनमोल पाल ने की। उन्होंने पराविधिक स्वयंसेवकों की भूमिका, सामाजिक उत्तरदायित्व और न्याय तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने में उनकी भागीदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पराविधिक स्वयंसेवक समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं विधिक सहायता पहुंचाने की रीढ़ होते हैं इसलिए उनका प्रशिक्षित, सक्षम और संवेदनशील होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार मौर्य, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण औरैया महेश कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उन्नाव मनीष निगम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर देहात हिमांशु कुमार सिंह तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कन्नौज विपिन यादव मौजूद रहे।

ऐसे कार्य करेगी न्यायिक टीम

- शिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विधिक सेवा योजनाओं, नालसा एवं यूपीएसएलएसए द्वारा संचालित विभिन्न मिशनों, सुलह एवं मध्यस्थता की प्रक्रिया, महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी कानून, नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रावधान, अपराध पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना, घरेलू हिंसा व लैंगिक अपराधों के मामलों में कार्यप्रणाली, तथा जनजागरूकता अभियानों के प्रभावी संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी, राजकीय पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अपने विभाग के संबंध में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। एडवोकेट मध्यस्थ शिवेंद्र पांडे, जेल विजिटर उरूषा हबीब, पैनल अधिवक्ता अमिताभ सिंह चौहान ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी।

बाजार

– रूस के राष्ट्रपति के भारत दौरे के बाद लेदर सेक्टर का बाजार बढ़ने की संभावना

निर्यातकों को रूस से उम्मीद, बोले–बढ़ेगा निर्यात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रूस के राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा शहर के निर्यातकों के लिए उम्मीद बनकर आया है। निर्यातकों का कहना है कि इस दौरे के बाद रूस के खरीदार भारत से कारोबार बढ़ा सकते हैं। इससे शहर को भी सीधा लाभ होगा। खासतौर पर शहर के लेदर सेक्टर में सेफ्टी प्रोडक्ट में बूम आ सकती है। इसकी वजह रूस में निर्माण और प्रोडक्शन सेक्टर में उछाल बताया जा रहा है। शहर के लेदर सेक्टर के निर्यातकों का कहना है कि रूस के राष्ट्रपति के भारत दौरे में कई अहम व्यापारिक मसौदों पर सहमति बन सकती है। इसका असर अन्य सेक्टरों में भी दिखाई देगा। अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाए जाने के बाद से शहर के निर्यातक नए वैश्विक बाजार व वैश्विक मांग पर पूरी तरह से निर्भर है। इस दौरे से रूस के रूप में दोनो देशों के कारोबारियों के बीच विश्वास बढ़ने के साथ ही व्यापारिक रिश्ते भी बढ़ेंगे। जिससे रूस के खरीदारों की ओर से अन्य देशों को मिलने वाले ऑर्डर भी भारत शिफ्ट हो सकते हैं।

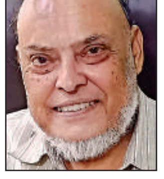
रूस के राष्ट्रपति का भारत दौरा निर्यातकों के लिए कारोबार के लिहाज से काफी अहम है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और अधिक मजबूत होने से शहर के निर्यातकों को भी लाभ होगा। लेदर में सेफ्टी प्रोडक्ट के निर्यात में भविष्य में उछाल देखने को मिल सकती है। इसके लिए निर्यातकों को तीन से चार महीने इंतजार करना पड़ सकता है।

–मोहम्मद हसीमुद्दीन, निर्यातक

रूस भारत का पुराना मित्र है। रूस के राष्ट्रपति के दौरे से यह तय है कि दोनो देशों के बीच व्यापारिक समझौते भी होंगे, नए समझौतों की नींव रखी जा सकती है। ऐसे में अमेरिका से टूट रहा निर्यात कारोबार रूस की ओर और अधिक रुख सकता है। निर्यातकों को जल्द ही रूस से बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।

–अजीत कुमार, निर्यातक

रूस के कारोबारियों के संपर्क में शहर के निर्यातक पहले से ही बने हुए हैं। इसकी वजह रूस के साथ शहर के निर्यातकों को पुराना कारोबारी रिश्ता है। वहां के खरीदार भी इस दौरे से कई उम्मीद बांधकर बैठे हैं। दोनो देशों के छोटे कारोबारी आयात-निर्यात कारोबार में कई तरह की सहूलियत मिलने की संभावना इस दौरे से जता रहे हैं।

–मोहम्मद एहसान

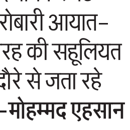
रूस के राष्ट्रपति के इस दौरे की वजह से कई ऑर्डर होल्ड हैं। इसकी वजह है कि शायद दोनो देशों के बीच कुछ ऐसी सहमति बने जिससे निर्यात व आयात में कारोबारियों को सहूलियत हो सके। खासतौर पर शहर के लेदर सेक्टर को इस दौरे से सबसे अधिक उम्मीद दिख रही है। हम लोग मान रहे हैं कि दौरे के बाद निर्यातकों को व्यापारिक सहूलियत जरूर मिलेगी।

– डॉ. जफर नफीस

घुसपैठियों के वोट कटने से सपा बेचैन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- क्षेत्रीय अध्यक्ष ने एसआईआर अभियान को लेकर फिर से की बैठक
- वार रूम में आ रही शिकायतों के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश

अमृत विचार। बिहार चुनाव हारने और घुसपैठियों के वोट कटने से बौखलाई सपा अब अनुसूचित वर्ग और पिछड़े वर्ग को बरगला रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव और सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आरक्षण से वंचित किए जाने का भय दिखाकर कर अनुसूचित वर्ग और पिछड़े वर्ग को भ्रमित कर रहे हैं। ये बातें शुक्रवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में एसआईआर अभियान की समीक्षा बैठक में कहीं।

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने जिला प्रवासी, जिला संयोजक , विधानसभा प्रवासी, विधानसभा संयोजक एवं मंडल अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक में शुद्ध मतदाता सूची बनवाने के निर्देश दिए। प्रकाश पाल ने कहा कि विपक्ष एसआईआर अभियान के बारे में भ्रम फैला रहा है। इससे लोगों को वोट डालने का अधिकार मिलेगा और घुसपैठियों पर लगाम लगेगी। पार्टी कार्यकर्ता 11 दिसम्बर तक 70 प्रतिशत से कम फार्म जमा वाले बूथों पर पहुंच कर लोगों से संपर्क कर उनके फार्म भरवाकर शीघ्र जमा कराएं। कार्यकर्ता घर घर कुंडी खटखटाकर घुसपैठियों की पहचान कर बीएलओ को सूचित करें ताकि मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर पात्र लोगों के ही नाम दर्ज हों। 16 को ड्राफ्ट सूची आने के बाद 17 दिसंबर से 17 जनवरी तक मतदाता बनने से छूटे लोगों को ढूंढकर प्रत्येक बूथ पर लोगों को फार्म 6 भरवाकर मतदाता बनाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता हर मतदाता का गणना प्रपत्र भरने और जमा करने के लिए पांच से 10 दिसंबर तक विशेष कैंप लगाकर मतदाताओं की सहायता करें। प्रकाश पाल ने बीएलए 2 ,बूथ प्रवासी सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा अब तक की कार्यप्रगति की समीक्षा की। दक्षिण मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 12 से 16 दिसंबर तक मंडल स्तर पर समीक्षा होगी। 17 दिसंबर से 17 जनवरी तक प्रत्येक बूथ पर नव मतदाता अभियान चलाया जाएगा।

सिटी ब्रीफ

बिजली कर्मियों ने किया विरोध

कानपुर। बिजली कर्मियों को मिलने वाली रियायती दरों की बिजली सुविधा को खत्म कर स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। शुक्रवार को विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने विकास नगर केसा कॉलोनी में केस्को कर्मियों के परिजनों ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। महिलाओं व बच्चों ने मीटर टीम गो-बैक, हमारे घरों में मीटर नहीं लगेगा, हमारी सुविधाएं छीनना बंद करो आदि नारे लगाए।

चार परिसरों में पकड़ी बिजली चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को आलू मंडी उपकेंद्र में हाई लाइन लॉस फीडरों पर लाइन लॉस कम करने के लिए अभियान चलाया। जिसके तहत केस्को टीम के मुताबिक कोपरगंज में नसरुद्दीन, कुली बाजार में फरीदा बेगम, महफूज आलम व ग्वालटोली में लक्ष्मीदेवी को बिजली चोरी करते पकड़ा, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। शहर के सुजातगंज के अंधा मोड, शताब्दी उद्यान क्षेत्र, लवकुशपुरम, शिवली रोड, लाल पैलेस थियेटर, तिलक नगर, अजीतगंज व बाकरगंज में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को करीब पांच बजे तक गुल रहेगी। केस्को टीम के मुताबिक इन क्षेत्रों में शनिवार को जरूरी कार्य किए जाएंगे, ताकि भविष्य में क्षेत्र के लोगों को बिजली संबंधित दिक्कत न हो।

महाबैठक में छात्र हुए शामिल

कानपुर। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की छात्र महापंचायत में विश्वविद्यालय छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने जोरदार समर्थन दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ भवन पर आयोजित छात्र महापंचायत में बहाली मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि महापंचायत में न केवल इलाहाबाद के स्थानीय मुद्दे उठे, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में छात्रसंघों की बहाली को लेकर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। बैठक में अनस साहू, आर्यन ठाकुर, प्रशांत रजावा, आराध्य बाजपेयी, तरुण सिंह और विष्णुपाल शामिल रहे।

सीएसए में प्रशिक्षण की हुई शुरुआत

कानपुर। सीएसए विवि अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। मुख्य अतिथि डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी।

केसीए पिंक ने रेड को छह विकेट से हराया

कानपुर। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के वुमेंस टैलेंट हंट क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को केसीए पिंक टीम ने केसीए रेड टीम को छह विकेट से पराजित किया। राहुल सप्रू मैदान पर खेले गए मैच में केसीए रेड टीम ने 35 ओवर में छह विकेट पर 136 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान अर्चना ने 50 रन, सिया त्रिपाठी व सौम्या पाल ने 21-21 रन बनाए। गेंदबाजी में तन्विका गुप्ता, सोनिका, लक्ष्मी, सृष्टि व इशा पांडे को एक-एक सफलता मिली। जवाब में केसीए पिंक टीम ने 32.4 ओवर में चार विकेट पर 137 रन बनाकर मैच जीता।

शहीदी पर्व-प्रकाशोत्सव इस बार एक ही दिन

श्री गुरु सिंह सभा ने श्री अकाल तख्त साहिब, एसजीपीसी को लिखा पत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छोटे साहिबजादों का शहीदी पर्व और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव की तिथि एक ही दिन 27 दिसंबर को पड़ रही है। ऐसे में श्री गुरु सिंह सभा ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार एवं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को पत्र लिखकर मार्गदर्शन की मांग की है कि दोनों पर्व एक ही दिन कैसे मनाए जाएं या तिथि में कोई फेरबदल किया जाए।

शुक्रवार को श्री गुरु सिंह सभा के प्रचार मंत्री एवं सन्त लोंगोवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष सरदार हरमिंदर सिंह लोंगोवाल ने अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर के प्रधान एडवोकेट सरदार हरजिंदर सिंह धामी से मांग की है कि मार्गदर्शन करें। सरदार हरमिंदर सिंह लोंगोवाल ने बताया कि इस वर्ष श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी का शहीदी पर्व और दशमेष पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का पावन प्रकाश पर्व एक ही दिन 27 दिसंबर को है जिसे सिख पंथ में उलझन और मानसिक दुविधा है। दोनों ही महान और पवित्र पर्व एक ही दिन पड़ने के कारण समाज के लिए निर्णय लेना अत्यंत कठिन हो गया है। पत्र में यह सुझाव भी दिया गया है कि यदि संभव हो तो प्रकाश पर्व की तिथि को सदैव के लिए 5 जनवरी करने पर भी विचार किया जाना चाहिए ताकि तिथि टकराव की असहज स्थिति से बचा जा सके। पत्र में तिथि मामले पर जल्द से जल्द निर्णय लेने का निवेदन किया गया है ताकि संगत को इस असमंजस से मुक्त किया जा सके।

- पत्र लिखकर मांगा मार्गदर्शन कि दोनों महान पर्व एक ही दिन कैसे मनाएंगे

गुरु तेग बहादुर साहिब जी पीठ का ज्ञान लेने जाएंगे चंडीगढ़

कानपुर। अखिल भारतीय केंद्रीय श्री गुरु सिंह सभा के सिख विद्वक बोर्ड की चंडीगढ़ में 12 व 13 दिसंबर को राष्ट्रीयस्तर की बैठक होगी। जिसमें देशभर के सिख बुद्धिजीवी, शिक्षक व अन्य गण्यमान्य को आमंत्रित किया गया है। इसके लिए श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह एवं महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष जसवीन कौर को भी आमंत्रित किया गया है। चेयरमैन ने कहा कि छत्रपति शाहू जी महाराज विवि में गुरु तेग बहादुर साहिब शोध पीठ स्थापित हो रही है, ऐसे में शोध पीठ की सारी जानकारी बैठक में रखी जाएगी ताकि पीठ को और सशक्त बनाया जा सके। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन ने बताया कि बैठक में सिख शैक्षणिक संस्थानों में सिखों की शैक्षणिक उन्नति और वैज्ञानिक मानक को ऊंचा उठाने पर मंथन होगा। इंस्टीट्यूट आफ सिख स्टडीज, ट्रिब्यून चौक इंडस्ट्रियल एरिया फेस-2 चंडीगढ़ में 12 व 13 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने संगत से अपील की है कि जो विद्वान नेशनल बोर्ड मीटिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के इच्छुक हैं, वे अपना नाम श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के कैंप कार्यालय अशोक नगर से संपर्क कर सकते हैं।

बेटे को बुलाने जा रहे पिता की मौत

कानपुर। गोविंद नगर में तीन दिन से भूखे बेटे को खाना खाने के लिए बुलाने जा रहे लकवाग्रस्त पिता को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। बेटे का पेट भरने के लिए पिता करीब 500 मीटर दूरी तक पैदल घिसटते हुए पैदल जा रहे थे। गोविंद नगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

धर्मेंद्र नगर सीटीआई निवासी राजेश (46) राजमिस्त्री का काम करते थे। 8 माह से लकवाग्रस्त होने के कारण वह घर पर ही रह रहे थे। परिवार में पत्नी दिव्या व तीन बच्चे, अंकित, विवेक, महिमा है। मंझला बेटा विवेक घर से करीब 500 मीटर दूरी पर स्थित सीटीआई शराब ठेके की कैंटीन में काम करता था। विवेक तीन दिन से कैंटीन में रुक कर काम कर रहा था। तीन दिन से घर न पहुंचने पर राजेश परिजनों से उसे घर लाने की बात कह रहे थे। अनसुना करने पर बेटे की एक झलक पाने और उसे खाना खिलाने के लिए पिता परिजनों को बिना बताए ही घर से निकल पड़े। वह पैदल घिसटते हुए सीटीआई के पास पहुंचे थे, तभी तेज रफ्तार कार ने उनको रौंद दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बड़े बेटे अंकित ने बताया कि गुरुवार दोपहर काफी देर तक घर न लौटने पर खोजबीन शुरू की। सीटीआई चौराहे के पास भीड़ लगी हुई थी। जाकर देखा तो राजेश का लहुलूहान शव पड़ा हुआ था।

स्वस्थ जीवन शैली पर विचार रखते वक्ता। अमृत विचार

सेहत अच्छी रखने को उपाय करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- छोटे-छोटे उपाय अपनाकर स्वस्थ रहा जा सकता है

अमृत विचार। असंतुलित आहार, अनियमित जीवन शैली, मानसिक समस्याओं जैसी स्वास्थ्य की चुनौतियों के चलते लोगों का स्वास्थ्य आये दिन खराब रहता है। जिससे मंहगी दवाओं पर खर्च के साथ-साथ पूरे परिवार की स्थिति खराब हो जाती है। हमारा स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेदारी है। अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाये रखने के लिये बड़े उपक्रमों की नहीं बल्कि छोटे-छोटे उपायों को अपनाने की आवश्यकता है। यह विचार शुक्रवार को भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान में 'स्वास्थ्य की चुनौतियां एवं स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर आरोग्य भारती, कानपुर प्रान्त द्वारा आयोजित स्वास्थ्य सम्मेलन में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डा अशोक कुमार ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भागदौड़ भरी जीवनशैली में खानपान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सूर्योदय के समय जागना, शारीरिक व्यायाम, ध्यान, प्राणायाम, समय पर पौष्टिक आहार ग्रहण करना, पर्याप्त मात्रा में जल पीना, रात में सोते समय ब्रश करना व जल्दी सोना ऐसे छोटे-छोटे उपाय हैं जिनसे व्यक्ति इस भौतिकवादी युग में भी स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने सलाह दी कि अपने आस-पास ही उगने वाले फल, सब्जी व अनाज आदि ही लाभकारी होते हैं। जिस ऋतु में जो भी पैदावार होती है, वही हमारे शरीर के लिये हितकर है। इसलिए मौसमी सब्जी और फलों का सेवन करना चाहिए। फ्रिज में रखे पदार्थों के सेवन से भी बचना चाहिये।

चित्रकला में बच्चों ने दिखाई रंगों से प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर आईआईटी कानपुर के सेल फॉर डिफरेंटली एबल्ड पर्सन्स की ओर से चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में छात्रों ने चित्रों के माध्यम से प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता का उद्देश्य विकलांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कैंपस स्कूल, केंद्रीय विद्यालय और अपॉर्च्युनिटी स्कूल के कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतियोगिता का विषय आईडीपीडी की संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित थीम पर आधारित था। छात्रों ने अपने विचार और रचनात्मकता को आकर्षक और सार्थक चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया। दो दिवसीय कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर प्रो. अनुभा गोयल, उप प्रधानाचार्य कैंपस स्कूल टी. राधा, प्रधानाचार्य केंद्रीय विद्यालय रवीश चंद्र पांडेय, प्रधानाचार्य, अपॉर्च्युनिटी स्कूल चेतना मिश्रा ने छात्रों को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस के महत्व के बारे में बताया। उन्हें विकलांगता के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों ने चित्र बनाए। अमृत विचार

गोविंद नगर की पहचान बना रोज का जाम

कानपुर। गोविंद नगर में हाल ही में डिप्टी सीएम के जाम में फंसने के बाद शहर में जाम को लेकर परेशानी खुलकर सामने आ गई है। जाम के डर की वजह से लोगों ने प्रमुख बाजारों की ओर रुख करना कम कर दिया है। गोविंद नगर के व्यापारी जाम की वजह से बाजार के प्रभावित होने की बात कह रहे हैं। बाजार के व्यापारी जाम की समस्या से निजात की मांग कर रहे हैं।

व्यापारियों का कहना है कि जागेश्वर अस्पताल के सामने डिवाइडर बंद होने से वाहन सवारों को काफी घूमकर आना पड़ता है। इस वजह से अक्सर शाम के बाद बाजार की रोड पर वाहनों का लोड अधिक हो जाता है।

बिना चीरे व बेहोशी के जोड़ी रीढ़ की हड्डी

कानपुर। बदायूं निवासी मेहरून निशा (40) की ऊंचाई से गिरने की वजह से रीढ़ की एल-2 हड्डी टूट गई थी, जिसकी वजह से उसकी पीठ व पैरों में असहनीय दर्द रहता था। वह उर्सला अस्पताल पहुंची। यहां पर ऑर्थोस्पाइन सर्जन डॉ.अनुपम सचान ने मरीज को देखा और जरूरी जांचें कराईं। जांच में सामने आया कि रीढ़ की एल-2 हड्डी टूटी है। डॉ.अनुपम सचान ने बिना चीरे व बिना बेहोश किये मिनिमल इनवेसिव सर्जरी से आपरेशन कर सर्जिकल क्षेत्र में नया कीर्तिमान बनाया। डॉ.सचान ने बताया कि मिनिमल इनवेसिव सर्जरी के बाद रोगी अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है।

मरीज के साथ डॉक्टर।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

छात्रा इप्सिता विक्रम को बॉक्सिंग में गोल्ड

कानपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सीएसजेएमयू की ओर से बॉक्सिंग खिलाड़ी इप्सिता विक्रम ने पहला स्थान हासिल किया है। खिलाड़ी ने गोल्ड मेडल जीतकर अपने प्रदर्शन का लोहा मनवाया है। छात्रा इप्सिता विक्रम को इस स्वर्णिम सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने शुभकामनाएं दीं। छात्रा को कोच नरेंद्र प्रताप सिंह ने खेल का कौशल सिखाया था। विभाग अध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार यादव एवं क्रीड़ा सचिव निमिषा सिंह कुशवाहा ने खिलाड़ी को और अच्छे प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

नौकरी के लिए अंग्रेजी सीख सकेंगे युवा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेवायोजन विभाग की ओर से दी गई नई सुविधा, पंजीकरण शुरू
- विदेश में जाकर नौकरी करने का सपना देख रहे युवाओं को लाभ

अमृत विचार। नौकरी के लिए कई जगहों पर अंग्रेजी बोलना या समझना जरूरी है। कई बार सिर्फ अंग्रेजी समझना या बोलना न आने पर युवाओं के हाथों से नौकरी फिसल जाती है। नौकरी के लिए अंग्रेजी सीखने अब आसान हो गया है। सेवायोजन विभाग युवाओं के लिए यह सुविधा लेकर आया है। युवाओं को अंग्रेजी सिखायी जाएगी। योजना के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है।

युवाओं को यह सुविधा नेशनल स्किल डेवलप काउंसिल (एनएसडीसी) की ओर से दी जा रही है। युवाओं को तीन महीने में कोर्स को पूरा कराया जाएगा। एक बैच के खत्म होने के बाद दूसरे बैच की शुरुआत होगी। युवाओं को रोजाना काम आने वाली अंग्रेजी प्रशिक्षकों की ओर से सिखाई जाएगी। युवाओं को अंग्रेजी बोलना और समझना सिखाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि एक बैच में 20 युवाओं को शामिल किया जाएगा। बैच में शामिल होने के लिए युवाओं को पंजीकरण कराया जाएगा। यह पंजीकरण सीटीआई चौराहे के पास एनएसडीसी के ऑफिस में ऑफ लाइन होगा। पंजीकरण के लिए युवाओं को एक हजार रुपये शुल्क देना होगा। इस पंजीकरण शुल्क के अलावा युवाओं को अतिरिक्त कुछ और रकम नहीं देनी होगी। युवाओं को पूरा कोर्स तीन महीने में खत्म करा दिया जाएगा। कोर्स खत्म होने के बाद ही दूसरे बैच की शुरुआत होगी। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि इस सुविधा से युवाओं को नौकरी हासिल करने का दायरा बढ़ जाएगा।

विदेशी नौकरी आसान

सेवायोजन विभाग की ओर से इस समय कई विदेशी नौकरी के लिए युवाओं को तैयारी कराई जा रही है। इन तैयारियों में कई युवा ऐसे भी हैं जिन्हें अंग्रेजी की समस्या सबसे अधिक है। अंग्रेजी न आने के चलते कई युवा विदेश जाने में असमर्थ हो जाते हैं। इस तरह के युवाओं को यह सुविधा सबसे अधिक लाभ देगी।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा भारतीय जीवन बीमा पॉलिसी संख्या 2191 56036 में नाम रीना पुत्री हसीना है। आधार कार्ड में मेरा नाम रुकैया बानो पुत्री अली हुसैन लिखा है।दोनों मेरे ही नाम है और मुझे दोनों नाम से जाना वह पहचाना जाता है। **रुकैया बानो उर्फ रीना पुत्री हसीना पत्नी अली हुसैन, मोहल्ला गदुरहवा परगना, तहसील व जिला बलरामपुर**

सूचना

मैं शुभम पुत्र कुंवर बहादुर, निवासी–ग्राम निवाजी खेड़ा पोस्ट बीजेमऊ तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में शुभम पुत्र कुंवर बहादुर Shubham S/O Kunwar Bahadur दर्ज है। मेरे पिता के आर्मी नंबर 7777043H Family Particulars में Subham हो गया है, जो कि गलत है। मेरा नाम Shubham S/O Kunwar Bahadur अंकित किया जाय जो कि सही है।

सूचना

मेरा इण्टरमीडियट अंक पत्र वर्ष– 2022 अनुक्रमांक –2225968135 वास्तव में कहीं खो गया है। खोजने के बाद भी नहीं मिल रहा है। यदि किसी को मिले तो वह इस पते पर सूचना दें। **यथार्थ सिंह पुत्र रघुवीर सिंह निवासी महाराजपुर मौजा मलगांव थाना मंगलपुर जनपद कानपुर देहात**

सूचना

मैं समीर कुमार सोनी पुत्र स्व. तुलसी राम सोनी, निवासी– 9/5/110, टकसाल गली, चौक फैजाबाद, अयोध्या को अब समीर सोनी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

मेरा नाम आधार कार्ड के अनुसार अम्बरीश पांडेय पुत्र जमुना प्रसाद पांडेय है। जबकि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश अंबीश पांडेय दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम अम्बरीश पांडेय है। आधार कार्ड में मेरा नाम अम्बरीश पांडेय दर्ज है। मुझे इसी नाम से जाना जाए। **अम्बरीश पांडेय पुत्र जमुना प्रसाद पांडेय निवासी– फलाहारी दास बाबा मंदिर, सिविल लाइन्स, जनपद– गोंडा**

सूचना

मैने अपना नाम SAIYEDA KANEEZ ZOHRA से बदलकर KANIZ ZOHRA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SYED MEHAR ABBAS ADD-546/718A, BHADERSA HOUSEHARDOI ROAD SARFARAZGANJ, POST-CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैं **रफीक पुत्र मुस्तफा निवासी– ग्राम व पोस्ट जैतापुर थाना गौरा चौराहा तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर**, मेरे आधार कार्ड , पैन कार्ड में मेरा नाम रफीक Rafeeq ,माता का नाम Noor nisha व पत्नी का नाम Parveen begum है जबकि पासपोर्ट मे मेरा नाम Rafeek माता का नाम Noorun nisa व पत्नी का नाम Perveen begum हो गया है जो एक ही व्यक्ति व मां तथा पत्नी के नाम है।

सूचना

सूचित हो कि मैं **मो0 फैसल अहमद पुत्र श्री मोहम्मद अहमद, निवासी– मकान नम्बर 89/87 दलेलपुरवा, कानपुर नगर।** मेरे आधार संख्या 9624 6063 2128 में नाम मो फैसल अहमद अंकित है जो कि सत्य व सही नाम है। जबकि मेरे हाईस्कूल व इंटरमीडिएट प्रमाण पत्र में मेरा नाम फैसल अंकित है जो कि अपूर्ण नाम है। यह कि मो0 फैसल अहमद व फैसल दोनो नाम मेरे ही है किसी अन्य के नही है। भविष्य में मुझे मो0 फैसल अहमद के नाम से जाना माना जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मैसर्स एस के एग्रो एन्डस्ट्री आराजी नम्बर–507 ग्राम शुक्लापुर तहसील बिल्हौर कानपुर नगर जिला कानपुर–उ0प्र0 नामक फर्म में दिनांक 01–03–2023 को साझेदार अभिषेक त्रिपाठी पुत्र एस के त्रिपाठी निवासी–सेक्टर–के 1286 आशियाना कालोनी लखनऊ ने स्वेच्छा से फर्म को त्यागपत्र देकर अलग हो गया उक्त साझेदार का फर्म से कोई लेन देन शेष नही है उक्त दिनांक 01–03–2023 को श्रीमती रानी त्रिपाठी पत्नी श्री शिव कान्त त्रिपाठी निवासिनी–37सी रामपुरम सोसाइटी श्यामनगर कानपुर नगर कानपुर नें फर्म में सम्मिलित हो गयी अब वर्तमान में फर्म में तीन साझेदार हरी कान्त त्रिपाठी, शिखर त्रिपाठी एवं श्रीमती रानी त्रिपाठी है।

**हरी कान्त त्रिपाठी –
मैसर्स एस के एग्रो इण्डस्ट्री
आराजी न0–507 ग्राम शुक्लापुर
तहसील–बिल्हौर कानपुर नगर जिला–कानपुर**

सूचना

मेरे पुत्र तौफीक अहमद की बुरी आदतों से आजिज होकर उसे अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। मेरे पुत्र तौफीक अहमद द्वारा कोई लेने देन या कोई मुकदमेबाजी होती है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इसमें मेरा या मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **प्रार्थी – श्रीमती फातमा बेगम पत्नी स्व.खालीक अहमद निवासी मोहल्ला बाघू दीवान सईद बाबा के पास कस्बा व थाना तथा तहसील मौदहा जिला हमीरपुर उ. प्र.**

खेती-किसानी

सीएसए विवि में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर संगोष्ठी

सिर्फ दलहनी फसलों से मिट्टी की सेहत में सुधार नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस' पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संगोष्ठी में हेलीकॉप्टर वाले किसान और हर्बल किंग ऑफ इंडिया के रूप में वैश्चिक पहचान बनाने वाले डॉ राजाराम त्रिपाठी ने खेतों में पोषक तत्व के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने घरेलू खाद के प्रति जागरुकता लाए जाने की बात कही।

संगोष्ठी में मुख्य अध्यक्षीय संबोधन में डॉ राजाराम त्रिपाठी ने कहा कि आज लगातार मृदा में पोषक तत्वों की कमी हो रही है। मात्र दलहनी फसलों के उगाने से मृदा के स्वास्थ्य में आशातीत सुधार नहीं किया जा सकता है। इसके लिए भूमि में नत्रजन स्थरीकरण के लिए बड़े पेड़ पौधों रोपण पर अधिक ध्यान देना होगा। जिससे अधिक मात्रा में नत्रजन प्राप्त होने के साथ-साथ मृदा के माइक्रोफिलोरा फोना एवं माइक्रो इन्वायरोमेन्ट में स्थायी रूप से सुधार किया जा सकता है। उन्होंने काली मिर्च उगाने की सफलता के बारे में बताया कि संकल्प से पहले कोई किसान सोच भी नहीं सकता था कि केरल कर्नाटक के अलावा भी कहीं कालीमिर्च का व्यावसायिक उत्पादन संभव है। आज देश की सर्वश्रेष्ठ सर्वोत्तम कालीमिर्च का प्रति एकड़ सर्वाधिक उत्पादन कोंडागांव फारेस्ट्स में ही हो रहा है। डॉ त्रिपाठी ने परास्नातक एवं शोध छात्रों के साथ संवाद किया तथा प्राकृतिक खेती को किस प्रकार लामदायी बनाया जा सके, इसपर विशेष चर्चा की। डॉ विजय कुमार यादव, डा कौशल कुमार अधिष्ठाता, कृषि वानिकी एवं डा सर्वेश कुमार मौजूद रहे।

सीएसए में संगोष्ठी में दी गई जानकारी। अमृत विचार

प्राचार्य के निलंबन के खिलाफ वीसी से मिलेंगे

कानपुर। वीएसएसडी कॉलेज के प्राचार्य को निलंबित करने के विरोध में महाविद्यालयों के प्राचार्य एकजुट हो गए हैं। कानपुर विश्वविद्यालय प्राचार्य परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सीएसजेएमयू के कुलपति से मिलकर अपनी बात रखेगा।

परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि प्राचार्य के निलंबन के लिए क्या आधार बनाया गया है, यह पत्र में नहीं लिखा गया है। कॉलेज के प्राचार्य को चार सालों में किसी तरह का कोई नोटिस भी प्रबंधतंत्र की ओर से जारी नहीं किया गया है। ऐसे में अब वे लोग सीएसजेएमयू के कुलपति से मुलाकात कर इस प्रकरण की पूरी जानकारी उन्हें देंगे।

ग्राम पंचायत व वीडीओ ने खुद को शासकीय व्हाट्सएप ग्रुप से हटाया

मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा

खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देते ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारी।

प्रदर्शन करते ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारी।

संवाददाता, बांगरमऊ, उन्नाव

अमृत विचार। स्थानीय ब्लॉक के ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों ने विभिन्न मागों को लेकर शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन के दूसरे चरण में शुक्रवार को शासकीय व्हाट्सएप ग्रुप से खुद को हटा लिया। दोनों पदों की समन्वय समिति ने मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा।

समन्वय समिति द्वारा खंड विकास अधिकारी अनिल सिंह को दिये ज्ञापन में मांग की कि ग्राम पंचायत स्तर पर ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू करने हेतु समुचित संसाधन की उपलब्धता व एकरूपता की व्यवहारिक उचित स्थिति मिलते तक ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी के लिए शासन द्वारा जारी उपस्थित प्रणाली तत्काल स्थगित की जाए। साथ ही संघ प्रतिनिधियों से वार्ता कर न्याय पूर्ण व तर्कसंगत व्यवस्था के तहत ज्ञापन में वर्णित अन्य सभी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान निकाला जाए। जिससे ग्रामीण स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन व पर्यवेक्षक और सचिवों की कार्य क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और कर्मचारियों की कार्य कुशलता, पारदर्शिता व निरंतरता बनी सके। ज्ञापन देने वालों में रणकेंद्र सिंह, पंचम लाल, जंग बहादुर, सुभाष चंद्र गौतम, आशीष कुमार, बृजेश कुमार, आनंद जी सुमन, विमल कुमार, रवीना व कुलदीप सहित सभी ग्राम पंचायत अधिकारी व वीडीओ शामिल रहे।

ग्राम पंचायत व वीडीओ ने जारी रखा विरोध

फतेहपुर चौरासी। ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों को फेस अटेंडेंस की लागू व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी जारी है। ब्लाक में एडीओ पंचायत हेमंत कुमार की अगुवाई में सभी ग्राम पंचायत अधिकारी संघ व ग्राम विकास अधिकारी संघ के तत्वावधान में बीडीओ श्वेता त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें बताया गया कि ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली सहित मूल विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्यों का विरोध किया जा रहा है। ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारियों ने बताया कि पंचायत सहायक और अकाउंटेंट कम डाटा एंट्री ऑपरेटर की तरह काम लिया जा रहा है। साथ ही ऑनलाइन उपस्थिति सिस्टम लागू किए जाना न्यायहित में नहीं है।

सफीपुर में भी काली पट्टी बांध किया गया विरोध

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। सफीपुर विकासखंड में पंचायत सचिवों द्वारा ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में चल रहा सत्याग्रह आंदोलन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा। इसमें सचिवों ने कहा कि बिना पर्याप्त संसाधन व तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराए नया सिस्टम थोपना अनुचित है। इस विरोध के चलते सभी पंचायत सचिव काली पट्टी बांधकर कार्यालय पहुंचे और शांतिपूर्ण तरीके से धरने पर बैठ गए। समन्वय समिति के अध्यक्ष व पंचायत सचिव सिद्धांत वर्मा ने बताया कि शासन द्वारा फेशियल रिकॉग्निशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम लागू किया जा रहा है। इसके तहत सचिवों को अपने निजी मोबाइल व सिम कार्ड से उपस्थिति दर्ज करानी होगी। सचिवों का कहना है कि यह व्यवस्था न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाएगी बल्कि तकनीकी बाधाओं का सामना भी करना पड़ेगा। महामंत्री शुभम वर्मा ने कहा कि सचिव पहले से ही कई अतिरिक्त गैर-विभागीय कार्यों का दबाव झेल रहे हैं। ऐसे में तकनीकी रूप से जटिल व खर्चीली व्यवस्था लागू करना कर्मियों को परेशान करने जैसा है। कोषाध्यक्ष सर्वेश दीक्षित ने कहा कि पंचायत सचिवों पर पहले से ही अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। जिनमें फार्मर रजिस्ट्री, एग्रो स्टैक सर्वे, आयुष्मान हेल्थ कार्ड, फैमिली आईडी, विभिन्न पेंशन सत्यापन, पराली प्रबंधन व ऑपरेशन कायाकल्प जैसी योजनाओं का काम शामिल है। सभी ने शासन से तकनीकी सुविधा उपलब्ध कराने व पुराना सिस्टम बहाल करने की मांग की।

विकासखंड परिसर सफीपुर में मांगों को लेकर धरना देते पंचायत सचिव।

न्यूज ब्रीफ

आज 7 घंटे बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

शुक्लागंज। री-वैम्प योजना के तहत शनिवार को नगर के कई इलाकों में करीब 7 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत वितरण खंड-मगरवारा गोकुल बाबा के अधिशाषी अभियंता के अनुसार गांधीनगर, निषाद मार्केट और अम्बेडकर चौराहा के पास डैब् बॉक्स लगाने का कार्य प्रस्तावित है। इसी कारण 33/11 केवी उपकेंद्र गोकुल बाबा से निर्गत 11 केवी शुक्लागंज फीडर नंबर-1 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रखा जाएगा। इसके चलते टाकीज वाली गली (गांधीनगर) के 630 केवीए वितरण परिवर्तक से जुड़े क्षेत्रों में भी विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है और असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

मामा के घर से निकला किशोर हुआ लापता

बांगरमऊ। मामा के घर से लौट रहा 13 वर्षीय किशोर संदिग्ध हालत में लापता हो गया। हरदोई के हरपालपुर गांव निवासी अंशू (13) फतेहपुर चौरासी थानांतर्गत परशुरामपुर गांव निवासी अपने मामा यशपाल सिंह पुत्र विजयपाल के यहां आया था। जहां से बीती 4 दिसंबर को वह अपने घर लौटने के लिए कोतवाली क्षेत्र के नानामऊ तिराहा से रोडवेज बस में बैठा था। लेकिन इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने हरदोई व उन्नाव निवासी रिश्तेदारों के यहां उसे तलाश किया लेकिन पता नहीं लगा। मामा की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तालाश शुरू की है।

मामूली बात पर युवक का फोड़ा सिर

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सुखलाल खेड़ा गांव निवासी आशीष पुत्र हिमांचल के अनुसार गुरुवार रात वह धनइयां गांव एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। तभी धक्का-मुक्की होने पर देवारा निवासी सचिन व आशीष उससे गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने बेल्ट से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आ गई और वह लहूलुहान हो गया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा और दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

शुक्लागंज। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत गंगाघाट पुलिस ने शुक्रवार को एक युवक को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह के अनुसार दरोगा राजेन्द्र सिंह चौहान हमराहियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी रेलवे पुल के नीचे सीताराम कालोनी निवासी तौहीद संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास एक तमंचा व एक कारतूस मिला। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके से पकड़ लिया। बरामदगी के आधार पर गंगाघाट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया।

बिजली बिल राहत योजना के तहत घर-घर पहुंच रहे कर्मचारी

शुक्लागंज। विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि एक दिसंबर से योजना का पहला चरण शुरू हो चुका है। इसके तहत नगर के विभिन्न मोहल्लों में शिविर आयोजित कर उपभोक्ताओं को ब्याज माफी और मूलधन में छूट से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस बार बिजली चोरी वाले उपभोक्ता भी योजना का लाभ ले सकेंगे। संविदा कर्मचारियों तथा टीजी-2 के नेतृत्व में कई टीमें बनाकर घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को गांधी नगर, पोनी रोड सहित कई क्षेत्रों में बकायेदारों को रसीदें देकर जल्द योजना का लाभ उठाने की अपील की गई। उपखंड अधिकारी ने कहा कि यह उपभोक्ताओं के लिए सुनहरा अवसर है, देरी करने पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पूर्व सांसद के पुत्र के निधन से शोक की लहर

शुक्लागंज। उन्नाव लोकसभा से भाजपा के तीन बार सांसद रहे देवी बक्श सिंह के बड़े बेटे महावीर सिंह (लल्लन) का शुक्रवार सुबह बीमारी के चलते निधन हो गया। इसकी सूचना से नगर के गणमान्य लोगों, पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। महावीर सिंह काफी समय से श्वास संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। हालत बिगड़ने पर शुक्रवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

महावीर सिंह (फाइल फोटो)

डीएम की अध्यक्षता में हुई यूपी बोर्ड परीक्षा तैयारियों की समीक्षा बैठक

- 122 केंद्रों पर आईं 89 आपत्तियां 10 दिसंबर तक निस्तारण के निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा के लिए बोर्ड से तय 122 केंद्रों पर 89 आपत्ति और सुझाव दर्ज कराए गए है। इनमें सेंटर की दूरी, नए सेंटर जोड़ने आदि आपत्तियां शामिल थीं। इनका निस्तारण 10 दिसंबर तक करके जिला स्तरीय समिति माध्यमिक शिक्षा परिषद को भेजेगी। डीएम ने बैठक में परीक्षा व्यवस्थाओं का पूरा ख्याल कर आपत्तियों का निस्तारण पादर्शिता व निष्पक्षता से करने के निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित होने वाली हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा को लेकर बैठक हुई। डीएम ने डीआईओएस से परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण, नकल विहीन व पारदर्शी ढंग से कराने को कहा। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ इसकी मॉनिटरिंग जिम्मेदार अधिकारी से कराने को कहा। डीआईओएस ने बताया कि जिले में 122 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित हैं। इसमें 10 राजकीय, 50 अशासकीय सहायता प्राप्त व 62 वित्तविहीन विद्यालय हैं। हाईस्कूल में 39508 व इंटर में 32166 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक करते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

शार्टसर्किट से घर में लगी आग, लाखों का सामान स्वाहा

उन्नाव, अमृत विचार। घर में वायरिंग किये जाने के दौरान शॉर्टसर्किट से उठी चिंगारी से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इससे कीमती सामान जलकर खाक हो गया।

शहर के पूरन नगर मोहल्ला निवासी काजल पत्नी अनिकेत गौतम के घर पर वायरिंग हो रही थी। तभी शुक्रवार दोपहर बाद तार डालते समय मिस्त्री से कुछ गड़बड़ हुई जिससे फेस व न्यूटल आपस में टकरा गए। इससे शार्टसर्किट हुआ जिससे उठी चिंगारी ने देखते ही देखते घर को चपेट में ले लिया। लपटें उठती देख चीख पुकार मच गई। पड़ोसियों ने घर में मौजूद बच्चों को बाहर निकालकर बाल्टियों से पानी डालना शुरू किया। लेकिन आग और विकराल होती गई। इस पर दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। गृह स्वामिनी के मुताबिक आग से लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। संयोग रहा कि आग रसोई घर तक नहीं पहुंची।

सीएचसी व पीएचसी के निरीक्षण में टीम को नदारद मिले 8 कर्मचारी

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेशीय टीम के निरीक्षण से पूर्व जिला स्तरीय टीम ने शुक्रवार को सीएचसी व दो पीएचसी का निरीक्षण किया। इसमें टीम को आठ कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

जिला स्तर से डीआईओ डा. नरेंद्र शुक्रवार को पहले चकलवंशी-परियर मार्ग स्थित पीएचसी बरीखेड़ा पहुंचे। जहां डा. जकरिया व फार्मासिस्ट ग्रजेंद्र कुमार से दवाओं की उपलब्धता व मरीजों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद टीम रूपपुर चंदेला पहुंची जहां डा. नंदनी राव नदारद मिलीं और फार्मासिस्ट उत्तम कुमार मरीज देखते मिले। इसके बाद टीम सीएचसी पहुंची जहां महिला अस्पताल में प्रसव व्यवस्था के अलावा बच्चों के लिये आक्सीजन कंसेंटेटर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं, हार्ड से संबंधित मरीजों के लिए उपलब्ध ईसीजी मशीन का प्रयोग करने के निर्देश दिए। बताया गया कि अधीक्षक डा. राम सहोदर, चीफ फार्मासिस्ट ओमनरायण व स्टाफ नर्स सारिका को इसका प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। चीफ फार्मासिस्ट ओम नारायण से दवाओं के बारे में जानकारी ली तो वहां 206 प्रकार की दवाएं उपलब्ध मिलीं। जबकि, डाइजापाम इंजेक्शन उपलब्ध नहीं मिला। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों का हाल भी लिया और वार्ड में मौजूद नर्स सारिका से उनकी फाइल के अनुसार इलाज के बारे में जानकारी ली। उपस्थिति रजिस्टर देखने पर 7 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अधीक्षक डा. राम सहोदर व डा. ब्रजेश सिंह मौजूद रहे।

जांच करते टीम में शामिल अधिकारी। अमृत विचार

मिश्रा कॉलोनी में कटान रोकने के लिए पायलिंग शुरू

मिश्रा कॉलोनी कटान स्थल पर बल्लियां लगाने का काम करते मजदूर। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। मिश्रा कॉलोनी में गंगा कटान की गंभीर समस्या पर शुक्रवार को अमृत विचार में प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला। लगातार बढ़ रही कटान से कई रिहायशी मकानों की नींव तक खतरा पहुंच गया था, लेकिन सिंचाई विभाग शारदा नहर उन्नाव की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी। स्थानीय लोगों की परेशानी उजागर होने के बाद विभाग हरकत में आया और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कटान रोकने के लिए पायलिंग कार्य शुरू करा दिया।

शुक्रवार को एक्सईएन गगन कुमार के निर्देश पर एई आयुष कुशवाहा और जेई जयप्रकाश कटान स्थल पर पहुंचे। निरीक्षण के बाद विभाग ने लगभग एक दर्जन मजदूरों को पायलिंग कार्य में लगाया। मजदूरों ने नाव के सहारे कटान स्थल के पास मिट्टी खिसकने वाले हिस्सों में मजबूत बल्लियां गाड़नी शुरू कीं। लगभग सौ मीटर के क्षेत्र में बल्लियों की पहली लाइन लगा दी गई है। अधिकारियों के अनुसार इन बल्लियों के बीच झाड़ियों को भी भरा जाएगा, ताकि गंगा की धारा कटान वाली भूमि से टकराने के बजाय दिशा बदलकर आगे बढ़ सके। एई आयुष कुशवाहा ने बताया कि पायलिंग के बाद कटान को स्लोब में काटा जाएगा।

डीसीएम चालक ने पुलिस की 3 बाइकों में मारी टक्कर

शुक्लागंज, अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब त्रिभुवन खेड़ा के पास एक डीसीएम चालक ने भागने के प्रयास में पुलिस कर्मियों की तीन बाइकों में टक्कर मार दी। इसमें टीएसआई नसरुद्दीन खान समेत तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। जबकि तीनों बाइकों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने दौड़ाकर चालक को पकड़ लिया और डीसीएम कब्जे में लिया है।

हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन, तहसील बद्दी, पोस्ट गुरुमजरा के किशनपुर निवासी ईश्वर दास डीसीएम लेकर लखनऊ से कानपुर जा रहा था। हाईवे पर त्रिभुवन खेड़ा के पास उसकी किसी वाहन चालक से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने से हाईवे पर जाम लगने लगा। इसकी सूचना पर टीएसआई नसरुद्दीन खां मौके पर पहुंचे और चालक से बात कर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। तभी टीएसआई को देख डीसीएम चालक घबरा गया और वाहन लेकर भागने लगा। तेज गति में उसने सबसे पहले टीएसआई की बाइक में टक्कर मार दी। जिससे टीएसआई घायल हो गए। तभी जाजमऊ चौकी के दीवान अख्तर अली व सिपाही तरुण कुमार पहुंचे और अपनी बाइकें डीसीएम के सामने खड़ी कर दीं। घटना के बाद पुलिस टीम ने डीसीएम का पीछा किया और हाईवे किनारे 16 बीघा क्षेत्र के पास चालक को रोककर हिरासत में ले लिया। सूचना पर गंगाघाट कोतवाल अजय सिंह भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर डीसीएम को सीज किया गया है।

क्षतिग्रस्त टीएसआई की बाइक।

सुविधा | लोगों को सस्ते दरों पर मिलेंगी दवाइयां

जिला अस्पताल में आज से चालू होगा जन औषधि केंद्र

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिला अस्पताल के पुरुष चिकित्सालय में शनिवार से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र शुरू होगा। इसके लिए जरूरी दवाइयां पहुंच चुकी हैं। बता दें कि बीते 8 माह से अधिक समय से पूर्व में खुला जन औषधि केंद्र बंद चल रहा था।

जिला अस्पताल के पुरुष चिकित्सालय में 8 माह से अधिक समय से बंद प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शनिवार से संचालन शुरू होगा। नए संचालक को इसका जिम्मा मिला है। इसके बाद जरूरी दवाइयां शुक्रवार को पहुंच गईं। डीएम, सांसद व विधायक सहित स्वास्थ्य अफसरों की मौजूदगी में इसका उद्घाटन होगा। बता दें कि जिला अस्पताल परिसर में पूर्व में खुला जन औषधि केंद्र बंद होने से मरीजों व तीमारदारों को भटकना पड़ रहा था। वहीं जिला अस्पताल में निशुल्क मिलने वाली दवाएं अपर्याप्त होने से मजबूरी में लोगों को महंगी दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ती थीं। पुरुष चिकित्सालय में औसतन 1200-1500 विभिन्न रोगों से ग्रस्त मरीज पहुंचते हैं। जिनकी जांच के बाद डॉक्टर उन्हें जो दवा लेने की सलाह देते हैं वह निशुल्क औषधि केंद्र पर नहीं मिल पातीं। जन औषधि केंद्र के खुलने से मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा। वहीं पुरुष चिकित्सालय के बाद शीघ्र महिला अस्पताल व सीएचसी में भी जन औषधि केंद्र शुरू होंगे। संचालक अमित ने बताया कि पूरा प्रयास रहेगा कि लोगों को उनकी जरूरत की दवाइयां उपलब्ध कराई जाए। सीएमएस (पुरुष) डॉ. राजीव गुप्ता ने बताया कि जन औषधि केंद्र की शुरुआत होने जा रही है। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

जन औषधि केंद्र में रखी दवाएं। अमृत विचार

सिटी डायरी

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते कोटेदार।

मांगें पूरी न हुईं तो कोटेदार कर सकते हैं अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

उन्नाव। राशन विक्रेता परिषद के बैनर तले कोटेदारों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इसमें मांगे पूरी न होने पर 28 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की घोषणा की है। कोटेदारों ने आरोप लगाया कि उन्हें अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम लाभांश मिल रहा है। जिससे महंगाई के इस दौर में उनके परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। कहा कि उन्हें वर्तमान में केवल 90 रुपये प्रति क्विंटल लाभांश मिलता है। वहीं गोवा, हरियाणा, केरल, दिल्ली व गुजरात जैसे राज्यों में यह दर 200 से 220 रुपये प्रति क्विंटल है। संगठन ने सरकार से अन्य राज्यों की तर्ज पर लाभांश बढ़ाकर कम से कम 20 हजार प्रतिमाह की न्यूनतम आय गारंटी लागू करने की मांग की है।

निरीक्षण करते डॉ. राजशेखर, प्रबंध निदेशक, उ.प्र जल निगम ग्रामीण।

सीईटीपी की क्षमता पर हुआ पुनर्विचार, कमेटी ने मांगी 10 साल की रिपोर्ट

उन्नाव। चर्म इकाइयों द्वारा चमड़े का उत्पादन घटने के दावे के बाद कॉमन एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता वृद्धि पर पुनर्विचार करने के लिए प्रशासन सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को डॉ. राजशेखर प्रबंध निदेशक उप्र जल निगम ग्रामीण की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय कमेटी ने सीईटीपी का निरीक्षण किया और लेदर उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में चर्म इकाइयों के प्रतिनिधियों ने कमेटी को बताया कि बीते कुछ वर्षों में चमड़े का उत्पादन लगातार कम हुआ है। इस आधार पर उन्होंने सीईटीपी की प्रस्तावित क्षमता में कटौती करने का अनुरोध किया। यह भी दावा किया कि फैक्ट्रियों ने व्यक्तिगत स्तर पर क्रोमियम रिमूवल प्लांट स्थापित कर लिए हैं।

जनसुनवाई करतीं राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य।

राष्ट्रीय महिला आयोग सदस्य ने की जन सुनवाई

उन्नाव। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में उन्नाव व हरदोई की महिलाओं के लिए जनसुनवाई व जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसका मुख्य उद्देश्य महिला उत्पीड़न रोकना व पीड़ितों को त्वरित न्याय सुनिश्चित कराना था। इस दौरान उन्नाव व हरदोई की 32 महिलाओं/बालिकाओं ने प्रार्थनापत्रों व मौखिक रूप से अपनी समस्याएं सदस्य को बताईं। उन्होंने इनमें से दो गंभीर प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों के माध्यम से उनका मौके पर ही निस्तारण कराया।

कलश यात्रा में शामिल भक्त। अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा शुरू

शुक्लागंज। शुक्रवार से पोनी रोड स्थित डाकतार कालोनी मोहल्ले में श्रीराम कथा का श्री मां गंगा सेवा समिति व सनातन परिवार की ओर से आयोजन कराया गया। कथा शुभारंभ से पहले धार्मिक अनुष्ठान किये गये। महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। श्री मां गंगा सेवा समिति द्वारा पोनी रोड डाकतार चौराहे पर श्री राम कथा का शुभारम्भ किया गया। दिन करीब एक बजे वैदिक मंत्रों के बीच गणेश पूजन के साथ ही ध्वज पूजन हुआ।

सपने देखो, सपने देखो, सपने देखो। सपने विचारों में बदल जाते हैं और विचार कार्य में परिणत होते हैं।

–एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

बहुध्रुवीय सार्थक साझेदारी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा और उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता भारत की कूटनीति के लिए ऐसे समय निर्णायक महत्व रखती है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के बाद पैदा हुई खटास, पश्चिम–रूस तनाव तथा यूक्रेन संघर्ष की अनिश्चितता- इन सबके बीच यह यात्रा अत्यंत दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाली है। रूस से ट्रेड अमेरिकी टैरिफ से निबटने का बेहतर विकल्प है। पुतिन मोदी संवाद के दौरान दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े सभी अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को खुलकर साझा किया। यूक्रेन संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों का असर, एशिया-प्रशांत में शक्ति-संघर्ष, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय- इन पर भारत-रूस की स्पष्टता आने वाले समय में नई रणनीतिक दिशा तय करेगी। भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति में यह वार्ता संतुलन का एक मजबूत स्तंभ बन सकती है। ऊर्जा, रक्षा, खाद तथा व्यापार के मोर्चों पर कई अहम समझौते भारतीय रिफाइनरियों के लिए दीर्घकालिक रियायती तेल सप्लाई, कोयले और प्राकृतिक गैस के लिए सुरक्षित कॉरिडोर, खाद और क्रूड फॉस्फेट की स्थिर आपूर्ति, उच्च तकनीकी वाली रक्षा प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन जैसे कदम आपसी भरोसे को मजबूत करेंगे। एस-400 डिलीवरी के अगले चरण, ब्रह्मोस के निर्यात संस्करण तथा एयरोस्पेस और समुद्री प्रणालियों में सहयोग को भी गति मिल सकती है।

अमेरिकी टैरिफ के बाद की यह यात्रा भारत का दृश्यमान संदेश है कि वह किसी एक ध्रुव की नीतियों का बंधक नहीं बन सकता। वाणिज्य और समाज के व्यापक क्षेत्रों- फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, खाद्य उत्पाद, उपभोक्ता वस्तुएं, शिक्षा, संस्कृति और मीडिया में यह यात्रा विशेष प्रभाव डालेगी। भारतीय दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण रूस में पहले ही उच्च विश्वसनीयता रखते हैं, अब संयुक्त अनुसंधान, जेनेरिक दवाओं की संयुक्त फैक्ट्रियां और अस्पताल सहयोग नए अवसर खोलेंगे। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में रूस ने भारतीय निर्यात बढ़ाने की गंभीर रुचि दिखाई है। कारोबारी रिश्तों की बात करें तो 'ईस्टर्न इकोनॉमिक कॉरिडोर' के तहत भारतीय निवेश को प्रोत्साहन और रूस के आर्कटिक सेक्टर में सहयोग दोनों ही देशों के लिए रणनीतिक मूल्य रखते हैं। खाद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की निर्भरता रूस से मिल रही स्थिर आपूर्ति के कारण अधिक सुरक्षित होगी।

पुतिन की यह यात्रा, जी 20, ब्रिक्स, एससीओ और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों- पर सामूहिक एजेंडा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषकर ब्रिक्स के विस्तार, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के मुद्दों पर भारत-रूस एकजुटता इन संगठनों में नई गति ला सकती है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के लिए यह यात्रा न केवल विदेश नीति के लिहाज़ से, बल्कि राजनीतिक-संदेश और रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत की पुनर्पुष्टि के रूप में भी असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ संबंधों में आई क्षणिक गिरावट के बीच यह यात्रा भारत की 'स्वतंत्र और बहुध्रुवीय' विदेश नीति की परिपक्वता का प्रमाण है।

प्रसंगवश

डॉ. आंबेडकर का सामाजिक राजनीतिक दर्शन

अरविंद जयतिलक

लेखक

इंग्लैंड से लौटने के बाद जब डॉ. आंबेडकर ने भारत की धरती पर कदम रखा, तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रूप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की, जो शीध्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डॉ. अंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर गया।

डॉ. अंबेडकर ने मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की भी कटु आलोचना की, जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रूप में देखते थे। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनीतिक पहचान की वकालत की, जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। 8 अगस्त 1930 को उन्होंने एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा और स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना चाहिए, उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। उनको अपना रहने का बुरा तरीका बदलना होगा। उनको शिक्षित होना चाहिए। एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है।

डॉ. अंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे, बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराईयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं। उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव, जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डॉ. अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे।

उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिष्णाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते, जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल अंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह अंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी जी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की।

फूड सब्सिडी और किसानों की चिंताएं

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है।

कृषि से जुड़ी नीतियां और समर्थन प्रणालियां देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इन दोनों स्थितियों का एक साथ उभरना स्वाभाविक रूप से यह सवाल खड़ा करता है कि क्या बढ़ती फूड सब्सिडी वास्तव में किसानों के हितों को मजबूत कर रही है या यह लाभ अधिकतर उपभोक्ताओं तक ही सीमित है।

देश में फूड सब्सिडी का अर्थ केवल सस्ता अनाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करोड़ों परिवारों को अत्यंत रियायती दरों पर अनाज दिया जाता है। इसके अलावा कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने सब्सिडी के भार को और बढ़ाया। इन योजनाओं को चलाने के लिए सरकार को पहले किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदना होता है, फिर उसका भंडारण करना, ढुलाई कराना और अंत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाना होता है। इन सभी चरणों की बढ़ती लागत मिलकर फूड सब्सिडी को बहुत बड़ा आर्थिक बोझ बना देती है। पिछले एक दशक में यह बोझ कई गुना बढ़ चुका है और सरकार के कुल बजट में इसका हिस्सा अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

दूसरी ओर, किसानों की स्थिति वेतनभोगी तबके की तरह स्थिर नहीं होती। खेती प्राकृतिक जोखिमों पर निर्भर करती है और उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद, डीज़ल, श्रम, कीटनाशक और कृषि संबंधी मशीनरी सब कुछ महंगा होता जा रहा है। ऐसे में किसानों को मिलने वाला मूल्य कई बार उनकी लागत तक भी नहीं पहुंच पाता। यूं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य एक सुरक्षा कवच की तरह दिखता है, पर वास्तविकता यह है कि देश के लगभग 6–8% किसान ही अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। अधिकांश किसानों की फसल खुले बाजार में बिकती है, जहां मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें काफी बदलती रहती हैं। यह अस्थिरता किसानों की चिंताओं को और बढ़ा देती है।

इसके अलावा सरकार द्वारा मुख्य रूप से धान और गेहूं की खरीद होने के कारण किसान सुरक्षित विकल्प के रूप में इन्हीं फसलों को उगाने पर निर्भर रहते हैं। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि जल संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। साथ ही अन्य फसलों- जैसे दालें, तिलहन, बागबानी अपने वास्तविक मूल्य से वंचित रह जाती है, क्योंकि इनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य आधारित मजबूत खरीद प्रणाली नहीं है। जिन किसानों को अपनी उपज इन फसलों में लगानी होती है, उन्हें अक्सर अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी अब अधिक स्पष्ट हो चुका है। बेमौसम बरसात, अतिवृष्टि, सूखा या अत्यधिक तापमान यह सभी खेती की लागत और उत्पादन पर गहरा असर डालते हैं। जब जोखिम बढ़ता है और समर्थन प्रणाली अपर्याप्त रहती है, तो किसान स्वाभाविक रूप से असुरक्षा महसूस करता है। ऐसे में केवल फूड सब्सिडी बढ़ जाने से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आता।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि फूड सब्सिडी मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और गरीब वर्गों को राहत देने का साधन है। सरकार महंगे दाम पर अनाज खरीदकर उसे बेहद कम दाम पर देती है, जिससे सब्सिडी की मात्रा बढ़ती है। इस प्रक्रिया में किसान को सिर्फ बिक्री का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है, पर यह लाभ केवल उन किसानों तक सीमित है, जिनकी फसल वास्तव में सरकारी खरीद में शामिल होती है। बाकी किसानों को इस बढ़ती सब्सिडी से प्रत्यक्ष रूप से कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि सरकार के बजट में कृषि संरचनाओं के अन्य सुधारों पर खर्च सीमित रह जाता है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकार उपभोक्ताओं के लिए इतनी बड़ी सब्सिडी वहन कर सकती है, तो किसानों की आय बढ़ाने, लागत कम करने और कृषि से जुड़े जोखिम घटाने पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका यह तर्क भी उचित है कि कृषि को लाभकारी बनाए बिना केवल उपभोक्ता सब्सिडी बढ़ाते रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। किसान देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं, और यदि वही आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे तो उत्पादन पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है।

इस जटिल परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भंडारण, परिवहन, कोल्ड चेन और प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत किए बिना किसानों को बेहतर लाभ दिलाना मुश्किल है। इसके साथ बाजार सुधारों की भी जरूरत है, जहां किसान बिचौलियों पर निर्भर न रहें और डिजिटल प्लेटफॉर्म या किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से सीधे खरीदारों से जुड़ सकें। फसल में विविधता लाने को भी किसानों को प्रोत्साहित करके, खासकर दलहन और तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देकर, भारत आयात पर निर्भरता भी घटा सकता है और किसानों की आय भी बढ़ा सकता है। लागत कम करने के उपाय जैसे- आधुनिक सिंचाई तकनीक, जैविक विकल्प और उन्नत बीज भी किसानों की मदद कर सकते हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि फूड सब्सिडी का बढ़ना देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है, पर यह किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं है। किसानों की आय, कृषि लागत, जोखिम स्तर और बाजार व्यवस्था सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा।

आमने सामने

फॉरेन डिग्निटरीज कोई आता है, तो हमें मिलने नहीं दिया जाता। अटल बिहारी वाजपेई के समय होता था। मनमोहन सिंह के समय होता था, लेकिन आजकल नहीं होता। जब फॉरेन डिग्निटरीज आती हैं, तो विदेश मंत्रालय उनको सजेस्ट करता है कि किससे मिलना है, किससे नहीं।

–राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र को राहुल गांधी कोसते हैं। राहुल गांधी पॉलिटिक्स को लेकर सीरियस नहीं हैं। आज तक बता दीजिए कि कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति विदेश जाकर भारत को कोसता हो, पर राहुल गांधी विदेशी धरती पर हमेशा भारत को कोसते रहते हैं।

–सतीश चंद्र दुबे, केंद्रीय मंत्री

बढ़ रहे हैं अंतरिक्ष मौसम के खतरे

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

सूर्य–विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों से एयरबस के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक–ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर या था।

अभी एथियोपिया से उठे ज्वालामुखी के गुबार से हवाई जहाजों के संचालन में आ रहे व्यवधान का संकट चल ही रहा था कि सूर्य किरणों से उत्पन्न विकिरण से सारी दुनिया में लोकप्रिय कोई साढ़े छह हजार एयर बस ए-230 के सॉफ्टवेयर गड़बड़ा गए और उनकी उड़ान रोकनी पड़ी। 30 अक्टूबर को न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भर रही जेटब्लू एयरलाइंस के जहाज को सूर्य-विकिरण की मार पड़ी। इससे जहाज में झटके लगे और 15 यात्री घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरी दुनिया में कोहराम मचा और पता चला कि यह समस्या एलीवेटर एंड एइलरॉन कंप्यूटर (एलाक) से जुड़ी है, जो विमान की पिच और रोल को नियंत्रित करती है।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों के कारण एयरबस जैसे आधुनिक विमानों के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर दिया था और इसी दौरान कुछ विमानों में नेविगेशन और संचार संबंधी दिक्कतों का पता चला था। उसके बाद सन् 2008 में हुई थी जब एक क्वांटस एयरलाइंस के एयरबस A330 विमान में सोलर रेडिएशन के कारण एयर डेटा इनर्शियल रेफरेंस यूनिट में संभावित गड़बड़ी हुई थी, जिससे विमान अचानक नीचे झुक गया था। तब भी दुनिया भर की हवाई कंपनियों को बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर अपग्रेड और परिचालन समायोजन करने पड़े थे। वैसे यह बेहद जटिल मुद्दा है, जो अंतरिक्ष मौसम, विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स और उड़ान सुरक्षा से जुड़ा है।

सूर्य-विकिरण का सीधा संबंध सूर्य से उत्सर्जित होने वाले उच्च-ऊर्जा वाले कणों और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों से होता है। जब सूर्य पर कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) या सौर ज्वाला जैसी घटनाएं होती हैं, तो इससे सौर ऊर्जावान कण (सोलर एनेरजेटिक पार्टिकल यानी एसईपी) और गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें (जीसीआर) उत्पन्न होते हैं। पृथ्वी का वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हमें इनमें से अधिकांश से बचाता है, लेकिन 28,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ने वाले वाणिज्यिक विमान इनके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इससे विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स या एवियोनिक्स सिस्टम में डेटा करप्शन हो जाता है।

सिंगल इवेंट अपसेट (एसईयू) बहुत उच्च ऊर्जा वाले कण होते हैं, जो विमान के माइक्रोप्रोसेसरों और मेमोरी चिप्स से टकराते ही कुछ गड़बड़ियां पैदा कर सकते हैं। हाल की घटनाओं (जैसे एक जेटब्लू A230 की घटना) के विश्लेषण में पाया गया है कि तीव्र सोलर रेडिएशन एयरबस A320 परिवार के विमानों में एलाक जैसे महत्वपूर्ण फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर के डेटा को दूषित कर सकता है। डेटा दूषित होने से विमान अनजाने में पिच डाउन (नीचे झुकना) जैसी अनियंत्रित हरकतें कर सकता है, जो उड़ान सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। वैसे समझना होगा कि यह पृथ्वी के वातावरण के बाहर की घटनाएं हैं और इसका संबंध सूर्य के 11-वर्षीय गतिविधि चक्र से है।

सौर तूफान के कारण जीपीएस/जीएनएसएस की सटीकता में कमी आ जाती है। इनके कारण आयन मंडल में गड़बड़ी पैदा होती है और नेविगेशन के लिए अनिवार्य जीपीएस और अन्य ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल इसके प्रभाव से कमजोर हो जाते हैं। यहां तक कि इससे रेडियो संचार ब्लैकआउट की स्थिति बन जाती है। सौर ज्वालाओं से उत्सर्जित एक्स-रे पृथ्वी के दिन के हिस्से में हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार को पूरी तरह बाधित कर देते हैं। इसके चलते लंबी दूरी की (विशेषकर ध्रुवीय और महासागरीय) उड़ानों को आसमान की ऊंचाई में राह नहीं दिखती।

तीव्र सौर तूफानों के दौरान, बहुत ऊंचाई पर चालक दल और यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए विकिरण की अधिक मात्रा दूरगामी खतरनाक है, हालांकि यह आमतौर पर सीमित होता है। भारत में अभी इसका कोई सीधा असर नहीं दिखा है, लेकिन डीजीसीए ने भारतीय वायुयान संचालकों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का अनिवार्य निर्देश जारी किए हैं। इस घटना ने भारत में विमानन नियामक निकायों और एयर लाइनों के बीच अंतरिक्ष मौसम के खतरों और उनके एवियोनिक्स पर संभावित प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ाया है, जिससे भविष्य में रेडिएशन-प्रतिरोधी प्रणालियों के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है।

सूर्य वर्तमान में अपने सौर चक्र 25 के अधिकतम चरण की ओर बढ़ रहा है, जिसके आने वाले महीनों में चरम पर पहुंचने की संभावना है। इस चरण में, सौर तूफानों और विकिरण की घटनाएं अधिक बार और तीव्र होने की संभावना है, जिससे एवियोनिक्स पर दबाव बढ़ेगा। हाल के दशकों में मानव-जनित ग्रीन हाउस गैसों का वार्मिंग प्रभाव, सूर्य की गतिविधि में मामूली बदलावों से कहीं अधिक शक्तिशाली रहा है। धरती पर बढ़ता कार्बनडाईआक्सॉइड आयन मंडल के तापमान और संरचना को भी बदल रहा है, जो लगभग 100-500 किमी की ऊंचाई पर है। आयन मंडल में होने वाले ये बदलाव रेडियो तरंगों के संचरण को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे शॉर्टवेव रेडियो संचार में बाधा आ सकती है।

सोशल फोरम

ब्रिटेन में एशियाई महिला का पहला स्मारक

शोएब गाजी

ब्लॉगर

टीपू सुल्तान की वंशज, नूर इनायत ख़ान, जिनका असली नाम नूर-उन-निसा इनायत ख़ान था, भारतीय मूल की एक बहादुर ब्रिटिश जासूस थीं। इनका जन्म पहली जनवरी 1914 को हुआ था। नूर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्र देशों के लिए जासूसी की थी। ब्रिटेन के स्पेशल ऑपरेशंस एक्ज़ीक्यूटिव (SOE) के रूप में प्रशिक्षित नूर, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान फ्रांस के अधिकार क्षेत्र में भेजी जाने वाली पहली महिला वायरलेस ऑपरेटर थीं। जर्मनी द्वारा गिरफ्तार किए जाने, भयंकर यातनाएं दिए जाने और अंततः गोली मारकर हत्या किए जाने से पहले, वे फ्रांस में एक गुप्त मिशन के तहत नर्स का काम करती थीं। उन पर 10 महीनों तक क्रूर अत्याचार और लगातार पूछताछ की गई, लेकिन फिर भी गेस्टापो उनसे कोई भी राज़ नहीं उगलवा सकी। उनके अपरिमित साहस और बलिदान की कहानी आज भी पूरे यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस में याद की जाती है। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें ब्रिटेन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान जॉर्ज क्रॉस प्रदान किया गया। उनकी स्मृति में लंदन के गॉर्डन स्क्वेयर में एक सुंदर स्मारक स्थापित है- जो इंग्लैंड में किसी मुसलमान को समर्पित तथा किसी एशियाई महिला के सम्मान में पहला स्मारक है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

विश्व में अशांति और भय से बढ़ता हथियार कारोबार

सुनील महला

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें। रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है, जोकि ठीक नहीं है।

हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है और इसका असर देश के विकास, अर्थव्यवस्था और इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं। यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतना ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है।

सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास जैसे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं। इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी।

सिपरी की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है। इससे युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730*इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

पाताल भुवनेश्वर
रहस्यमय पाताल लोक की दुनिया

प्रकृति के जितने करीब जाओ, उतना ही वह नए रूप में हमारे सामने आती है। बात उतराखंड की हो, तो इस देवभूमि में अनेक रहस्यमय स्थान है, जिनके दर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। ऐसा ही एक स्थान कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जनपद में गंगोलीहाट कस्बे के समीप भुवनेश्वर गांव में है। यह है पाताल भुवनेश्वर गुफा। प्रकृति का एक अनबूझ रहस्य, जिसके लोक में पहुंचकर युगों-युगों का इतिहास एक साथ प्रकट हो जाता है। गुफा के भीतर लगभग उबड़-खाबड़, टेढे-मेढ़े पत्थरों पर पैर टिकाकर 84 सीढ़ियों से होकर गुजरते हुए आप पाताल लोक मे पहुंच जाते हैं। अंदर की अद्भुत दुनिया रोमांचित कर देती है। छोटी बड़ी विभिन्न देवी-देवताओं व पशु पक्षियों के आकार की शिलाएं। एक ऐसा रचना संसार, जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। धरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर यात्री आते-जाते हैं। गुफा में जाने के लिए फीस भी रखी गई है।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन

स्कंद पुराण के 103 वें अध्याय में पाताल भुवनेश्वर गुफा का वर्णन है, जिसमें व्यास जी ने कहा है कि मैं एक ऐसी जगह का वर्णन करता हूं, जिसके पूजन करने के संबंध में तो कहना ही क्या, जिसका स्मरण और स्पर्श मात्र करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। वह सरयू रामगंगा के मध्य पाताल भुवनेश्वर है। वर्ष 2007 से यह गुफा भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है। भुवनेश्वर गांव निवासी स्वर्गीय मेजर समीर कोतवाल की स्मृति में गांव से गुफा की ओर जाने वाले मार्ग में बने प्रवेश द्वार को 'समीर द्वार' नाम दिया गया है। मेजर समीर 28 अगस्त 1999 को असम में उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। द्वार के बगल में मेजर की प्रस्तर प्रतिमा भी स्थापित है।

रोमांचक दृश्य

गुफा में कुछ आगे बढ़ें, तो आप उस जगह पहुंच जाते हैं, जिसके विषय में कहा जाता है कि शिवजी ने गणेश जी का कटा हुआ मस्तक यहीं पर रखा था। गणेशजी के कटे मस्तक शिलारूपी प्रतीक के ठीक ऊपर 108 पंखुड़ियों वाला शवाष्टक दल ब्रहमकमल सुशोभित है। इस ब्रह्मकमल से पानी की बूंदे गणेश जी के मस्तक पर टपकती हैं। मुख्य बूंद आदिगणेश के मुख में गिरती हुई दिखाई देती है। जनमेजय के नाग यज्ञ का हवन कुंड भी गुफा के भीतर है। कहा जाता है कि अपने पिता राजा परीक्षित को श्राप मुक्त करने के लिए जनमेजय ने सारे नाग मारकर हवन कुंड में जला दिए थे, लेकिन तक्षत नामक नाग बच निकला था, जिसने बाद में बदला लेते हुए परीक्षित को डसकर मौत के घाट उतार दिया था। नाग यज्ञ कुंड के ऊपर शिला पर इस नाग का चित्र उभरा हुआ देख सकते हैं।

एक जगह गुफा की छत पर गाय के थन की आकृति नजर आती है। यह कामधेनु गाय का स्तन है। आगे बढ़े तो एक मुड़ी गर्दन वाला गरुड़ एक कुंड के ऊपर बैठा दिखाई देता है। लोकश्रुति है कि शिवजी ने इस कुंड को अपने नागों के पानी पीने के लिए बनाया था। इसकी देखरेख गरुड़ के हाथ में थी, लेकिन जब गरुड़ ने ही इस कुंड से पानी पीने की कोशिश की तो शिवजी ने गुस्से में उसकी गर्दन मोड़ दी और उसे श्राप देकर जड़वत बना दिया।

गुफा में एक स्थान पर शिवजी का मनोकामना कुंड भी है। मान्यता है कि इसके बीच बने छेद से धातु की कोई चीज पार करने पर मनोकामना पूर्ण होती है। उसके साथ कमली बिछी है और उसके नीचे बाघंबर बिछा है। वहीं पर पाताल भैरवी भी है, जो मुंडमाला पहने खड़ी हैं। मान्यता चाहे कुछ भी हो पर एकबारगी गुफा में बनी आकृतियों को देख लेने के बाद उनसे जुड़ी कथाओं पर भरोसा किए बिना नहीं रहा जाता। आश्चर्य यह है कि जमीन के इतने अंदर होने के बावजूद यहां घुटन महसूस नहीं होती अपितु शांति का अनुभव होता है। दूर-दूर से सैलानी इस अद्भुत गुफा को देखने आते हैं। कुछ श्रद्धा से, कुछ रोमांच के अनुभव के लिए तो कुछ शांति की तलाश में।

पौराणिक महत्व

कहते हैं कि इस अद्भुत गुफा के दर्शन त्रेतायुग में अयोध्या के राजा त्रृतुपूर्ण ने पहली बार किया था। राजा चौपड़ खेलने के बहुत शौकीन थे। उनके मित्र राजा नल भी इस खेल के महारथी थे। पर एक बार वे इस खेल में अपनी पत्नी दमयंती को हार गए। राजा नल इस हार से बहुत शर्मिंदा हुए। वे राजा त्रृतुपुर्ण को साथ लेकर हिमालय की यात्रा पर निकल पड़े। एक दिन घने जंगल में उन्हें असाधारण हिरण दिखा। राजा नल ने कहा इस हिरण को जिंदा पकड़ना है। दोनों उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे लग गए। हिरण का पीछा करते हुए वे भुवनेश्वर गांव जा पहुंचे। शाम हो गई और हिरण भी कही दिखलाई नहीं दिया। राजा रास्ता भटक गए। रात में उन्हें स्वप्न हुआ और आवाज सुनाई दी- 'तुम क्षेत्रपाल देवता की तपस्या करो, वही तुम्हें रास्ता बताएंगे।' राजा तपस्या करने लगे। कुछ दिनों बाद क्षेत्रपाल ने दर्शन दिए और कहा कि इस स्थान पर एक बड़ी सुरंग है, जहां कई गुफाएं हैं और जहां कण-कण में भगवान शिव निवास करते हैं। क्षेत्रपाल ने राजा को इस दिव्य लोक में पहुंचा दिया।

गुफा में चौपड़ की आकृति

यह भी माना जाता है कि अपने अज्ञातवास में पांडव भी यहां आए थे। उन्होंने कुछ समय इस गुफा में वास किया था। गुफा के भीतर चौपड़ की आकृति भी बनी हुई है। 822 ई. में अपनी दिग्विजय यात्रा के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी यहां आए। उन्होंने गुफा के अंदर एक जगह पर तांबे का शिवलिंग स्थापित किया। गुफा में जाने वाले श्रृद्धालु इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करते हैं। भुवनेश्वर गांव से कुछ ही दूर देवदार के घने वन के मध्य स्थित है- पाताल भुवनेश्वर गुफा। गुफा का प्रवेश द्वार लगभग चार फिट लंबा और डेढ फिट चौड़ा है। अत्यंत संकरी, फिसलनदार गुफा में टेढे-मेढ़े पत्थरों की सीढ़ी पर सावधानी से साकंल पकड़कर तीस फिट नीचे उतरना पडता है। एक बार में एक ही व्यक्ति उतर पाता है। उतरते ही नीचे एक बड़े मैदान मे आप खुद को पाते हैं, जहां से तीन ओर को लंबी-लंबी सुरंगें चली जाती हैं। धरती के भीतर एक अनोखी दुनिया, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यहां चट्टानों मे प्राकृतिक कलाकृतियां हैं, जिन्हें पौराणिक कथाओं व मिथकों से जोड़ा गया है।

गाइड बताता है कि आप शेषनाग के शरीर की हड्डियों पर चल रहे हैं और आपके सिर के ऊपर शेषनाग का बना है। सुनते ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। गहराई से देखेंगे तो आप वास्तव में महसूस करेंगे कि कुदरत द्वारा तराशे पत्थरों मे नाग बन फैलाए है। फन के दाएं तरफ ऐरावत हाथी विराजमान हैं। जमीन मे बिल्कुल झुककर भूमि से चंद इंच की दूरी पर चट्टानों में हाथी के तराशे हुए पैरों को देखकर आपको मानना ही पड़ेगा कि आप जो सुन रहे हैं वो सच है।

लव बर्ड्स

जीत जाएंगे हम तू अगर संग है

कहते हैं कि प्यार की शुरुआत अक्सर सबसे आम पलों में छुपी होती है, लेकिन उसकी गहराई और असर वक्त के साथ हमारे जीवन को बदल देता है। हमारी पहली मुलाकात किसी रोमांटिक जगह पर नहीं, बल्कि एक बहुत साधारण-सी सुबह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई थी। शैफाली अपनी क्लास के लिए भाग रही थी और मैं (शिव) अपने बीटेक की डिग्री लेने यूनिवर्सिटी पहुंचा था। अचानक भीड़ में शैफाली का बैग थोड़ा उलझा और वह लड़खड़ा गई। मैंने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे संभाल लिया। "आप ठीक हैं?" मैंने पूछा। शैफाली ने हल्की-सी शर्मीली मुस्कान के साथ कहा, "हां, बस दिन की शुरुआत थोड़ी नाटकीय हो गई।" हम दोनों अलग हो गए, पर उस एक पल ने दोनों के दिमाग में एक छोटी-सी जगह बना ली। अगले ही हफ्ते, किस्मत ने फिर करवट ली। शैफाली अपने कॉलेज की तरफ से साइंस प्रोजेक्ट की एक प्रदर्शनी में आई थी और मैं वहां पर एक जज पैनल के रूप में आया था। मैंने उसे देखा और मुस्कुरा दिया। "फिर मिल ही गए," उसने कहा। "लगता है शहर छोटा है या किस्मत बड़ी," शैफाली ने चुटकी ली।

इस बार बातचीत लंबी चली। कला, काम, सपने, यात्राएं दोनों को पता ही नहीं चला कि कब दो अजनबी अपनी दुनिया एक-दूसरे के सामने खोलने लगे। मैं दिल्ली वापस लौट आया, परंतु फोन पर लंबी बातें चलने लगी धीरे-धीरे हम एक-दूसरे की दुनिया में सहज होने लगे। मुलाकातें तो कम होती थीं, परंतु शैफाली का केयरिंग नेचर, मुस्कान और सादापन मुझे उसकी तरफ खींचने लग गया। मैंने शैफाली को आजादी, सपने देखना और खुद पर भरोसा करना सिखाया। कई सालों की फोन पर बात और छोटी-छोटी मुलाकातों के बाद हमने तय किया कि यह कहानी सिर्फ 'मुलाकात' तक सीमित नहीं रहेगी, यह रिश्ता अब साझेदारी, विश्वास और प्यार की नई शुरुआत बनेगी।

प्यार तो हो गया परंतु करियर की उठापटक के बीच मैंने तय नहीं कर पा रहा था कि इसको आगे कैसे मुकाम दिया जाए? एक तरफ करियर को संवारने का समय था और उसी बीच मैं विदेश शिफ्ट हो गया। कभी-कभी तो ऐसा भी लगा की अब ये दूरी इस रिश्ते को यहीं पर ही न रोक दें। अब फोन पर बातें करना बहुत महंगा था, परंतु शैफाली अपने समर्पण के प्रति अपनी ट्यूशन और डांस क्लासेज से कमाए सारे पैसे सिर्फ मुझसे बात करने में खर्च कर देती। बातें कम हो रही थीं मिलना तो बिल्कुल मुश्किल था। विदेश में रहते हुए अकेलेपन में शैफाली की फोन कॉल मुझे लिए रामबाण का काम करती। विदेश की चकाचौंध भी मुझे शैफाली के समर्पण और प्यार से अलग न कर पाई। जब ये प्रेम कहानी शादी की बात तक पहुंची, तो जिंदगी एक नए प्रश्नपत्र के साथ उनके सामने खड़ी थी। घरवालों के सवाल, दोनों परिवारों के विचारों और हैसियत में जमीन आसमान का फर्क और समाज के करोड़ों प्रश्न दोनों के सामने मुंह फैलाए खड़े थे। घरवालों की तरफ से पहले तो पूर्ण मना था, परंतु दोनों ने हार नहीं मानी। दोनों अपनी सीमाओं में रहते हुए अपने-अपने घरवालों को मनाने का पूर्ण प्रयास हर पल करते रहे। ये समय ऐसे गुजर रहा था कि मुझे तो आईएएस बनने की परीक्षा जैसा लग रहा था, परंतु शैफाली बहुत धैर्यवान थी। वो अपने फैसले पर अडिग थी। पूरे दो साल बीत गए तब जाकर घर वाले माने। फिर समाज के लोगों ने भी अड़ंगे लगाए और ये प्रेम की नाव भारी तूफान में हिचकोले लगाते-लगाते किनारे तक आ ही गई, फिर वो घड़ी आई, जिसका हम दोनों को लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इस बीच पिछले दो सालों में हम दोनों कभी मिले नहीं, क्योंकि दूरियां लंबी थीं, परंतु दोनों के प्रेम ने ये जंग जीत ली। जब विवाह मंडप पर दोनों ने एक-दुसरे को देखा, तो दोनों की आंखों में सालों की प्रतीक्षा, परिवार और समाज से विजय की चमक और चेहरे पर एक संतोषप्रद मुस्कान थी। उन्हें लगा की अब अंतिम मंजिल पर पहुंच गए, जो एक अगली लंबी यात्रा पर साथ चलने के लिए आगे ले जाएगी। आज भी सालों बाद जब दोनों उस समय को याद करते हैं, तो चेहरे पर एक मुस्कान के साथ ये पंक्तियां बरबस ही मुंह से निकल जाती हैं "जीत जाएंगे हम, तू अगर संग है।" ये पंक्तियां आज भी, उन्हें जीवन के विभिन्न मोड़ों पर आती हुई परीक्षाओं में हौसला देती है। हमारी प्रेम कहानी इस बात को सिद्ध करती है कि यदि प्रेम सच्चा हो और हृदय में धैर्य और एक-दुसरे पर विश्वास हो, तो चाहें कितनी भी बाधाएं आएं आप मंजिल पर पहुंचते अवश्य हैं। कभी-कभार शैफाली बोलती है "हम सच में यहां तक आ गए विश्वास नहीं होता।" मैं हर बार उसका हाथ थाम कर कहता है "जब साथी सही हो और दोनों साथ चलें, तो सफर अपने आप सुंदर हो जाता है।"

-शिवमोहन और शैफाली, कानपुर

जॉब का पहला दिन

शुरू हुआ जीवन का एक नया अध्याय

जीवन के कतिपय अनुभव ऐसी मधुर स्मृतियों में परिणत हो जाते हैं, जो आगे चलकर हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और पेशेवर पहचान को गहराई से प्रभावित करती हैं। वर्षों के सतत अध्ययन, तैयारी, लंबी प्रतीक्षा और कठिन संघर्ष के बाद जब किसी प्रतिष्ठित महाविद्यालय में नियुक्ति मिलती है, तो मन में एक साथ कई भावनाएं उमड़ती हैं। उत्साह, संकोच, जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर एक अनोखी सी आशा आपको चहुंओर से घेर लेती हैं। शाहजहांपुर के एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय में मेरा पहला दिन भी बिल्कुल ऐसा ही था। भावनाओं का सुंदर संगम, नए माहौल का स्पर्श और सीखने के असीमित अवसरों का आरंभ। यद्यपि सुबह से ही मन में हल्की-सी घबराहट थी, किंतु उस घबराहट पर मेरी उत्सुकता भारी पड़ रही थी। मैंने अलमारी से सलीकेदार औपचारिक पोशाक चुनी, आईने में एक नजर खुद को देखा और मन ही मन कहा, "आज से जीवन का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।" महाविद्यालय पहुंचने तक मन में कई सवाल थे- कैसा वातावरण होगा? सहकर्मी कैसे होंगे? विद्यार्थी कैसा व्यवहार करेंगे? और सबसे महत्वपूर्ण यह कि क्या मैं अपनी भूमिका को उतनी ही कुशलता से निभा पाऊंगा, जितनी अपेक्षा संस्था मुझसे करती है? इन सब चिंताओं के बावजूद मेरे भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा थी, जो कदमों को आगे बढ़ाते हुए आश्वस्त कर रही थी कि सब कुछ अच्छा होगा।

महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कदम रखते ही परिसर की साफ-सुथरी हरियाली, बेमिसाल स्वच्छता, भवनों की सादगीपूर्ण भव्यता और विद्यार्थियों की हलचल ने मेरे मन में एक अद्भुत रोमांच एवं आत्मीयता का भाव जगा दिया। ऐसा लग रहा था मानो यह जगह मेरे इंतजार में ही थी। कुछ छात्र बड़ी विनम्रता से मुस्कुराकर मेरा अभिवादन कर चुके थे। यह छोटा-सा व्यवहार मेरे भीतर के तनाव को थोड़ा कम कर गया। प्रशासनिक भवन के अंदर स्टाफ रूम तक पहुंचने पर वहां पहले से उपस्थित शिक्षकों ने बड़े स्नेह से मेरा स्वागत किया। खास बात तो यह थी कि मेरे विभाग में उस समय कोई शिक्षक कार्यरत नहीं था, लिहाजा मुझे नियुक्ति के साथ ही विभाग का विभागाध्यक्ष बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। साथी शिक्षकों से परिचय भी एक आत्मीय संवाद की तरह था। हर कोई अपने अनुभव साझा करने को उत्सुक और मुझे सहज महसूस कराने को तत्पर। वातावरण में न तो औपचारिकता का बोझ था और न ही प्रतिस्पर्धा की कठोरता, था तो बस एक सहयोगी भाव, जो किसी भी नए व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत होता है।

फिर आया वह क्षण, जिसका सबसे अधिक इंतजार था-पहली कक्षा लेने का। हाथ में चाक और उपस्थिति रजिस्टर लिए जब मैं कक्षा में पहुंचा, तो लगभग अस्सी छात्रों की निगाहें मेरी ओर उठीं। यह क्षण अत्यंत भावुक और चुनौतीपूर्ण था। उनके लिए मैं एक नया शिक्षक था और मेरे लिए वे भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी। मैंने मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और छात्रों की आंखों में सम्मान के साथ-साथ उत्सुकता की चमक महसूस की। मैंने अपना संक्षिप्त परिचय दिया और उनसे भी अपने बारे में बताने को कहा। विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं सुनकर यह समझ आ गया कि कक्षा में विविध पृष्ठभूमि, अलग-अलग विचार और सीखने की भिन्न गति वाले छात्र मौजूद हैं और इन्हीं के बीच मैं आने वाले दिनों में अपनी शिक्षण-यात्रा को आकार दूंगा।

व्याख्यान के दौरान छात्रों की उत्सुकता, प्रश्न पूछने की सहजता और ध्यान से सुनने का स्वभाव देखकर मन का सारा तनाव समाप्त हो गया। यह अनुभव किसी औपचारिक पाठ्य प्रस्तुति जैसा नहीं, बल्कि एक संवाद जैसा था, जहां ज्ञान का आदान-प्रदान दोनों तरफ से हो रहा था। कक्षा के अंत में जब छात्रों ने तालियों के साथ मेरा स्वागत किया, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठा। यही वह पल था, जिसने मुझे एहसास दिलाया कि शिक्षक की भूमिका केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह छात्रों के जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बनती है।

पहली कक्षा के बाद विभाग में लौटते हुए कई शिक्षकों ने उत्सुकता से पूछा- 'पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?' उनकी आत्मीयता ने दिन को और भी सुखद बना दिया। चाय की गरमा-गरम चुस्की के साथ जब हम शिक्षण-प्रक्रिया, विभागीय गतिविधियों और छात्रों की संभावनाओं पर बातचीत कर रहे थे, तब महसूस हुआ कि यह महाविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत परिवार है, जिसे ज्ञान, सहयोग और सामूहिक प्रयत्नों ने एक सूत्र में बांध रखा है। दोपहर में मुझे प्राचार्य महोदय के साथ बैठक में शामिल होने का अवसर मिला। वहां वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा, अनुसंधान परियोजनाएं, छात्रों के अतिरिक्त विकास की योजनाएँ तथा नई शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के साथ ही साथ मुझे कई नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह देखकर मन अति प्रसन्न हुआ कि संस्था केवल औपचारिक शिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सजग और प्रतिबद्ध है। इस बैठक में मेरा सुझाव भी सुना गया, जिससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया।

दिन के अंत में जब मैं परिसर से बाहर निकला, तब पूरे दिन की स्मृतियां मेरे मन में चलचित्र की तरह चल रही थीं। महाविद्यालय का वह पहला दिन आज भी स्मृतियों में उज्जवल है और हमेशा रहेगा, एक प्रेरणा की तरह, एक विश्वास की तरह और एक नए आरंभ की तरह।

– शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	85,712.37	26,186.45
बढ़त	447.05	152.70
प्रतिशत में	0.52	0.59

सोना 1,32,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,83,500 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, शनिवार, 6 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

100 गीगावाट पवन ऊर्जा करेंगे हासिल

पुडुचेरी। नवीकरणीय ऊर्जा में सक्रिय सुजलॉन समूह के सह-संस्थापक गिरीश तांती ने कहा है कि 2030 तक पवन ऊर्जा से 100 गीगावाट बिजली के उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सरकार ने 2030 तक देश में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित 500 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसमें से 100 गीगावाट बिजली को पवन ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित करना है।

पार्क मेडी वर्ल्ड का आईपीओ 10 को

नई दिल्ली। पार्क ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पार्क मेडी वर्ल्ड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 154-162 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने कहा कि कंपनी का 920 करोड़ का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलेगा और 12 को समाप्त होगा। बड़े (एंकर) निवेशक नौ दिसंबर को बोली लगा पाएंगे।

इप्का संयंत्र का पहुंचा अमेरिकी नियामक

नई दिल्ली। इप्का लैबोरेट्रीज ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक यूएसएफडीए ने उसकी महाराष्ट्र स्थित तारापुर एपीआई संयंत्र के निरीक्षण के बाद फॉर्म 483 में तीन टिप्पणियां जारी की हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने दवाओं के मुख्य कच्चे माल (एपीआई) के विनिर्माण संयंत्र का एक से पांच दिसंबर, 2025 के बीच निरीक्षण किया।

सोना 1,300 रुपये उछला, चांदी 3,500

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच शुक्रवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। सर्राफा बाजार में, चांदी 3,500 रुपये बढ़कर 1,83,500 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई, जो पिछले कारोबारी सत्र में 1,80,000 रुपये प्रति किग्रा थी। अंतरर्राष्ट्रीय बाजारों में सोना 15.10 डॉलर बढ़कर 4,223.76 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 1.82 प्रतिशत बढ़कर 58.17 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

महंगाई नरम रही तो रेपो दर भी कम होगी, 0.2% सही स्तर नहीं : मल्होत्रा

आरबीआई के गवर्नर ने कहा - आगे चलकर हम नरम महंगाई की उम्मीद कर रहे हैं

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि जब तक महंगाई नरम रहती है, तब तक नीतिगत रेपो दर कम ही रहेगी। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो दर में 0.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया। इस फैसले की घोषणा के बाद आरबीआई मुख्यालय में मल्होत्रा ने उक्त बात कही।

उन्होंने यह नहीं बताया कि रेपो दर कितनी और नीचे जा सकती है, लेकिन कहा कि आरबीआई के महंगाई अनुमान नरम ही दिखा रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आगे चलकर हम नरम महंगाई की उम्मीद कर रहे हैं। अगर महंगाई इसी तरह रहती है तो हम उम्मीद करते हैं कि नीतिगत दरें ऊंची नहीं, बल्कि कम ही रहेंगी। आगे आरबीआई पूरी तरह आंकड़ों पर आधारित रहेगा और अगली नीति समीक्षाओं में छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति क्या फैसला लेगी, इसके बारे में अभी कुछ कहना अटकलबाजी होगी। हाल में जितनी कम महंगाई (0.2%) दिख रही है, क्या भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए वह सही है, तो मल्होत्रा ने कहा कि निश्चित रूप से नहीं। 0.2% महंगाई का सही स्तर नहीं है। हमारा लक्ष्य चार प्रतिशत है। हम उसी तरह की महंगाई हासिल करने की कोशिश करते हैं। हालांकि गवर्नर ने सलाह दी कि इस बहुत कम महंगाई के आंकड़े को बहुत गंभीरता से न लीजिए, क्योंकि कई कारक इसे प्रभावित करते हैं और इसमें उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आ सकती है।

उन्होंने कहा कि ऊंचा तुलनात्मक आधार (पिछले साल ऊंचे खाद्य मूल्य) के कारण महंगाई कम दिख रही है। वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में नरमी का अनुमान है।

आगे बढ़ाने पर होगा जोर, जमा दरों में नरमी का अनुमान : गवर्नर

मुंबई। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का जोर अब इस बात पर होगा कि रेपो दर में कटौती का लाभ बैंकों से कर्ज लेने वालों को मिले। उन्होंने कहा कि आगे जमा दरों में नरमी आने का अनुमान है और लोगों से अपील की कि वे बचत के लिए धन जमा करते समय चालू ब्याज दर के बजाय वास्तविक ब्याज दर को देखें, जो अभी काफी ऊंची है। उन्होंने कहा कि अब हमें मौद्रिक नीति का लाभ आगे पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस साल आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कमी की है। आरबीआई को उम्मीद है कि जमा दरें और नीचे आएंगी। हम उम्मीद करते हैं कि आगे चलकर, खासकर इस कटौती के बाद, जमा दरें कुछ हद तक और कम होंगी। मल्होत्रा ने कहा कि कम महंगाई से जमा करने वाले को वास्तविक लाभ ज्यादा होता है, क्योंकि महंगाई का घटक बहुत कम है। उन्होंने कहा कि जब महंगाई इतनी कम है और आगे भी कम रहेगी, तो भले ही ब्याज दर कम लगे, लेकिन महंगाई के मुकाबले ब्याज दरें काफी ऊंची हैं।

आरबीआई ने मुद्रास्फीति अनुमान घटाकर किया 2%

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 2.6 से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। मुद्रास्फीति के लक्ष्य को लेकर 2016 में लचीली व्यवस्था अपनाये जाने के बाद पहली बार हेडलाइन (खुदरा) मुद्रास्फीति 2025-26 की दूसरी तिमाही में औसतन 1.7 प्रतिशत रही। यह आरबीआई को दिये लक्ष्य के निचले स्तर दो प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो से 6%) रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। यह अक्टूबर 2025 में और भी घटकर केवल 0.3 प्रतिशत पर आ गई जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में अनुमान से अधिक तेजी से गिरावट खाद्य कीमतों में सुधार से आई।

रुपये का लक्षित स्तर या दायरा नहीं

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये के लिए कोई लक्षित स्तर या दायरा नहीं रखता है और घरेलू मुद्रा को खुद ही अपना ''सही स्तर'' खोजने की अनुमति देता है। मल्होत्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया इसी हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर अपने सबसे निचले भाव पर पहुंच गया। गुरुवार को इसने 90.43 रुपये प्रति डॉलर का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। मल्होत्रा ने कहा कि हम रुपये के लिए मूल्य का कोई स्तर या दायरा नहीं रखते हैं।

शिकायतों के समाधान को चलेगा अभियान

भारतीय रिजर्व बैंक लोकपाल के पास एक महीने से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों के समाधान के लिए जनवरी से दो महीने का अभियान शुरू करेगा। आरबीआई लोकपाल के पास बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होने के परिणामस्वरूप लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ यह कदम उठाया गया है। आरबीआई लोकपाल योजना बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों समेत वित्तीय संस्थानों की सेवाओं में कमी से संबंधित शिकायतों का समाधान करने में मदद करती है।

एक लाख करोड़ की प्रतिभूतियों का खरीद

आरबीआई ने बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में पर्याप्त नकदी बनाए रखने के लिए इस महीने खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करने का निर्णय लिया। केंद्रीय बैंक इस माह 5 अरब डॉलर की तीन-वर्षीय डॉलर/रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली करेगा। इनसे 15 दिसंबर को देय अग्रिम कर भुगतान की किस्त के लिए बैंकिंग प्रणाली के व्यय से नकदी संकट कम करने में मदद मिलेगी।

यूपीआई को मंजूरी के लिए आठ अन्य देशों से बातचीत जारी : वित्तीय सेवा सचिव

- भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, यूएई, श्रीलंका और फ्रांस में हो रहा उपयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त सेवा सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल भुगतान मंच यूपीआई को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए आठ देशों के साथ बातचीत कर रहा है। फिलहाल भारत की लोकप्रिय भुगतान प्रणाली यूपीआई को आठ देशों में स्वीकार्य किया गया है। इनमें भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस शामिल हैं। इससे भारतीय पर्यटक विदेशों में लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नागराजू ने कहा कि हम अब यूपीआई लेनदेन को संभव बनाने के लिए सात-आठ देशों से बातचीत कर रहे हैं जिनमें पूर्वी एशिया के कई देश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत कुछ देशों के साथ व्यापार वार्ताओं के दौरान यूपीआई को भी शामिल कर रहा है। नागराजू ने कहा कि कुछ देशों के साथ जिन व्यापार वार्ताओं को हम आगे बढ़ा रहे हैं, उनमें यूपीआई का भी एक पहलू रखने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि इस क्षेत्र में गहराई से शामिल वित्तीय-प्रौद्योगिकी उद्योग भी इसमें अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि भारत को लागत और पैमाने के स्तर पर बढ़त हासिल है और इस लाभ का उपयोग देश के हित में करना चाहता है।

समस्याओं के लिए एआई समाधान बनाएं कंपनियां

नई दिल्ली। आईटी और आईटी आधारित सेवा (आईटीईएस) कंपनियों को विभिन्न क्षेत्रों की खास समस्याओं के लिए एआई आधारित समाधान बनाने चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा करने से नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट गवर्नमेंट (एनआईएसजी) के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि लोग सोच सकते हैं कि बड़ी कंप्यूट सुविधाओं की कमी से भारत एआई के बड़े मॉडल बनाने की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन भारत एआई मॉडल के जरिये आम लोगों की जरूरतों के समाधान बनाकर बढ़त हासिल कर सकता है।

जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना

गांधीनगर, एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अपनी 'निश्चित रणनीति' के तहत सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना और 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाना है।

शाह ने गांधीनगर के ''महात्मा मंदिर'' सम्मेलन केंद्र में आयोजित 'अर्थ समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक वैश्विक जैविक बाजार में भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद ग्रामीण विकास, खेती, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र को देश के आर्थिक प्रणाली और पूरे विकास के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर पहचाना गया। शाह ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भारत के दृष्टिकोण में हर नागरिक की भलाई शामिल है, और उस लक्ष्य को पाने के लिए सहकारिता, खेती, पशुपालन और ग्रामीण विकास क्षेत्र पर ध्यान देना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि एक निश्चित रणनीति के तहत, हमने तय किया है कि कुछ ही साल में हम हर पंचायत में एक सहकारिता संस्था बनाएंगे। हम 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाएंगे और देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात में बनास डेयरी ने डेयरी सेक्टर में संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था का एक मॉडल बनाया है और वह मॉडल अब पूरे देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध है।

- शाह ने कहा- निश्चित रणनीति के तहत 50 करोड़ सहकारी सदस्य बनाने का लक्ष्य
- गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में आयोजित अर्थ समिट को किया संबोधित

प्राकृतिक खेती में किसानों के लिए बहुत संभावनाएं

शाह ने कहा कि अब सहकारिता मंत्रालय देश में गन्ना क्षेत्र के लिए भी ऐसा ही मॉडल तैयार करने पर काम कर रहा है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में 49 लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और किसानों के लिए इसमें बहुत संभावनाएं है। शाह ने कहा कि भारत ऑर्गेनिक्स और अमूल के समर्थन से हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिसाब से किसानों की ज़मीन और उपज के जैविक परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की एक श्रृंखला बना रहे हैं। गेहूं और चावल जैसे करीब 40 जैविक उत्पाद पहले से ही ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। हमने एक लक्ष्य रखा है कि 2030 तक भारत का वैश्विक जैविक बाजार में 20 प्रतिशत से ज्यादा और 2035 तक 40 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा होगा। इस मकसद के लिए हमने दो बहु-राज्य सहकारिता बनाए हैं। उनमें से एक किसानों से जैविक उत्पाद खरीदेगी, जबकि दूसरी उन्हें बेचेगी।

राष्ट्रीय

उपकर वाले विधेयक को लोस ने दी मंजूरी

वित्त मंत्री सीतारमण के पेश किए स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक को ध्वनिमत से दी गई स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है। आयकर की सीमा में भारी छूट दी गई है और 12 लाख तक की आय पर कर देने की जरूरत नहीं है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव किया गया है ताकि चीजें किफायती हों। उनका कहना था कि आयकर की सीमा बढ़ाने से लोगों के हाथ में एक लाख करोड़ रुपये बचे हैं। क्या लोगों की बुनियादी जरूरत की वस्तु पर कर लगा रही हूं, बिल्कुल नहीं। सिर्फ हानिकारक वस्तुओं पर कर लगाया जा रहा है। मुझे लगता है कि शायद ही कोई सदस्य यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए।

- वित्त मंत्री ने कहा- शायद ही कोई यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए

विधेयक के दायरे में सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही

सीतारमण ने कहा कि यह भी सत्य है कि रक्षा और सड़क निर्माण के लिए पैसे की जरूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि बोफोर्स मामले के बाद 30 साल तक तोप की खरीद नहीं की गई और स्थिति यह हुई कि इस अवधि में कई रक्षा मंत्री तो फैसले ही नहीं कर पाए। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय रक्षा साजो-समान की कथित तौर पर खरीद नहीं होने का उल्लेख भी किया। वित्त मंत्री का कहना था कि मैं इस विधेयक के दायरे में आटे को नहीं ला सकती, इसमें सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही लाई जा सकती हैं। उपकर कोई नई व्यवस्था नहीं है। 2014 से पहले चार उपकर का संग्रह था। सीतारमण ने कहा कि क्षतिपूर्ति उपकर के संग्रह से राज्यों का हिस्सा उन्हें भेजा गया है। उनका कहना था कि राजस्व संग्रह कैग की छानबीन के दायरे में आता है।

जीएसटी पर नहीं पड़ेगा विधेयक का असर

सीतारमण ने कहा था कि विधेयक का मकसद अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने सदन में विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा था कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगी। स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा।

पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के लिया जाए पुरस्कार वापस

पान मसाला और गुटके को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन कर रहे अभिनेताओं को उनके बेहतर अभिनय के लिए मिले पुरस्कार वापस लेने की मांग शुक्रवार को लोकसभा में उठी। निचले सदन में गुजरात में शराबबंदी खत्म करने का मुद्दा भी उठाया गया। पान मसाला पर उपकर लगाने संबंधी स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के हनुमान बेनीवाल ने कहा कि किसी मामले में कानून बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उस पर अमल करना होता है। बेनीवाल ने शाहरुख खान, अजय देवगन और सलमान खान जैसे अभिनेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अदाकार विज्ञापन के जरिये पान मसाला और गुटकों के सेवन को बढ़ावा देते हैं।

निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर मुस्लिम आरक्षण का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को कांग्रेस पर 'मुस्लिम आरक्षण' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के आरक्षण की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस का हाथ मुसलमानों के साथ है...उसने मुस्लिम समुदाय को पहले आंध्र प्रदेश में चार प्रतिशत आरक्षण दिया और अब वही तेलंगाना और कर्नाटक में किया। उनका कहना था कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर आरक्षण बचाना चाहिए। शून्यकाल के दौरान भाजपा के बंटी विवेक साहू ने मध्य प्रदेश में कफ सीरप से बच्चों की मौत का विषय उठाया और कहा कि सरकार को दवाओं के विनिर्माण और परीक्षण के नियमों को सख्त बनाना चाहिए।

गत वर्ष सड़क हादसों में मौत के मामले बढ़कर 1.77 लाख : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 2024 में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख से अधिक हो गई, जिसका अर्थ है कि हर दिन 485 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टॉकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 प्रतिशत तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है।

रिलायंस की और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने कहा कि रिलायंस समूह की कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां अब तक कुर्क की जा चुकी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में स्थित रिलायंस अनिल अंबानी समूह के रिलायंस सेंटर समेत 18 संपत्तियों, सावधि जमा और गुपचुप निवेश से जुड़े शेयरों को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात अन्य संपत्तियों, रिलायंस पावर लिमिटेड की दो संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और गेमसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर सावधि जमा के साथ-साथ रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए गए गुपचुप निवेश को कुर्क कर लिया गया है।

- ईडी ने कहा- अब तक कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां की जा चुकी हैं कुर्क

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की संभावना से शुक्रवार को इन्कार करते हुए कहा कि उन मुत्तवलियों (वक्फ का देखभाल करने वाले) को तीन महीने तक जुर्माने और किसी कठोर सजा से राहत दी जाएगी, जो पंजीकरण का प्रयास करते हुए सफल नहीं हो सके।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था। मंत्री का कहना था कि जो लोग पंजीकरण नहीं कर पाए हैं वो वक्फ न्यायाधिकरण का रुख कर सकते हैं। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की 'जियो-टैगिंग' के बाद एक डिजिटल सूची बनाने के लिए बीते छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। पंजीकरण के लिए छह महीने की मियाद शुक्रवार को खत्म हो रही है।

- केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने कहा- पंजीकरण का प्रयास करने वाले मुत्तवलियों को दी जाएगी राहत

पंजीकरण को दी गई थी छह माह की अवधि

रीजीजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद हमने उम्मीद पोर्टल शुरू किया था और सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत करने के लिए संबंधित पक्षों को छह महीने की अवधि दी गई थी। आज आखिरी दिन है और अब भी लाखों संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो सका है। कई सांसदों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने पोर्टल की मियाद बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि अब तक उम्मीद पोर्टल पर 1.51 लाख वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है। मंत्री ने कहा कि मैं उन भी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूं कि अगले तीन महीनों तक कोई जुर्माना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे जिन्होंने पंजीकरण की कोशिश की, किसी कारणवश पंजीकरण नहीं हो सका।

कर्नाटक में हिजाब और भगवा शॉल को लेकर फिर विवाद

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले के कॉलेज में विद्यार्थियों के कुछ ग्रुप हिजाब और भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचे, जिसके कारण कॉलेज परिसर में तनाव उत्पन्न हो गया। अक्की अलूर गांव स्थित सीजी बेल्लाड सरकारी कॉलेज की इस घटना ने कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों ड्रेस-कोड पर बहस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

विद्यार्थियों का समूह गुरुवार को ये शिकायत करते हुए भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचा था कि वे कॉलेज प्रशासन द्वारा पोषाक के नियमों को लागू करने में कथित विफलता के खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने बार-बार शिकायत की थी।

मंदिर का पैसा अराध्य का, सहकारी बैंक को बचाने के लिए नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अपील में केरल हाईकोर्ट के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया, आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। पीठ ने कहा कि मंदिर का धन अराध्य का है और इसको मंदिर के हितों, संरक्षित के लिए उपयोग किया जाना चाहिए तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता।

- कुछ सहकारी बैंकों की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

न्यायपालिका में एआई के उपयोग पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के अनियमित उपयोग को रोकने से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह न्यायपालिका में एआई और मशीन लर्निंग उपकरणों के दुष्प्रभावों से अवगत है, लेकिन इन मुद्दों का समाधान न्यायिक निर्देशों के बजाय प्रशासनिक स्तर पर अधिक उपयुक्त रूप से किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम लाल दास की दलील सुनी, जो याचिकाकर्ता कार्तिकेय रावल की ओर से पेश हुए थे।

कुलपतियों की नियुक्त पर बनाएं सहमति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल में दो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन को लेकर अगर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन व राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर के बीच सहमति नहीं बन पाती है तो वह समाधान के लिए हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और पीबी वराले की पीठ एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि और डिजिटल विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपतियों की नियुक्ति पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यपाल के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और मुख्यमंत्री के अधिवक्ता जयदीप गुप्ता को गतिरोध समाप्त करने को समाधान खोजने का निर्देश दिया।

वर्ल्ड ब्रीफ

एअर एंबुलेंस नहीं पहुंची, अब बीमार जिया कल जाएंगी लंदन

ढाका। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की उपचार के वास्ते लंदन रवानगी रविवार तक के लिए टल गई है। कतर की पेशकश वाली 'एअर एंबुलेंस' के यहां नहीं पहुंच पाने के कारण यह देरी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को 23 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वह बृहस्पतिवार देर रात या शुक्रवार तड़के लंदन रवाना होने वाली थीं। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो एअर एम्बुलेंस कल शनिवार पहुंचने की संभावना है। यदि मैडम का मेडिकल बोर्ड इसकी मंजूरी देता है तो इंशाअल्लाह वह रविवार को लंदन के लिए उड़ान भरेंगी।

इजराइल ने थाईलैंड को वायु रक्षा प्रणाली देने की घोषणा की

यरूशलम। इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वह रॉयल थाई वायु सेना को एक एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति करेगी। बयान में वायु रक्षा प्रणाली की रकम और आपूर्ति की तारीख का कोई उल्लेख नहीं किया गया है लेकिन इजराइली मीडिया की मानें तो यह पूरी डील लगभग 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की है। आईएआई ने बताया कि उसका बराक एमएक्स इंटीग्रेटेड एयर-और मिसाइल-डिफेंस सिस्टम थाईलैंड को पहली मीडियम-रेंज एयर-डिफेंस क्षमता देगा, जो बैलिस्टिक और हवाई दोनों तरह के खतरों से पूरी सुरक्षा देगा। यह प्रणाली थाई एयरस्पेस को ड्रोन, फाइटर जेट, क्रूज मिसाइलों और 150 किलोमीटर तक की रेंज वाली मिसाइलों से बचाएगी।

अमेरिका : पुतिन के करीबी से जुड़ी कंपनी पर 71 लाख डॉलर जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी उद्योगपति ओलेग देरिपस्का की आलीशान रियल एस्टेट संपत्तियों का प्रबंधन करके पाबंदियों का उल्लंघन करने के आरोप में न्यूयॉर्क में स्थित एक कंपनी पर 71 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। वित्त विभाग के विदेशी संपत्तियां नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने कहा कि ग्रेसटाउन इंक नामक संपत्ति प्रबंधन कंपनी को देरिपस्का के स्वामित्व वाली एक कंपनी की ओर से अप्रैल 2018 से मई 2024 के बीच 24 बार भुगतान के जरिए कुल 31,250 अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई। ओएफएसी ने कहा कि उसने ग्रेसटाउन को नोटिस जारी कर कहा था कि देरिपस्का के साथ लेनदेन पर प्रतिबंध है, लेकिन कंपनी लेनदेन करती रही।

पाकिस्तान: हिंदू छात्राओं को धमकी पढ़ना है तो इस्लाम धर्म अपनाओ

- छात्राओं के अभिभावकों ने लगाया आरोप, सरकार के शिक्षा मंत्री ने दिया जांच का आदेश

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं पर पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया और उन्हें स्कूल में कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। छात्राओं के अभिभावकों की ओर से जताए गए विरोध के बाद मामला मीडिया के जरिए जानकारी में आने पर सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।

नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता-पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इन्कार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

भारत के लिए नए भविष्य की उम्मीद

अमेरिका के साथ लगातार कटु होते संबंधों और व्यापार तनाव के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और संचार के क्षेत्रों में किए गए इन समझौतों का उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को सौ बिलियन डॉलर तक ले जाना और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। भारत ने इन समझौतों के साथ पश्चिमी देशों को अपनी रणनीतिक स्वायत्ता का स्पष्ट संदेश तो दिया ही है, अपने सुदृढ़ भविष्य के लिए एक नया मार्ग भी प्रशस्त किया है। माना जा रहा है कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए एक जटिल संतुलन बनाने की कोशिश की है, इससे अमेरिका से संबंधों पर तो कुछ असर पड़ सकता है, लेकिन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को इससे मजबूती मिलेगी।

रूस के साथ समझौते

2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम

भारत-रूस का 2030 तक व्यापार-निवेश का विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, लक्ष्य व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।

भारत के लिए परिणाम

- भारत का लक्ष्य रूस को फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद और मशीनरी का निर्यात बढ़ाकर व्यापार असंतुलन को कम करना है।
- द्विपक्षीय बस्तियों की प्रणाली विकसित करने से अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी, प्रतिबंधों के प्रभाव से बचा जा सकेगा।
- महत्वपूर्ण खनिजों, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत की आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने में मदद मिलेगी।

रक्षा-सैन्य तकनीकी सहयोग

रक्षा संबंधों को नया रूप देने पर सहमति, लॉजिस्टिक सपोर्ट का पारस्परिक आदान-प्रदान भी शामिल।

भारत के लिए परिणाम

- युद्धपोतों, सैन्य विमानों को एक-दूसरे के बंदरगाहों व सैन्य सुविधाओं तक पहुंच, परिचालन पहुंच बढ़ेगी।
- रक्षा उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा इससे भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी।
- भारत को सोवियतयुग के सैन्य हार्डवेयर को उन्नत रूसी प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।
- रूस से मजबूत रक्षा संबंध पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करेंगे।

ऊर्जा भागीदारी, परमाणु सहयोग

भारत को तेल, गैस और कोयले की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन, कुडनकुलम की शेष इकाइयों के निर्माण और नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर चर्चा में प्रगति।

भारत के लिए परिणाम

- रूस से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
- परमाणु ऊर्जा सहयोग से भारत को अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

कनेक्टिविटी, मोबिलिटी

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे समेत परिवहन गलियारों में सहयोग।

भारत के लिए परिणाम

- मध्य एशिया और यूरोप के लिए एक छोटा और सस्ता व्यापार मार्ग मिलने से भारतीय निर्यातकों को लाभ।
- ये गलियारे भारत की पहुंच को यूरेशिया तक बढ़ाते हैं, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और प्रभाव में वृद्धि होती है।
- भारतीय श्रमिकों, रूसी पर्यटकों की यात्रा को आसान बनाएंगे, सांस्कृतिक-व्यक्तिगत संबंध मजबूत होंगे।

अमेरिका के नजरिए से...

समझौते दर्शाते हैं कि भारत अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने रूस से ऊर्जा आयात बढ़ाना जारी रखा है और रुपये-रूबल व्यापार तंत्र को परिष्कृत कर रहा है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने का एक तरीका है।

गांधी की समाधि पर पुतिन नतमस्तक अहिंसा व सच्चाई के लिए किया याद

लिखा- नई, निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया के सिद्धांत का प्रभाव आज भी कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर शीश नवाया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ रूसी राष्ट्रपति ने बापू की समाधि की परिक्रमा भी की। उन्होंने भारत की आजादी के सर्वोच्च नायक को अहिंसा और सच्चाई के लिए याद किया और उनकी समाधिक पर पुष्पचक्र चढ़ाने के साथ उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

पुतिन ने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के जरिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। उन्होंने लिखा कि महात्मा गांधी ने एक नई, ज्यादा निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया, जो अब बन रही है। रूस के राष्ट्रपति ने स्मारिका में लिखा, समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में आज भी भारत दुनिया के लोगों के साथ मिलकर और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है। उन्होंने यह भी लिखा, रूस भी ऐसा ही करता है।

राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे पुतिन।

राष्ट्रपति भवन में पुतिन का किया गया औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन का प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली शिखर वार्ता से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुतिन ने एक-दूसरे का अपने-अपने देश के गणमान्य व्यक्तियों से परिचय कराया। पुतिन ने सलामी गारद का भी निरीक्षण किया। गुरुवार शाम यहां पहुंचे पुतिन का खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पालम हवाई अड्डे पर पहुंचकर गले लगकर स्वागत किया था। हवाईअड्डे से दोनों नेता मोदी के सरकारी आवास तक एक ही कार में गए, जहां निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

रूसी राष्ट्रपति ने मोदी से कहा- मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद

- अपने भारत दौरे के सकारात्मक नतीजा निकलने की उम्मीद जताई

नई दिल्ली। पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान पुतिन ने कहा, प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पुतिन ने विश्वास जताया कि भारत में उनके इस दौरे के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद के लिए मोदी के प्रयासों की सराहना की। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमेरिका की कार्रवाइयों के बारे में भी सूचित करते हुए कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू-राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है और भारत रूस के साथ ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए काम कर रहा है।

मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर ठोका मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी मीडिया हाउस 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने गुरुवार को अमेरिकी रक्षा विभाग के खिलाफ मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक नियमों को लेकर मुकदमा दायर किया है। अखबार का आरोप है कि मंत्रालय की यह नीति संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है। कोलंबिया के जिला न्यायालय में दायर इस मुकदमे में रक्षा विभाग, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल को प्रतिवादी बनाया गया है।

शिकायत में बताया गया है कि छह अक्टूबर को मंत्रालय ने पेंटागन फैसिलिटी अल्टरनेट क्रेडेंशियल्स पर एक नई नीति जारी की, जिसे पेंटागन बैज या बिल्डिंग पास भी कहा जाता है। यह नीति मंत्रालय के अधिकारियों को असीमित विवेक प्रदान करती है। इसके अंतर्गत वे वैध समाचार संकलन में शामिल पत्रकार की मान्यता को तुरंत निलंबित और अंततः रद्द तक कर सकते हैं। यह नियम पेंटागन परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह पत्रकारिता गतिविधियों पर लागू होता है, या यदि कोई पत्रकार ऐसी जानकारी प्रकाशित करता है जिसे विभाग के अधिकारियों ने मंजूरी नहीं दी है। शिकायत में कहा है, यह नीति पहले संशोधन का उल्लंघन करते हुए पत्रकारों की उस क्षमता को प्रतिबंधित करने का प्रयास करती है जो वे हमेशा करते आए हैं। यानी सरकारी कर्मचारियों से सवाल पूछना या ऐसी खबरों के लिए जानकारी जुटाना जो जनता को सिर्फ आधिकारिक घोषणाओं से परे ले जाएं।

- रक्षा मंत्री हेगसेथ, उनके प्रवक्ता समेत कई को बनाया प्रतिवादी

रक्षा मंत्री पर गोपनीय सैन्य योजना लीक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यमन में हूती विद्रोहियों पर होने वाले सैन्य हमले से संबंधित संवेदनशील योजनाएं अपने निजी फोन से साझा करके अमेरिकी सैनिकों को जोखिम में डाल दिया। पेंटागन के महानिरीक्षक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में गैरअनुमोदित मैसेजिंग ऐप और उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर भी उन पर सवाल उठाए गए हैं। महानिरीक्षक ने पाया कि हेगसेथ के पास 'सिग्नल चैट' नामक मैसेजिंग ऐप में साझा की गई जानकारी को 'डी-क्लासिफाई' यानी गोपनीय श्रेणी से हटाने का अधिकार था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हूती विद्रोहियों पर होने वाले हमले का संवेदनशील विवरण जारी करना, पेंटागन के आंतरिक नियमों का उल्लंघन है।

मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर 12 करोड़ यूरो जुर्माना

लंदन। यूरोपीय संघ के नियामकों ने शुक्रवार को एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर डिजिटल नियमों का पालन न करने के लिए 12 करोड़ यूरो (लगभग 14 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। यूरोपीय आयोग ने यह निर्णय दो साल पहले ''एक्स'' (पूर्व में ट्विटर) के खिलाफ शुरू की गई जांच के बाद लिया है। यह जांच 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए) के तहत की गई थी। डीएसए एक व्यापक कानून है जो सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन मंच से कहता है कि यूरोप के उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए वे ज्यादा जिम्मेदारी लें और अपनी साइट पर आने वाली हानिकारक या गैर-कानूनी सामग्री तथा उत्पादों को तुरंत हटाएं। अगर वे ऐसा नहीं करते तो बहुत भारी जुर्माना लग सकता है।

आयोग ने कहा कि वह सोशल मीडिया मंच एक्स को डीएसए की पारदर्शिता आवश्यकताओं के तीन अलग-अलग उल्लंघनों के कारण दंडित कर रहा है। नियामकों ने कहा कि 'एक्स' के नीले टिक निशान नियमों का उल्लंघन करते हैं क्योंकि उनका भ्रामक डिजाइन उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी और गलत जानकारी के जोखिम में डाल सकता है।

पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाए जापान: चीन

बीजिंग। चीन ने जापान से द्वितीय विश्व युद्ध में पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने, युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देना बंद करने तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से बचने का आग्रह किया।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी जापानी सरकार की ओर से रक्षा व्यय में वृद्धि को मंजूरी देने और फिलीपींस के साथ जापानी मिसाइल के निर्यात पर बातचीत करने के संदर्भ में की। जियांग बिन ने जापान की आलोचना करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में जापान ने बार-बार अपने शांतिवादी संविधान के तहत दी गई प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन ,रक्षा बजट में भारी वृद्धि और घातक हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दिया है तथा अपने तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों में संशोधन करने का प्रयास किया है। कहा, जापान ने सैन्य विकास पर लगी पाबंदियों को तेजी से ढीला किया है, जिससे वहां सैन्यवाद के फिर उभरने का खतरा पैदा हो गया है।

विश्व कप, ओलंपिक और निवेशक वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देगा अमेरिका

- दुनिया भर में 400 अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी तैनात किए

वाशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे उन विदेशियों के वीजा आवेदनों को प्राथमिकता दें जो अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं या 2026 विश्व कप, 2028 ओलंपिक और अन्य प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने आ रहे हैं। अमेरिका ने इसके साथ वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी भी तैनात किए हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, अमेरिका में महत्वपूर्ण निवेश पर विचार कर रहे व्यापारियों और अमेरिकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए यात्रा करने वालों के वीजा आवेदन प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होंगे। यह कदम अमेरिका में होने वाले बड़े खेल आयोजनों से पहले प्रशंसकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, विश्व कप के प्रशंसकों के आवेदनों को सभी अन्य बी1/बी2 आवेदनों पर प्राथमिकता दी जाएगी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारियों को तैनात किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने उच्च कौशल वाले विदेशी श्रमिकों के एच-1बी वीजा आवेदनों पर विचार के लिए नए मानदंड निर्धारित किए हैं। उन आवेदकों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है जो ऑनलाइन या अन्य माध्यमों से अमेरिकी नागरिकों की सेंसरशिप में शामिल या उसके लिए जिम्मेदार रहे हैं।

अमर्यादित भाषा: आप्रवासियों को कचरा कहने पर घिरे ट्रंप

न्यूयॉर्क। सोमालिया के आप्रवासियों को 'कचरा' कहने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान की काफी आलोचना हो रही है। मिनेसोटा राज्य के डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर टिम वाल्ज ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए इसे भद्दा बताया।

वाल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप ने मिनेसोटा के सभी निवासियों को बदनाम किया, जहां अमेरिका के दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक सोमालियाई आप्रवासी रहते हैं। उन्होंने कहा कि सोमालियाई आप्रवासियों के प्रति ऐसी नफरत भरी टिप्पणियां पहले कभी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने नहीं कीं। वाल्ज ने कहा, आज हमारे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, जबकि उनके ही राष्ट्रपति उन्हें कचरा कह रहे हैं। कई बुद्धिजीवियों ने भी ट्रंप की इस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। एल्बनी में स्थित न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर कार्ल बोन टेम्पो ने कहा, उन्होंने रोजमर्रा की बातचीत में इस तरह की भाषा को ज्यादा सामान्य बना दिया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 6 दिसंबर 21.25 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

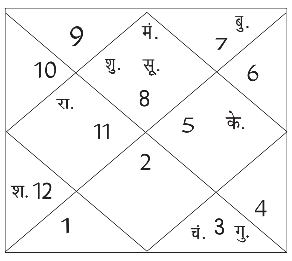

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 08.48 तक तत्पश्चात आर्द्रा 07 दिसंबर 06.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष: आज भूमि-संपत्ति को लेकर महत्वपूर्ण अनुबंध हो सकते हैं। नया ज्ञान अर्जित करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष: आज धन अनावश्यक बर्बाद हो सकता है। किसी बड़े कार्य को लेकर परेशानी दूर होगी। व्यवसाय में जल्दबाजी के कारण नुकसान हो सकता है। आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। मित्रों के साथ आप काफी समय बिताएंगे।

मिथुन: आज आपका पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने के लिए आप काम से छुट्टी भी ले सकते हैं। मानसिक रूप से सुकून का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क: आज पोषण की कमी के कारण शरीर में थकावट महसूस होगी। प्रेम संबंधों को लेकर मन थोड़ा विचलित रहेगा। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपको बाद में पछताना पड़े। अपने मन की बातें सभी से शेयर न करें। लोग आपका मजाक भी बना सकते हैं।

सिंह: आज कार्यक्षेत्र की चुनौतियां दूर होंगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर तत्पर रहेंगे। लोहा और शराब कारोबारियों के लिए दिन विशेष रूप से बहुत ही अच्छा है।

कन्या: आज विरोधी आपके सामने कमजोर पड़ जाएगें। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। मन में थोड़ी-बहुत कन्फ्यूजन की स्थिति रहेगी। अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

तुला: आज कारोबार में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। घरेलू खर्चों को कम करने की आवश्यकता है। अनावश्यक यात्राएं हो सकती हैं। आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट सकता है। गूढ़ विषयों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक: आज आपको किसी योग्य व्यक्ति से परामर्श लेना चाहिए। मन में नकारात्मक विचार और अज्ञात भय व्याप्त हो सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अच्छा नहीं है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

धनु: आज आप अपने कार्य की गुणवत्ता पर अत्यधिक ध्यान देंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। अपने निर्णयों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवाह योग्य लोगों को उत्तम रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर: आज आप अपने करियर को लेकर थोड़े चिंतित रहने वाले हैं। सरकारी नौकरी करने वालों को उत्तम सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। आप नई तकनीक का प्रयोग सीखने का प्रयास करेंगे।

कुंभ: आज नई परियोजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन रही है। पेट में वायु विकार उत्पन्न होने की संभावना है। दोस्तों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। अपने भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

मीन: आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं है। आपके सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। काम को लेकर आपको यात्रा करनी पड़ेगी। सोशल मीडिया पर अधिक समय बर्बाद न करें। अजीबोगरीब स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू -182

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
4								
		5						
1								
		2						
	6				9			
	8						7	

सुडोकू - 181 का हल

1	2	5	3	6	8	4	9	7
8	3	9	1	4	7	2	5	6
4	6	7	9	2	5	8	3	1
3	9	6	2	7	1	5	4	8
5	1	2	8	3	4	7	6	9
7	8	4	5	9	6	3	1	2
2	5	3	6	8	9	1	7	4
9	4	8	7	1	3	6	2	5
6	7	1	4	5	2	9	8	3

“उमरान मलिक एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे लगता है कि आईपीएल में छोटे मैदान और अच्छी पिचें होने के कारण आपको तेज गेंदबाज़ी के लिए एक एक्स फैक्टर की ज़रूरत होती है। मुझे लगता है कि वहअच्छा प्रदर्शन करेगा।
–सुनील नारायण

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेंथिलकुमार और अनाहत चैंपियन बने

चेन्नई। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को यहां स्क्वाश इंडियन टूर 4 में पुरुष वर्ग का और अनाहत सिंह ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीय और दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने मिस्र के एडम हवाल को 11–7, 11–9, 9–11, 11–4 से हराकर पुरुषों का खिताब जीता। महिलाओं के फाइनल में दिल्ली की अनाहत सिंह (दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी) ने अनुभवी हमवतन जोशना चिनप्पा (पूर्व नंबर 10) को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 11–8, 11–13, 11–13, 11–6, 11–8 से शिकस्त दी।

बेंगलुरु में खेला जाएगा टेनिस का मुकाबला

बेंगलुरु। भारत और नीदरलैंड के बीच सात–आठ फरवरी को होने वाले डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी का अधिकार शुक्रवार को बेंगलुरु को मिला जिसने बोली में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में दिलचस्पी दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4–1 से जीत गई थी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने हाल में शहर में बिली जीन किंग कप प्ले–ऑफ की मेजबानी की थी। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफायर चरण में जगह बनाई जबकि नीदरलैंड दूसरे दौर में अर्जेंटीना से इसी अंतर से हार गया था।

आईपीबीएल: मुंबई ने जीत का खाता खोला

नई दिल्ली। मुंबई स्मैशर्स ने कैपिटल वॉरियर्स गुड़गांव को 4–2 से हराकर इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में अपनी पहली जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद रॉयल्स ने वापसी करते हुए बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 3–3 से बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से नॉकआउट की तीन दावेदार टीम टाई अंक, मैच अंक और आपसी मुकाबले के परिणाम के मामले में बराबरी पर आ गयी। अंतिम नॉकआउट स्थान के लिए मुंबई, गुड़गांव और बेंगलुरु के बीच तीन टीम का प्ले–इन होगा। शनिवार प्ले–इन मुकाबलों की विजेता टीम चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर क्वालीफायर एक में तीसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी।

फखर जमां ने आचार संहिता तोड़ी

दुबई : पाकिस्तान के बैटर फखर जमां पर मैच फीस का 10 परसेंट जुर्माना लगाया गया है। उन्हें 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई–सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी कोड ऑफ़ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने का दोषी पाया गया। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए है, जो इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त

एशेज सीरीज : दूसरा दिन

- इंग्लैंड ने पांच कैच छोड़े, रूट 138 रन बनाकर नाबाद रहे
- ऑस्ट्रेलिया के वेदरॉल्ड, लाबुशेन और स्मिथ ने ठोके अर्धशतक

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड : 334/10 (पहली पारी)
ऑस्ट्रेलिया : 378/6 (पहली पारी जारी)

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को मिली अच्छी शुरुआत से शुक्रवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट पर 378 रन बनाकर पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल कर ली।

इंग्लैंड को खराब गेंदबाजी और कम से कम पांच कैच छूटने से काफी नुकसान हुआ जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फायदा उठाने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी की तेज शुरुआत कराते हुए 72 गेंद में 78 रन बनाए जबकि मार्नस लाबुशेन (65) ने लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए। गाबा की पिच में कुछ असमान उछाल के बावजूद दिन में बल्लेबाजों का दबदबा रहा। एलेक्स कैरी का दो बार कैच छूटा। एक बार जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था और फिर 25 रन पर उनका कैच छूटा जिससे वह स्टंप तक 45 गेंद में 46 रन बनाकर खेल रहे हैं। माइकल नेसर को भी एक जीवनदान मिला जिससे वह 7वें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी में 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पर्थ में सीरीज का पहला मैच दूसरे ही दिन खत्म हो गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी। पर ब्रिस्बेन में यह दिन-रात्रि टेस्ट लंबा चलता दिख रहा है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह नौ विकेट पर 325 रन से आगे खेलना शुरू किया, पर 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के आउट होने से पहले स्कोर में 14 गेंद में नौ रन और जोड़े। रूट ने 135 रन से खेलना शुरू किया पर जब आखिरी विकेट के लिए 70 रन की भागीदारी खत्म हुई तो वह 138 रन बनाकर नाबाद रहे जो ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला एशेज शतक है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक रहे ट्रेविस हेड ने नौवें ओवर में विकेटकीपर स्मिथ द्वारा आर्चर की गेंद पर तीन रन पर कैच छूटने के बाद 30 रन और जोड़े।

रोहित-कोहली से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मुकाबला आज दोपहर 1.30 बजे से, गेंदबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारत विराट कोहली और रोहित शर्मा से फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा। भारत के कुछ युवा खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसे में उन पर दबाव होगा। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद अब वनडे श्रृंखला जीतने में भी कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है।

भारत अगर इस मैच में जीत हासिल करता है तो पिछले कुछ समय से टीम को लेकर चल रही अटकलें पर भी विराम लग जाएगा। इसके लिए कोहली और रोहित को फिर से अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन दोनों का वनडे क्रिकेट में कोई सानी नहीं है और उन्हें इस तरह के दबाव वाले मैच में खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए भारत की जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रोहित और कोहली अपनी करियर के अवसान पर हैं और वह इसमें एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपनी पिछली तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, जबकि रोहित ने अपनी पिछली चार पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्हें कुछ युवा बल्लेबाजों का अच्छा सहयोग मिल रहा है जैसा कि पिछले मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक लगाया था। लेकिन यशस्वी जायसवाल को अभी भी इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन करना बाकी है। यह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए उत्सुक होगा।

जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ जूझना पड़ रहा है फिर चाहे वह वेस्टइंडीज के जेडन सील्स हों या इस श्रृंखला में मार्को यानसन और नांद्रे बर्गर। वह अपने करियर में 30 बार बाएं हाथ के गेंदबाजों का शिकार बने हैं।

जायसवाल और टीम प्रबंधन इससे अनजान नहीं रह सकते और इसमें सुधार करने का काम शायद पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन अगर वह सुधार नहीं कर पाए तो टीम को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। टीम के पास गायकवाड़ के रूप में एक अदद सलामी बल्लेबाज मौजूद है। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल होती है और भारत का यहां शानदार रिकॉर्ड रहा है। उसने यहां 2005 से 10 एकदिवसीय मैचों में से सात में जीत हासिल की है लेकिन यहां खेले गए पिछले मैच में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। कप्तान केएल राहुल ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इस श्रृंखला में ओस के कारण टॉस की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भारत वनडे में पिछले 20 मैच से टॉस नहीं जीत पाया है जिसका खामियाजा उसे रायपुर में दूसरे वनडे में भुगतना पड़ा।

भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सीरीज जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वह तेज गेंदबाज बर्गर और बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी की फिटनेस को लेकर चिंतित है। यह देखना होगा कि ये दोनों खिलाड़ी इस मैच के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यान्सेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

टेस्ट में हार के बाद वनडे सीरीज में जीतने की बेताबी : डोएशे

विशाखापत्तनम : सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने शुक्रवार को कहा कि टेस्ट सीरीज में उम्मीद से खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज जीतने के लिए कुछ हद तक ‘बेताब’ है।

भारत हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से से दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से हार गया था और वनडे सीरीजअब 1-1 से बराबर है। डोएशे ने एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, खिलाड़ियों का यह एक बहुत ही अलग समूह है, लेकिन खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को लेकर पूरी तरह से जागरूक है।

लोकेश राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने रांची में पहला वनडे 17 रन से जीता लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने रायपुर में चार विकेट की जीत से शानदार वापसी की। डोएशे ने कहा हम हमेशा जीतना चाहते हैं। जब कुछ हार का सिलसिला शुरू हो जाता है और प्रदर्शन हमारी अपेक्षा से कम हो जाता है तो निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि यह श्रृंखला के दृष्टिकोण से थोड़ी हताशा है। डोएशे ने हालांकि कि कहा कि इस टीम के खिलाड़ी ऐसे दबाव भरे हालात से निपटने के आदी हो चुके हैं।

मैक्सवेल, रसेल, अश्विन समेत कई बड़े नाम रहेंगे गायब

- अबू धाबी में आज होगी आईपीएल 2026 की नीलामी
- 10 फ्रेंचाइजी के 77 स्लॉट भरने के लिए होगी जोरआजमाइस

1355 क्रिकेट खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

अबू धाबी, एजेंसी

अबू धाबी में 6 दिसंबर को होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी 77 स्लॉट भरने के लिए एक-दूसरे को पछाड़ती नजर आएंगी। इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ियों - जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं- ने पहले ही आने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की फाइनल शॉर्टलिस्ट 5 दिसंबर के बाद सभी टीमों की दिलचस्पी जानने के बाद तय की जाएगी। हालांकि, कुछ बड़े नाम आने वाली आईपीएल नीलामी से गायब रहेंगे क्योंकि कई हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों, जिन्हें उनकी संबंधित टीमों ने रिलीज कर दिया था, ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है। कुछ और जाने-पहचाने चेहरे भी लीग या क्रिकेट से पूरी तरह रिटायरमेंट के कारण भविष्य के आईपीएल सीजन में वापस नहीं आएंगे। यहां उन टॉप क्रिकेटरों की पूरी लिस्ट दी गई है जो आईपीएल 2026 नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट स्टार ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है, जिससे फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट लीग में उनके लगातार 13 सीजन का सिलसिला खत्म हो गया, जो 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू हुआ था।

साल की शुरुआत में आर. अश्विन ने ले लिया था संन्यास

इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद, अश्विन आईपीएल नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। यह ऑफ–स्पिनर पहले सीजन से ही आईपीएल का हिस्सा रहे हैं, जब सीएसके ने उन्हें एक घरेलू खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था, पर उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था। तब से, अश्विन 2017 के सीजन को छोड़कर हर आईपीएल सीजन का हिस्सा रहे हैं– यह वह सीजन था जो उन्होंने पुणे टीम में होने के बावजूद चोट के कारण मिस कर दिया था।

खेल मंत्री ने घुड़सवारी पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में थाईलैंड में एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में एक व्यक्तिगत स्वर्ण सहित पांच पदक जीतने वाली भारतीय ‘इवेंटिंग’ और ‘ड्रेसेज’ टीमों को सम्मानित किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक वर्ष के अंदर देश में एक पृथकवास केंद्र स्थापित करने का वादा किया।

पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में छह सदस्यीय भारतीय टीम ने भाग लिया था जिसमें से आशीष लिमये ने दो पदक जीते।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए शेफाली नामांकित

दुबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

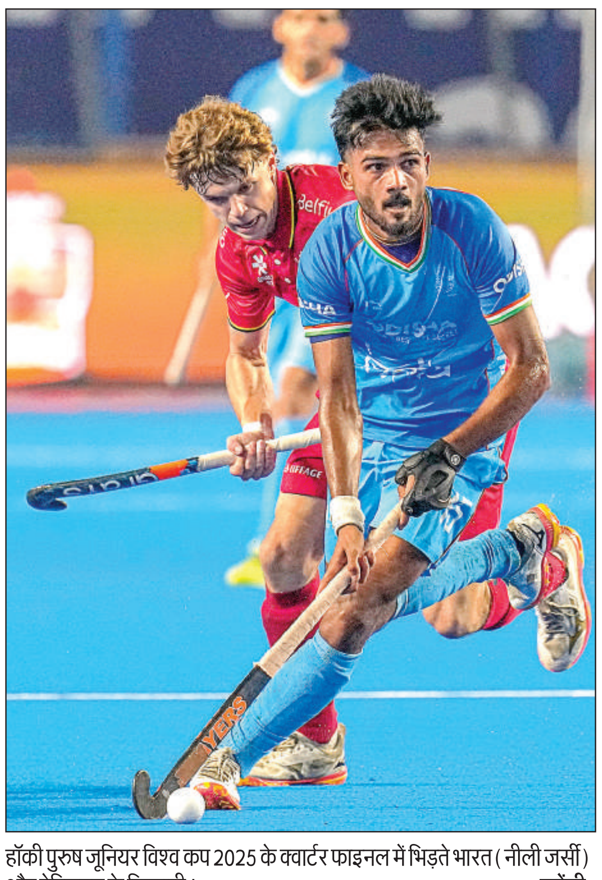

हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में भिड़ते भारत (नीली जर्सी) और बेल्जियम के खिलाड़ी। एजेंसी

जूनियर हॉकी विश्व कप | खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में 4–3 से जीत दर्ज की, अब सात दिसंबर को जर्मनी से होगा मुकाबला

बेल्जियम को हराकर भारत शान से पहुंचा सेमीफाइनल में

- शूटआउट में भारत के लिए शारदानंद तिवारी ने तीन और अंकित पाल ने किया एक गोल

चेन्नई, एजेंसी

निर्धारित समय में आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद भारतीय टीम ने बेल्जियम को शुक्रवार को यहां शूटआउट में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के शानदार प्रदर्शन के दम पर 4-3 से हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत का सामना अब सात दिसंबर को जर्मनी से होगा, जबकि स्पेन की भिड़ंत अर्जेंटीना से होगी।

निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर था। भारतीय टीम को आखिरी सीटी बजने से एक मिनट पहले कोताही बरतने का खामियाजा भुगतना पड़ा और रोजे नाथन के गोल की मदद से बेल्जियम ने मैच को शूटआउट तक खींच दिया।

शूटआउट में भारत के लिए शारदानंद तिवारी ने तीन (पेनल्टी स्ट्रोक पर) और अंकित पाल ने एक गोल किया जबकि बेल्जहयम के लिये हुजो लाबुशेरे, जी हाआक्स और चार्ल्स एल ने गोल दागे। इससे पहले मैच में 45वें मिनट तक बेल्जियम ने अपनी सटीक पासिंग और गेंद पर नियंत्रण से भारत को दबाव में रखा लेकिन तीसरे क्वार्टर में कप्तान रोहित ने आखिरी मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर जैसे ही बराबरी का गोल दागा, मैच की तस्वीर बदल गई।

खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में मानो उत्साह का संचार हो गया। इससे दो मिनट पहले मिले पेनल्टी कॉर्नर पर रोहित का प्रयास नाकाम रहने से मिली निराशा भी दूर हुई। बेल्जियम को आखिरी मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय डिफेंस ने इस बार कोई चूक नहीं की। चौथे क्वार्टर की शुरुआत बेल्जियम ने काफी आक्रामक की और पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन बढत नहीं बना सकी। भारत को जवाबी हमले में 48वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और शारदानंद तिवारी ने जैसे ही भारत को बढत दिलाई, पूरा स्टेडियम 'इंडिया इंडिया' के शोर से गूंज उठा।

यह इत्तेफाक ही है कि शारदानंद के निर्णायक गोल की मदद से ही भारतीय जूनियर टीम भुवनेश्वर में चार साल पहले हुए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी को एक गोल से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी। इससे पहले शुरुआती क्वार्टर में भारत को छठे ही मिनट में गोल करने का सुनहरा मौका मिला लेकिन मनमीत के शॉट को बेल्जियम के गोलकीपर ने बचा लिया। मेजबान टीम को चार मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन शारदानंद तिवारी का प्रयास नाकाम रहा।

दूसरी ओर बेल्जियम टीम ने जवाबी हमला करने में देर नहीं की और इसका फायदा मिला जब तेरहवें मिनट में कोर्नेज ने शानदार फील्ड गोल करके टूर्नामेंट में अब तक कोई चुनौती नहीं झेलने वाले भारतीय डिफेंस की कलई खोल दी। दाहिने फ्लैंक से गेंद लेकर कोर्नेज ने सर्कल के भीतर पास दिया। गेंद भीतर से फिर बायीं तरफ बाहर को आई और भारत के सारे डिफेंडर दूसरी तरफ थे जिसका फायदा उठाकर कार्नेज ने तेजी से भागते हुए गेंद गोल के भीतर डाल दी। गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह पूरी तरह चकमा खाकर बायीं ओर डाइव लगाकर गोल बचाने में नाकाम रहे।

नीदरलैंड के खिलाफ जीत का जश्न मनाते अर्जेंटीना के खिलाड़ी। एजेंसी

अर्जेंटीना, जर्मनी व स्पेन भी अंतिम चार में

चेन्नई : सात बार की चैंपियन जर्मनी ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि स्पेन और अर्जेंटीना ने भी अंतिम चार में जगह बना ली। स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4–3 से और अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 1–0 से हराया। दो साल पहले खेले गए फाइनल की यादें ताजा करते हुए जर्मनी ने एक बार फिर जोश से भरी फ्रांस टीम पर अपना दबदबा कायम रखा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर यह मुकाबला देखने के लिए दोनों यूरोपीय दिग्गज टीमों के खिलाड़ियों के परिजन मौजूद थे जो लगातार हौसलाअफजाई कर रहे थे।